शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 342 | गुवाहाटी | मंगलवार, 11 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

ऊपरी असम में अल्फा (स्वाधीन) ने चाय बागान मालिकों को उगाही के लिए... पेज 3

भारतीय सेना में गोरखाओं की भर्ती पर नेपाल में असमंजस, तैयारी कर... पेज 4

दो चरणों में योगी सरकार करेगी खरीफ फसलों की ई-पड़ताल पेज 5

सचिन पायलट मुख्यमंत्री नहीं तो कांग्रेस को वोट नहीं : सांसद नागर पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मंत्रणा को गुप्त रखने से ही कार्य सिद्ध होता है।

- आचार्य चाणक्य

सात कॉलेजों को विवि का दर्जा देने की योजना बना रही सरकार : सीएम

गुवाहाटी। राज्य सरकार ने सात कॉलेजों को विश्वविद्यालय का दर्जा देने का एक ऐसा निर्णय लिया है जिससे राज्य में विश्वविद्यालयों की कुल संख्या 10 हो जाएगी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्विटर पर घोषणा करते हुए कहा कि असम को पूर्वी भारत में एक शैक्षणिक हब बनाने के हमारे प्रयास में, हम सात कॉलेजों को विश्वविद्यालय का दर्जा देने की योजना बना रहे हैं। एक बार यह योजना पूरा हो जाने पर हम 2021 के बाद राज्य में 10 नए विश्वविद्यालय स्थापित करने में सक्षम होंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैंने हाल ही में इन कॉलेजों के प्राचार्यों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री शर्मा के अनुसार, जोरहाट में जेबी कॉलेज, लखीमपुर में उत्तरी लखीमपुर कॉलेज, नगांव में नौगांग कॉलेज, शिवसागर में सिबसागर कॉलेज, सिलचर में गुरुचरण कॉलेज और बंगाईगांव में बंगाईगांव कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाएगा। हालांकि, हैंडिक गर्ल्स कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने की उम्मीदें दूर की कौड़ी लगती हैं। असम सरकार राज्य में कॉलेज उन्नयन के लिए नए बिल पेश करने पर विचार कर रही है, जिससे कॉलेज की संभावनाएं अनिश्चित हो गई हैं। मालूम हो कि 16 जून को पिछली घोषणा में, मुख्यमंत्री शर्मा ने स्पष्ट किया था कि अगस्त में विधानसभा सत्र के दौरान, असम सरकार सिबसागर कॉलेज, कोकराझार सरकारी कॉलेज, बंगाईगांव कॉलेज, जोरहाट में जेबी कॉलेज, उत्तरी लखीमपुर कॉलेज, नगांव कॉलेज और गुरुचरण कॉलेज को विश्वविद्यालय में स्थापित करने के लिए विधेयक पेश करेगी। दूसरी ओर पर्याप्त भूमि की कमी के कारण हैंडिक कॉलेज के उन्नयन में समय लगेगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने ट्विटर अकाउंट पर कहा कि हम हैंडिक कॉलेज के लिए जमीन तलाश रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि हैंडिक गर्ल्स कॉलेज लगभग 2,700 छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है और एक विश्वविद्यालय में इसके परिवर्तन के लिए बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी। उधर हैंडिक गर्ल्स कॉलेज के एक गुमनाम अधिकारी ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री का ट्वीट देखा है, लेकिन हमें इस मामले के संबंध में सरकार से अभी तक कोई आधिकारिक संचार नहीं मिला है।

टियोक पहुंचे मुख्यमंत्री शर्मा ने किया तर्पण

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा आज लाचित मैदाम का निरीक्षण करने ऊपरी असम के जोरहाट जिलांतर्गत टियोक पहुंचे। वहां पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने स्वर्ग देव का तर्पण किया। उन्होंने टियोक में स्थापित होने वाले लचित बरफूकन की 150 फुट ऊंची प्रतिमूर्ति की स्थापना स्थल का भी निरीक्षण किया। ज्ञात हो कि यहां लचित मैदाम परियोजना का कार्य 149.82 करोड़ रुपए की लागत से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने इस परियोजना के कार्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

शिलांग के आईबीबीआर परिसर से मिले महिला समेत तीन लोगों के शव

शिलांग। शिलांग के इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड बायोरिसोर्स (आईबीबीआर) परिसर में एक महिला समेत तीन लोग मृत मिले हैं। पुलिस ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रविवार रात को संस्थान के निर्माणाधीन स्थल पर मौजूद दो कमरों से शव बरामद किए गए और उनकी पहचान संस्थान के कर्मचारियों के रूप में की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 40 वर्षीय क्लीनर शीबा खरबानी का शव एक कमरे में मिला है, जबकि 43 वर्षीय रूपर्ट डोनबोर और 30 वर्षीय खारकरंग के शव दूसरे कमरे से बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों लोग -शेष पृष्ठ दो पर

बोकोटा में फूड पॉइजनिंग के कारण 40 लोग अस्पताल में भर्ती

गुवाहाटी। राज्य के शिवसागर जिले के बोकोटा में आज फूड पॉइजनिंग की एक घटना के बाद कम से कम 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, मरीजों की देखभाल कर रहे डॉक्टरों को संदेह है कि बोकोटा के कैवर्ता गांव में आयोजित एक धार्मिक समारोह में भोजन के सेवन के कारण फूड पॉइजनिंग हुई होगी। समारोह में खाना खाने के बाद मरीजों में दस्त, उल्टी और बुखार के लक्षण दिखे। फिलहाल पांच बच्चों समेत 13 लोगों का इलाज लाकवा मॉडल अस्पताल में चल रहा है, जबकि बाकी को इलाज के लिए जॉयसागर सिविल अस्पताल ले जाया गया है। मालूम हो कि इसी तरह की एक घटना में, 6 जुलाई को फूड पॉइजनिंग -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

हनुमान जन्मोत्सव समारोह के दौरान दो गुटों में झड़प, एक की हत्या

मैसूर। कर्नाटक के मैसूर में युवा ब्रिगेड के एक सदस्य की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि हनुमान जन्मोत्सव समारोह के दौरान युवाओं के दो समूहों के बीच झड़प हुई थी। इसके बाद युवा ब्रिगेड के एक सदस्य की जिले के टी नरसीपुरा में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान श्रीरामपुरा कॉलोनी निवासी 32 वर्षीय वेणुगोपाल नायक के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शनिवार को जुलूस के दौरान युवकों के दो गुटों के बीच मामूली बात को लेकर झड़प हो गई थी। इस घटना के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार में गृह-युद्ध हुआ तेज, विद्रोहियों को भी मिल रहा सेना का साथ

नाएप्यीडॉ (हि.स.)। म्यांमार में गृह-युद्ध लगातार तेज हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि म्यामांर की सेना में ही विद्रोह की सूचना मिल रही है। खबर है कि सेना की कुछ टुकड़ियां विद्रोहियों के साथ मिलकर सैन्य शासन को चुनौती देने लगी हैं। पिछले कुछ महीनों से सेना और सैन्य ठिकानों पर विद्रोहियों के हमले भी तेज हुए हैं। देश भर में जगह-जगह आगजनी -शेष पृष्ठ दो पर

टीएमसी ने सुष्मिता को रास का टिकट देने से किया इनकार

गुवाहाटी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने आज आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए छह उम्मीदवारों की सूची जारी की। इस सूची में सुष्मिता देव जगह बनाने में असफल रहीं। मालूम हो कि सुष्मिता देव 2021 में पश्चिम बंगाल से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुनी गईं थीं। यहां यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि सुष्मिता देव, जो अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की पूर्व प्रमुख थीं, अगस्त 2021 में कांग्रेस में टीएमसी में शामिल हो गईं। असम के सिलचर से पूर्व सांसद द्वारा पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में हिंसा भड़काने के लिए एससी का न करें इस्तेमाल : सीजेआई

इंफाल। मणिपुर में इंटरनेट बहाल करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। राज्य सरकार ने कहा है कि स्थिति में बार-बार बदलाव हो रहा है। अभी इस आदेश पर अमल से मुश्किल हो सकती है। उल्लेखनीय है कि 7 जुलाई को मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को राज्य में लगे इंटरनेट पर बैन हटाने का निर्देश दिया था। आज, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए है और उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली एक याचिका का उल्लेख किया। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि पिछली बार कोर्ट के ध्यान में यह बात लाई गई थी कि पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

दंगाइयों से झड़प में पुलिसकर्मी की मौत दस घायल

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा की खबर सामने आई है। राज्य के पश्चिमी कांगपोकपी इलाके में रात भर हुई झड़पों के बाद सोमवार को एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। कांगपोकपी में सुबह करीब 3 बजे से 6 बजे के बीच कुछ -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम के गृह मंत्री का दावा

विस्थापितों के लिए केंद्र से नहीं मिली कोई सहायता

एजल। मिजोरम के गृह मंत्री लालचामलियाना ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार को हिंसा प्रभावित मणिपुर के 12,300 से अधिक आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) को राहत देने के लिए केंद्र से कोई सहायता नहीं मिली है। मिजोरम सरकार ने अपने राज्य में जातीय हिंसा के कारण शरण लेने वाले पड़ोसी राज्य मणिपुर के लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए केंद्र से 10 करोड़ रुपए की मांग की थी। लालचामलियाना ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र आज तक मणिपुर के आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों को मानवीय सहायता के रूप में 10 करोड़ रुपए जारी करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली से लेकर हिमाचल तक भारी बारिश का कहर, पीएम ने स्थिति का लिया जायजा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों से बात की और भारत के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश के मद्देनजर स्थिति का जायजा लिया। पीएमओ ने यह जानकारी दी। पीएम के मुताबिक, स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। इससे पहले, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में लगातार हो रही बारिश से बने हालात पर सभी मंत्रियों, अधिकारियों और मेयर के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

पुंछ में बारूदी सुरंग विस्फोट, जवान घायल

पुंछ (हि.स.)। पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक बारूदी सुरंग विस्फोट होने से सेना का एक जवान घायल हो गया है। सैन्य अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि केरनी सेक्टर के एक अग्रिम गांव में गश्त के दौरान जवान ने अपना पैर गलती से बारूदी सुरंग पर रख दिया और एक जोरदार विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में जवान घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घायल को एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर जवान का उपचार जारी है। अधिकारियों ने कहा कि घुसपैठ के -शेष पृष्ठ दो पर

संसद में विपक्ष को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी

भाजपा ने 19 को बुलाई एनडीए घटक दलों की बैठक

नई दिल्ली। सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने संसद के मानसून सत्र के शुरू होने से एक दिन पहले एनडीए के घटक दलों की बैठक बुलाई है। एनडीए में शामिल सभी घटक दलों के फ्लोर लीडर्स की यह बैठक 19 जुलाई को शाम 5:30 बजे संसद भवन परिसर में ही बुलाई गई है। इस बैठक में दिल्ली से जुड़े अध्यादेश समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा और सत्र के दौरान विपक्ष के हंगामे से पार पाने की -शेष पृष्ठ दो पर

जरूरी वस्तुओं-दवाओं की कमी से लोग परेशान

मैतेई लोगों ने नाकाबंदी हटाने से किया इनकार

चुराचांदपुर (मणिपुर)। मणिपुर में जारी हिंसा के कारण आवश्यक वस्तुओं और दवाओं की कमी ने पूर्वोत्तर राज्य के निवासियों के बीच हताशा और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। केंद्र के आह्वान पर कुकी समुदाय ने राष्ट्रीय राजमार्ग दो से नाकाबंदी हटा दी है, लेकिन मैतेई समुदाय ने नाकाबंदी नहीं हटाई है, जिसके कारण राज्य के सबसे बड़े चुराचांदपुर जिले में जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) दो इंफाल घाटी में रह रहे लोगों के लिए जीवनरेखा की तरह काम करता है। चुराचांदपुर में कुकी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। चुराचांदपुर में करीब चार लाख लोग रहते हैं और इसके अलावा 10,000 विस्थापित लोग जिले में बनाए गए राहत शिविरों में रह रहे हैं। चिकित्सकों, खासकर सर्जन की अत्यधिक कमी हो गई है, जिसके गंभीर परिणाम हो रहे हैं, क्योंकि डायलिसिस, कैंसर के लिए दवाएं और एड्स की दवाइयों समेत आवश्यक चिकित्सकीय उपचार जरूरतमंद लोगों को नहीं मिल पा रहे। चुराचांदपुर जिला अस्पताल के चिकित्सकीय अधीक्षक डॉ. तिंगलोनलेई ने कहा कि हमें इस स्थिति में चिकित्सकों की वास्तव में आवश्यकता है। -शेष पृष्ठ दो पर

छिटपुट हिंसा के बीच पंचायत चुनाव पुनर्मतदान रहा शांतिपूर्ण, हाई कोर्ट पहुंचा विपक्ष

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए 19 जिलों के 696 मतदान केंद्रों पर सोमवार को हिंसा की छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पुनर्मतदान शांतिपूर्ण रहा। पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग के अनुसार दोपहर एक बजे तक औसतन 30.54 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। मतगणना मंगलवार को सुबह 08 बजे से शुरू होगी। नादिया जिले में ग्रामीणों ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर सुबह मतदान करने से रोके जाने के बाद विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़कें अवरुद्ध कर दीं। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने तृणमूल कांग्रेस के एक युवा नेता की जमकर पिटाई की और उनकी मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ की। बाद में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। सुबह मतदान की शुरुआत में ही तृणमूल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

पंचायत चुनाव : ममता बनर्जी के समर्थन में उतरी कांग्रेस, कहा-

टीएमसी हिंसा भड़काने वालों के साथ नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा को लेकर सोमवार को कहा कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है और राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) हिंसा भड़काने वालों के साथ खड़ी नहीं है। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यह भी दावा किया कि अगर यह हिंसा भारतीय जनता पार्टी के शासन वाले राज्य में होती तो भाजपा हिंसा करने वालों के साथ खड़ी नजर आती। वल्लभ ने कहा कि कांग्रेस का हमेशा मानना रहा है कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है...हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वहां जिस पार्टी (टीएमसी) की सरकार है क्या वह दोषियों के साथ खड़ी है या दोषियों के खिलाफ खड़ी है? अगर भाजपा के शासन में ऐसा हुआ होता तो वह दोषियों के साथ खड़ी होती। ममता बनर्जी और (उनकी) सरकार ने यह नहीं कहा है कि वे दोषियों के साथ खड़े हैं, बल्कि वे दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की बात कर रहे हैं.. लोकतंत्र में हिंसा के लिए जगह नहीं है। उन्होंने इसी से जुड़े एक अन्य सवाल पर कहा कि मुझे लगता है और हम देख भी रहे हैं कि पश्चिम बंगाल उन लोगों के साथ नहीं खड़ी है, जो हिंसा भड़का रहे हैं। उधर, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी तृणमूल कांग्रेस और राज्य सरकार पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष चौधरी ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंचायत चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों को राज्य में आने में देरी करने का निर्देश दिया था, ताकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को मतों की लूट करने में मदद मिल सके। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए शनिवार को 61,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ था।

जलाभिषेक हेतु शिव मंदिरों में उमड़ी कांवड़ियों की भीड़

गुवाहाटी (हिंस)। सावन माह के आरंभ होने में अभी एक सप्ताह का समय शेष है बावजूद शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों की भारी भीड़ आज सुबह से ही उमड़ते देखा गया। राज्य के विभिन्न शिव मंदिरों में, खासकर गुवाहाटी के भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, गुवाहाटी के शुक्रेश्वर देवालय, शिवसागर के शिवदौल, तेजपुर के बानेश्वर नाथ जैसे प्रसिद्ध शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा रही है। बताया जाता है कि इस बार दो माह के लिए शिव जलाभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। गुवाहाटी में इन दो महीनों में श्रद्धालु कांवड़िया वशिष्ठ आश्रम से जल भरकर उसे राजधानी के पामोही स्थित भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग तथा राजधानी के पान बाजार स्थित शुक्रेश्वर देवालय में चढ़ाएंगे। इसी प्रकार राज्य में विभिन्न स्थानों पर जगह-जगह से जल भरकर श्रद्धालु भक्त शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे। राज्य के सभी शिव मंदिरों में इसके लिए व्यापक पैमाने पर तैयारियां की गई हैं। मंदिरों को भव्य तरीके से सजाया गया है। कांवड़ियों के जाने के रास्ते में लोगों द्वारा जगह-जगह शरबत, जल आदि के वितरण की व्यवस्था की गई है। इन दो माह तक राज्य के शिवालयों में उत्सव का माहौल बना रहेगा।

सीमा सुरक्षा बल ने संदिग्धावस्था में महिला को पकड़ा

जैसलमेर (हि.स.)। जैसलमेर सेक्टर से लगी भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल की 154 वाहिनी के सतर्क जवानों ने सीमा क्षेत्र में संदिग्धावस्था में भ्रमण कर रही एक भारतीय महिला को रविवार रात्रि को पकड़ा है। रात्रि के समय यह महिला संदिग्धावस्था में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बॉर्डर फेन्सिंग के नजदीक भारतीय इलाके की ओर से पहुंच गयी थी। उस दौरान सीमा सुरक्षा बल के सतर्क जवानों ने महिला को आगे नहीं बढ़ने के लिए चेताया। नतीजतन, महिला आगे नहीं बढ़ी और सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रारम्भिक पूछताछ में महिला ने अपना नाम खानि बताया। इसके अलावा महिला कुछ भी सही से नहीं बता पा रही है। हालांकि इस संबंध में सुरक्षा एजेन्सियां गहन पूछताछ कर रही हैं। ज्ञातव्य है कि सीमा क्षेत्र में रात्रि के समय धारा 144 लागू होने के कारण अनावश्यक व अवांछनीय रूप से सीमा क्षेत्र में घूमना वर्जित होता है।

महत्वपूर्ण सेक्शनों पर दोहरी लाइन के लिए अंतिम सर्वेक्षण को मंजूरी

गुवाहाटी (हिंस)। रेल मंत्रालय ने पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के लगभग 19 किमी का अलुआबाड़ी-ठाकुरगंज सेक्शन, लगभग 168 किमी का अररिया-ठाकुरगंज-सिलीगुड़ी सेक्शन, 14 किमी का सिलीगुड़ी टाउन- गुलमा (बाईपास लाइन) और 8 किमी का न्यू जलपाईगुड़ी-सिलीगुड़ी सेक्शन के नई दोहरी लाइनों के निर्माण के लिए अंतिम सर्वेक्षण कार्य के लिए धनराशि आवंटित कर दी है। कटिहार, मालदा टाउन से डिब्रूगढ़ तक का रेल मार्ग पूसीरे प्रणाली का प्रमुख मार्ग है। यह महत्वपूर्ण रेल मार्ग सात राज्यों वाले पूर्वोत्तर क्षेत्र को भारत के शेष राज्यों से जोड़ता है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने सोमवार को बताया है कि निर्धारित सेक्शनों के ब्रॉडगेज लाइन का दोहरीकरण पूसीरे के लिए उच्च प्राथमिकता है, क्योंकि यह हिस्सा भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और देश के बाकी हिस्सों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करता है। प्रस्तावित दोहरीकरण कार्यों के पूरा होने पर, कटिहार से पूर्वोत्तर राज्यों तक चार लाइनों की कनेक्टिविटी होगी, जो भारत के उत्तरी हिस्से से पूर्वोत्तर राज्यों को रेल परिवहन में बेहतर गतिशीलता प्रदान करने में मदद करेगी। यह क्षेत्र पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और अंतर्राष्ट्रीय देश जैसे नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के लिए व्यापार, वाणिज्य और पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण है।

डोडिंग ड्रग्स बेचने के आरोप में गिरफ्तार

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश लोवर सुवनसिरी जीरो के पुलिस टीम ने एक नानी डोडिंग नामक व्यक्ति को ड्रग्स बेचने कि आरोप में गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 6.77 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की। एक बयान में पुलिस ने आज बताया है कि एक विश्वसनीय जानकारी के आधार पर नानी डोडिंग को जीरो वैली होटल से नशीले मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूचना के आधार पर एसपी डॉ. सचिन सिंघल के दिशा-निर्देश पर एसडीपीओ ओजिंग लेगो के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

विहिप-बजरंग दल ने पुलिस की अनदेखी पर जताई नाराजगी

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी में पुलिस की अनदेखी को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) कार्यकर्ताओं ने अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस सिलसिले में आज पुलिस अधिकारी लीना दलै के साथ विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सदस्यों के बीच काफी तीखी बहस हुई। उल्लेखनीय है कि विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित कई संगठनों के सदस्यों ने पांच जुलाई को हैलाकांदी जिले के मोहनपुर गांव में हुई एक नाबालिग स्कूली छात्रा के अपहरण, बलात्कार और हत्या के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया था। पुलिस अधीक्षक लीना दलै हैलाकांदी शहर के शहीद मेमोरियल मैदान में विरोध प्रदर्शन स्थल पर पहुंचीं। उनके रुकावट डालने और प्रदर्शनकारियों के साथ कहासुनी करने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। पुलिस ने बल प्रयोग कर प्रदर्शन को रोकने की कोशिश की तो स्थिति अनियंत्रित हो गई। पुलिस ने प्रदर्शन स्थल से कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है।

पृष्ठ एक का शेष

टियोक पहुंचे मुख्यमंत्री ...

की तथा आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। उसके बाद मुख्यमंत्री जोरहाट तथा टोकलाई स्थित चाय गवेषणा केंद्र पहुंचे। वहां जाकर मुख्यमंत्री ने इस सिलसिले में चल रहे कार्यों की समीक्षा की।

शिलांग के आईबीबीआर ...

क्लीनर और चौकीदार के रूप में कार्यरत थे। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पुलिस को इमारत की पहली मंजिल पर सफाईकर्मियों के रहने वाले कमरों से दुर्गंध आने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस इलाके के बुजुर्गों के साथ मौके पर पहुंची। अधिकारी ने कहा कि अन्य कमरों की जांच करने पर जंगली मशरूम से भरा एक बर्तन भी मिला है। संदेह है कि तीनों ने मिलकर जंगली जहरीले मशरूम खाए थे। उन्होंने कहा कि पुलिस किसी अन्य सबूत की भी तलाश कर रही है, जिसके कारण तीन व्यक्तियों की मौत हो सकती है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए नॉर्थ ईस्ट इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंस ले जाया गया है। साथ ही पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला भी दर्ज किया है।

बोकोटा में फूड ...

के कारण लगभग 72 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह घटना असम के जोनाई के शांतिपुर गांव में हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना गांव के एक नामघर में एक धार्मिक सभा के दौरान लोगों द्वारा प्रसाद खाने के बाद हुई।

टीएमसी ने सुष्मिता...

की पार्टी में शामिल होने के लिए कांग्रेस छोड़ने के एक महीने से भी कम समय बाद तृणमूल कांग्रेस ने सुष्मिता देव को राज्यसभा के लिए नामित किया था। उधर कथित मनी लॉन्ड्रिंग सहित कई मामलों का सामना कर रहे तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता को पश्चिम बंगाल से राज्यसभा चुनाव के लिए छह उम्मीदवारों में से एक में नामित किया गया है। गोखले केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ सरकार के आलोचक रहे हैं और फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क्राउड-फंडिंग परियोजना में संदिग्ध अनियमितताओं से जुड़े एक मामले के सिलसिले में इस साल जनवरी में गोखले को हिरासत में लिया था। वर्तमान राज्यसभा सांसद डेरेक ओ-ब्रायन, सुखेंदु शेखर रे, दोला सेन, समीरुल इस्लाम और प्रकाश चिक बड़ाइक टीएमसी द्वारा चुने गए अन्य दावेदारों में से हैं। 2011 से, डेरेक ओ-ब्रायन ने टीएमसी के राज्यसभा सांसद के रूप में कार्य किया है। दूसरी ओर, रे पार्टी के उप शीर्ष सचेतक हैं और पहली बार 2012 में संसद के उच्च सदन के लिए चुने गए थे। एक प्रमुख संघ कार्यकर्ता और नेता सेन को 2017 में राज्यसभा के लिए चुना गया था। उधर बांग्ला संस्कृति मंच के प्रमुख समीरुल इस्लाम को अब टीएमसी द्वारा उच्च सदन में भेजा जाएगा। इस सूची में अलीपुरद्वार में टीएमसी के जिला अध्यक्ष प्रकाश चिक बड़ाईक भी शामिल हैं।

मणिपुर में हिंसा ...

स्टेशनों से बड़ी संख्या में हथियार लिए गए थे। एससी ने सॉलिसिटर जनरल से उस संबंध में की गई कार्रवाई की सीमा के बारे में पूछा। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि वह मणिपुर हिंसा से जुड़े मामले पर कल 11 जुलाई को सुनवाई करेगा। इसके अलावा राज्य में इंटरनेट की बहाली की अनुमति देने वाले उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ मणिपुर सरकार की याचिका पर भी कल सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर हिंसा से संबंधित मामलों की सुनवाई करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत के मंच का इस्तेमाल मणिपुर में तनाव को और बढ़ाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा जनहित याचिकाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हम केवल राज्य द्वारा उठाए जा रहे कदमों की निगरानी कर सकते हैं और अगर अतिरिक्त उपाय किए जा सकते हैं तो कुछ आदेश पारित कर सकते हैं। लेकिन, हम कानून एवं व्यवस्था तंत्र को अपने हाथ में नहीं ले सकते। सुरक्षा सुनिश्चित करना केंद्र, मणिपुर सरकार का काम है। बता दें, मणिपुर सरकार ने स्थिति पर नवीनतम स्थिति रिपोर्ट सौंपी, जबकि इस पर सुनवाई मंगलवार को फिर से शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में पिछले दो महीने से हिंसा की घटनाएं सामने आ रही है। इस वजह से राज्य में दो महीने से इंटरनेट पर भी बैन लगा हुआ है। इंटरनेट बैन के खिलाफ याचिकाओं पर मणिपुर हाईकोर्ट ने सुनवाई की थी और आदेश दिया था की गृह विभाग मामलों के आधार पर इंटरनेट सेवा प्रदान कर सकता है। हाल ही में राज्य सरकार ने इंटरनेट पर 10 जुलाई तक के लिए बैन बढ़ा दिया था। जातीय समुदायों के बीच झड़प शुरू होने के बाद 3 मई को पहली बार पूर्वोत्तर राज्य में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके बाद इसकी समयसीमा समय-समय पर बढ़ती चली गई। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में 3 मई को पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किए गया था। इसके बाद ही राज्य में पहली बार हिंसा भड़क उठी थी। इस हिंसा में अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा हजारों लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली है। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। जनजातीय नागा और कुकी आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

दंगाइयों से झड़प...

देर के लिए शांति रही, लेकिन उसके बाद फेयेंग और सिंगदा गांवों से अंधाधुंध गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी कांगपोकपी जिले के कांगचुप इलाके के गांवों और पहाड़ियों को निशाना बनाकर की गई। असम राइफल्स दोनों गांवों के बीच एक बफर जोन का प्रबंधन करती है। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की ओर से और अधिक लोगों के हताहत होने की संभावना से इनकार नहीं किया और कहा कि गोलीबारी समाप्त होने के बाद ही सही जानकारी का पता लगाया जा सकता है। 3 मई से राज्य में जारी जातीय हिंसा भड़कने में कम से कम 150 लोग मारे गए हैं और कई सौ घायल हुए हैं। मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किया गया था, जिसके बाद हिंसा फैली है। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। जनजातीय नागा और कुकी आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

दिल्ली से लेकर ...

बैठक की। इस दौरान बताया कि स्थिति से निपटने के लिए तैयारी नहीं की गई थी, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें, उत्तर भारत के कई राज्यों में जमकर बारिश हो रही है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य हैं। हिमाचल प्रदेश में बारिश ने जमकर तबाही मचाई है। यहां पुल टूट गए और सड़कें भी धंस गई। मंडी में बाढ़ जैसै हालात हो गए हैं। लोगों की सहायता के लिए भाजपा और राज्य सरकार की तरफ से हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। वहीं, बिलासपुर जिले में नाले में बहने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। राजस्थान में भी जमकर बारिश हो रही है। अजमेर में सागर झील ओवरफ्लो हो गई हैं। पानी तेजी से गिर रहा है। दिल्ली में भी यमुना का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच गया है। पंजाब के कई हिस्सों में जमकर बारिश हो रही है, जिससे वहां बाढ़ जैसे हालात हैं। बारिश के कारण मोहाली में एक इमारत गिर गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि अभी कुछ दिन बारिश की स्थिति बनी रहेगी। कल से कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पुंछ में बारूदी ...

प्रयास को रोकने के लिए नियंत्रण रेखा के पास जमीन में बारूदी सुरंगें बिछाई जाती हैं, जो कभी-कभी बारिश के कारण मिट्टी बह जाने से ऊपर आ जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप इस प्रकार की दुर्घटनाएं होती हैं।

भाजपा ने 19 ...

रणनीति बनेगी। मानसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई होगी और 11 अगस्त तक चलेगी। कुल 23 दिनों तक चलने वाले इस सत्र के दौरान 17 बैठकें होंगी। दिल्ली सरकार के अधिकारों से जुड़े अध्यादेश को कानून की शक्ल देने के लिए केंद्र सरकार विधेयक को संसद के इसी सत्र में पेश करेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल देशभर में विरोधी दलों के नेताओं से इस बिल के खिलाफ समर्थन मांगते घूम रहे हैं ताकि राज्यसभा में इसे पारित होने से रोका जा सके। केजरीवाल लगातार कांग्रेस पर भी साथ देने का दवाब बनाने में जुटे हुए हैं। केजरीवाल की इस मुहिम को देखते हुए भाजपा एनडीए की बैठक में अपने सभी सहयोगी दलों को यह बताने का प्रयास करेगी कि यह अध्यादेश क्यों लाया गया और अब इससे जुड़े विधेयक को सदन में पास करवाना क्यों जरूरी है। हालांकि इस विधेयक पर राज्यसभा में हंगामा होना तय है। यूसीसी को लेकर भी केंद्र की भाजपा सरकार लगातार आगे बढ़ रही है। हाल ही में मोदी सरकार ने इस मसले पर विचार विमर्श करने के लिए अपने वरिष्ठ मंत्रियों के जीओएम का भी गठन किया था। सरकार की सक्रियता को देखते हुए यह माना जा रहा है कि इस विधेयक को लेकर विरोधी दलों की तरफ से ही नहीं, बल्कि भाजपा के सहयोगी दल भी सवाल उठा सकते हैं। इसलिए एनडीए की बैठक में भाजपा यूसीसी को लेकर भी अपने सभी सहयोगी दलों को जानकारी देने का प्रयास करेगी। विपक्षी दलों की एकता की कोशिशों के कारण यह माना जा रहा है कि संसद का यह सत्र बहुत ही हंगामेदार होने जा रहा है। विरोधी दल एकजुट होकर सरकार के खिलाफ सदन के अंदर भी हंगामा कर सकते हैं। कांग्रेस और अन्य विरोधी दलों के रवैए को देखते हुए भाजपा भी अपने सहयोगी दलों को पूरी तरह से एकजुट रखना चाहती है और इसलिए संसद सत्र शुरू होने से एक दिन पहले एनडीए के घटक दलों की बैठक बुलाई गई है। एनडीए की बैठक से पहले 19 जुलाई को ही संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भी सत्र को सुचारू ढंग से चलाने पर विचार विमर्श के लिए ऑल पार्टी मीटिंग भी बुलाई है। हालांकि, इस बैठक में कौन-कौन सी पार्टी शामिल होंगी यह उसी दिन पता चलेगा।

विस्थापितों के लिए ...

और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों को पत्र लिखकर विस्थापित लोगों के लिए 10 करोड़ रुपए की राहत की मांग की थी। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्री रॉबर्ट रोमाविया रॉयटे के नेतृत्व में राज्य के एक प्रतिनिधिमंडल और गृह आयुक्त और सचिव एच लालेंमाविया सहित अन्य अधिकारियों ने पिछले महीने इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला से भी मुलाकात की थी। लालचामलियाना ने कहा कि हालांकि केंद्रीय गृह सचिव ने दिल्ली में रॉयटे और अन्य अधिकारियों के साथ अपनी बैठक के दौरान हमें मदद का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक न तो हम तक कोई मदद पहुंची है और न ही केंद्र से कोई संदेश आया है। उन्होंने कहा कि मिजोरम सरकार विदेशियों के लिए नहीं बल्कि भारतीय नागरिकों के लिए मानवीय सहायता की मांग कर रही है। लालचामलियाना आईडीपी पर एक उच्च-स्तरीय पैनल के प्रमुख भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मंत्रियों, विधायकों, केंद्र और राज्य सरकारों के कर्मचारियों, राज्य पीएसयू, वाणिज्यिक बैंकों और नगरसेवकों से सार्वजनिक दान जुटाना शुरू कर दिया है। लेकिन राहत और पुनर्वास उपाय प्रदान करने के लिए राज्य के वित्तीय संसाधन पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने दिल्ली से मणिपुर के विस्थापित लोगों को तुरंत राहत देने का भी आग्रह किया। मिजोरम गृह विभाग के अनुसार, मणिपुर के कुल 12,344 लोग वर्तमान में राज्य में शरण ले रहे हैं। इसमें कहा गया है कि उत्तरी मिजोरम के कोलासिब जिले में सबसे अधिक 4,383 आईडीपी हैं, इसके बाद एजल जिले में 4,167 और सैतुअल जिले में 2,940 हैं। गृह विभाग ने कहा कि सरकार और ग्रामीण अधिकारियों ने एजल, कोलासिब और सैतुअल जिलों में 37 राहत शिविर स्थापित किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि 12,344 लोगों में से 2,884 लोग राहत शिविरों में रहते हैं, जबकि बाकी 9,460 लोग राहत शिविरों के बाहर (रिश्तेदार घरों या किराए के घरों में) रह रहे हैं।

मैतेई लोगों ने नाकाबंदी...

हमें अब भी और अधिक वरिष्ठ चिकित्सकों, वरिष्ठ सर्जन और कार्डियोथोरेसिक सर्जन की जरूरत है और यदि सरकार हमें गोलियां लगने और घायल होने से अत्यधिक खून बहने के जटिल मामलों से निपटने के लिए एक हर्ट सर्जन, एक हृदय रोग विशेषज्ञ उपलब्ध करा सके तो हम वाकई बहुत आभारी होंगे। गृह मंत्री अमित शाह के मई में हिंसा प्रभावित राज्य का दौरा करने के बाद केंद्र ने चिकित्सकों के छह दल मणिपुर भेजे थे। डॉ. तिंगलोनलेई ने कहा कि हम पिछले महीने एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान), गुवाहाटी से दो चिकित्सकों को चुराचांदपुर भेजे जाने के लिए आभारी हैं, लेकिन हमें गंभीर बीमारियों के लिए विशेषज्ञों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में दवाओं और सर्जिकल वस्तुओं की भी जरूरत है। चुराचांदपुर-बिष्णुपुर क्षेत्र में रोजाना होने वाली गोलीबारी की छिटपुट घटनाओं से स्थिति और भी जटिल हो गई है। डॉ. तिंगलोनलेई ने बताया कि गोलियों से लगी चोटों का पता लगाने में मदद करने वाली एकमात्र मशीन इस समय खराब है, जिससे पहले से ही गंभीर हालात और खराब हो गए हैं। तेंगनौपाल और चंदेल जिलों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति खराब है क्योंकि घाटी क्षेत्रों में एशियाई राजमार्ग पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हुई हैं। मोरे कस्बे में महिला मानवाधिकार समूह की अध्यक्ष चोंग हाओकिप ने कहा कि हमारे अस्पताल में दवाएं खत्म हो गई हैं। विशेषज्ञों की बात तो छोड़िए, वायरल बुखार के उपचार के लिए भी चिकित्सक उपलब्ध नहीं हैं। हर चीज की कीमत दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। हम अपने बच्चों की खातिर अधिक कीमत चुकाने को भी तैयार हैं, लेकिन कई चीजें बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। मैतेई समुदाय की बहुलता वाले गांव क्वाथा के निवासियों ने भी इसी तरह की चिंताएं व्यक्त कीं। छह कुकी बहुल गांवों और तीन नगा बहुल गांवों के बीच बसे क्वाथा के लोग शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। गांव की एक गृहिणी टी रत्ना ने कहा कि हम कुकी समुदाय के लोगों से घिरे हैं। उन्होंने अब तक हम पर हमला नहीं किया है। हम भोजन और दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। हम शांति चाहते हैं। अब तक असम राइफल्स घरेलू वस्तुओं और दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव के अलावा स्थानीय आबादी चीजों की तेजी से बढ़ी कीमतों से भी जूझ रही है। सेना के वाहनों और वस्तुओं की आपूर्ति के आवागमन पर नजर रख रहे महिला नागरिक समाज समूह *मीरा पैबी* ने आरोप लगाया कि असम राइफल्स निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रही। दूसरी ओर, असम राइफल्स ने कहा कि उसने दोनों पक्षों के लोगों की जान बचाई है। आधिकारिक रिकॉर्ड से पता चलता है कि हिंसा के केंद्र चुराचांदपुर से 9,000 से अधिक मैतेई लोगों को सुरक्षित बचाया गया, जबकि मोरेह से 3,500 मैतेई को बचाया गया। यदि चुराचांदपुर और टेंग्नौपाल जिलों की सड़कें अवरुद्ध रहती हैं तो कुकी समूहों को नाकाबंदी वापस लेने के लिए मजबूर करने के लिए बैक-चैनल चर्चा की स्थिरता सवालों के घेरे में होगी। हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य की तीन दिवसीय यात्रा के बाद सीपीआई (एम) और सीपीआई सांसदों के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने दावा किया कि बीरेन सिंह सरकार का बने रहना मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने में एक बड़ी बाधा है।

छिटपुट हिंसा के बीच...

कांग्रेस कार्यकर्ता मोइदुल शेख के मौत की खबर आई। वह मुर्शिदाबाद का रहने वाला था। कोलकाता के एनआरएस अस्पताल में उसने दम तोड़ा। शनिवार को मतदान वाले दिन बम के हमले में वह घायल हुआ था। इसके अलावा नदिया जिले में मतदान केंद्र की लाइन में एक अधेड़ शख्स की गर्मी की वजह से मौत हो गई। कूचबिहार के दिन हटा में आपराधिक तत्व मतदान को बाधित करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें चारों तरफ से घेरकर बीएसएफ जवानों ने पकड़ लिया और लाठीचार्ज कर भगाया। नादिया के नकाशीपारा में एक सीपीआई (एम) कार्यकर्ता अपनी पार्टी और तृणमूल कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। उनका इलाज कोलकाता के एक स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। इसी तरह कूचबिहार जिले के दिनहाटा में भी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई। कुछ देसी बम फेंके गए। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बल के जवानों ने तुरंत स्थिति पर नियंत्रण कर लिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के लोकसभा सदस्य सुकांत मजूमदार जैसे ही दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर पहुंचे, उन्हें तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। मजूमदार करीब 40 मिनट तक वहां फंसे रहे और बाद में पुलिस ने उन्हें सुरक्षित निकाला। हावड़ा के डोमजूर इलाके के अंकुरहाटी में कथित तौर पर सीपीआई (एम) कार्यकर्ताओं ने तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार शेख सुल्ताना के वाहन को तोड़ दिया। पूर्व बर्दवान, दक्षिण 24 परगना से छिटपुट हिंसा की खबरें आईं। हालाकि, अब तक आ रही हिंसा की रिपोर्ट शनिवार को मतदान के दिन की तुलना में नगण्य थी। शनिवार को मतदान के दौरान कम से कम 16 लोगों की मौत हुई थी। इधर पुनर्मतदान को आई वास करार देते हुए नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी पर हमला बोला। अधीर ने इस संबंध में कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका लगाकर चुनावी हिंसा की किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी से कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है।

हनुमान जन्मोत्सव समारोह ...

रविवार रात नायक पर कथित तौर पर बोतल से वार किया गया। वहीं, युवा ब्रिगेड के प्रमुख चक्रवर्ती सुलीबेले ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के समर्थकों ने नायक की बेरहमी से हत्या की है। उन्होंने ट्वीट कर सिद्दरमैया सरकार पर आरोप लगाया। चक्रवर्ती ने कहा कि सिद्दरमैया 2.0 अपने जाल का विस्तार कर रहे हैं। हमने अपने एक स्वयंसेवक को सिर्फ इसलिए खो दिया क्योंकि वह हनुमान जन्मोत्सव समारोह का एक सक्रिय आयोजक था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के समर्थकों द्वारा उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक जल रहा है, जल्द ही एक और पश्चिम बंगाल देखने को मिलेगा।

म्यांमार में गृह-युद्ध ...

आम बात हो गई है। म्यांमार में स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन काउंसिल के नाम से देश की सरकार चला रही सेना की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में कयाह राज्य में बॉर्डर गार्ड फोर्सेस (बीजीएफ) की दो टुकड़ियों ने घोषित तौर पर पाला बदल लिया। ये सैनिक अब विद्रोहियों में शामिल हो गए हैं। सेना में सेंध लगाने के साथ विद्रोही गुट अब आपसी तालमेल के साथ हमले कर रहे हैं। करेन नेशनल लिबरेशन आर्मी (केएनएलए) ने पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) के साथ तालमेल बनाते हुए दोनथामी ब्रिज पर हमला किया। पीडीएफ का गठन कई छोटे-छोटे हथियारबंद गुटों ने मिलकर किया है। दोनथामी नदी पर थाटोन के करीब बने पुल पर जब बागियों ने हमला किया, तो वहां म्यांमार की सेना के साथ उनकी लगभग 45 मिनट तक लड़ाई चली। विद्रोहियों ने दावा किया है कि इस लड़ाई में लगभग 45 सैनिक मारे गए। इसी तरह बीते 29 जून को विद्रोहियों ने मेन एशिया हाईवे पर स्थित एक पुल को विस्फोट से उड़ा दिया। विद्रोहियों ने सुरक्षा बलों पर सशस्त्र ड्रोन का इस्तेमाल कर हमला किया। इस घटना में 27 लोगों के मारे गए, जिनमें ज्यादातर पुलिसकर्मी या सैनिक थे। अनेक लोग यहां जख्मी भी हुए।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

योग न मुद्रा साधिये, योग न अनहद तान।
योग न झिलमिल ज्योति है, योग नहीं प्रख्यान॥ 15॥

शब्दार्थ : (मुद्रा) जो हठयोग, प्राणायाम, आसन, बन्धों से युक्त हो कर किया जाता है (तान) स्वर (प्रख्यान) प्रकृति और उसके कार्य देह-संघात से पृथक आत्मा का साक्षात्कार, अनुभव।

भाष्य : हठयोग और राजयोग दोनों की मुद्राएं होती हैं, उन मुद्राओं का साधन योग नहीं है। न योग ब्रह्मांडी अनहदों का श्रवण करना है, न योग झिलमिल ज्योति का दर्शन है, न योग प्रकृति और उसके देह-संघात से पृथक आत्मा का साक्षात्कार अनुबव है।

योग न चक्र अधार में, योग न शून्य पसार।
योग न वंशी श्रवण में, शिखा निकट नहिं सार॥ 16॥

शब्दार्थ : (चक्र) शरीर के अंतर्गत अष्टचक्र (शून्य) रिक्त वाह्मदृष्टि (श्रवण) सुनना (पसार) फैलाव (शिखा) चोटी (निकट) समीप।

भाष्य : योग चक्रों के आधार में नहीं होता, न शून्य में वाह्यदृष्टि का फैलाव करने से होता है, न वंशी श्रवण करने से योग होता है, न शिर मं पीछे चोटी के समीप अपने मूलधाम की कल्पना कर सुरति को ठहराने से योग होता है।

कांवड़िया सेवा शिविर का आयोजन किया

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच की कामाख्या शाखा ने सावन महीने के प्रथम सोमवार के उपलक्ष में वशिष्ठ आश्रम से जल भरकर शुक्रेश्वर मंदिर तक पैदल यात्रा करने वाले श्रद्धालु कांवड़ियों के लिए क्रिश्चियन बस्ती बस स्टॉप के पास कांवड़िया सेवा शिविर लगाया। जो रविवार रात 10 बजे से सोमवार सूर्योदय तक चलता रहा। शिविर में कांवड़ियों को शीतल जल, शरबत एवं खिचड़ी वितरण की गई। इस कार्यक्रम मे मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान के साथ राहुल चमड़िया, मनोज पोद्दार, अमित कंसल, गौतम गोयंका विशेष रूप से उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष नीलम भजनका ने सभी कांवड़ियों का पेयजल एवं शरबत से स्वागत किया।

ऊपरी असम में अल्फा (स्वाधीन) ने चाय बागान मालिकों को उगाही के लिए भेजा पत्र, मचा हड़कंप

टिमोन से 72 लाख, हैंडिक से 72 लाख, स्मृति से 60 लाख एवं विमलापुर चाय बागान से 1 करोड़ आठ लाख रुपए की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के परेश बरुवा नेतृत्वाधीन स्वाधीन (स्व) धड़े द्वारा ऊपरी असम के चाय बागानों के मालिकों को उगाही के लिए पत्र भेजा है। इसे लेकर ऊपरी असम में हड़कंप मचा हुआ है। आज असम पुलिस द्वारा आधिकारिक तौर पर मीडिया को दी गई जानकारी के दौरान इस आशय की पुष्टि की गई कि ऊपरी असम के चाय बागानों से यह धन उगाही की मांग डिजिटल माध्यम से पत्र लिखकर तथा फोन करके बीते कुछ दिनों से की जा रही है। पत्र उल्फा (स्व.) नयन असम के हस्ताक्षर से जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार टिमोन चाय बागान के प्रबंध निदेशक मनोज गोगोई से 72 लाख रुपए की मांग की गई है जबकि पूर्व विधायक नवनीता हैंडिक के स्वामित्व वाली हैंडिक चाय बागान से 72 लाख, स्मृति चाय बागान से 60 लाख, विमलापुर चाय बागान से एक करोड़ आठ लाख रुपए उल्फा (स्व) द्वारा मांगे गए हैं। बताया जाता है कि 12 लाख रुपए प्रति वर्ष की दर से इन चाय बागानों से मांगा जा रहा है।

असम पुलिस के संवाददाता सम्मेलन के दौरान बताया गया कि पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जगह-जगह चेकपोस्ट लगाई गई हैं। चाय बागान इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। विभिन्न प्रकार से उल्फा (स्व) कैडरों को पकड़ने के लिए जाल बिछाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि अपना अस्तित्व दिखाने के लिए उल्फा (स्व) द्वारा धन की मांग की जा रही है। असल में उल्फा (स्व.) का कोई खास वजूद अब नहीं है। पुलिस के दावों के बावजूद चाय बागान मालिक उल्फा (स्व.) के भय से भूमिगत हो चुके हैं। पुलिस इन बागान मालिकों को सुरक्षा के प्रति अब तक पूरी तरह से आश्वस्त नहीं कर पाई है।

वरिष्ठ पत्रकार एवं कांग्रेस नेता मंजीत महंत का निधन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के वरिष्ठ पत्रकार तथा असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मंजीत महंत का शनिवार की देररात निधन हो गया। लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे मंजीत महंत को पहले नेमकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उनकी तबीयत और बिगड़ने की स्थिति में नेमकेयर अस्पताल के आईसीयू में कुछ दिनों तक उनका इलाज किया गया। हालांकि, बाद में उन्हें गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) में स्थानांतरित कर दिया गया। सोमवार तड़के करीब दो बजे जीएमसीएच में उन्होंने अंतिम सांस ली। राजनीति में आने से पहले पत्रकारिता से जुड़े रहे मंजीत महंत शुरुआत से ही असमिया प्रतिदिन नामक दैनिक से जुड़े थे। कभी पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल महंत के बेहद करीबी रहे मंजीत महंत अगप सरकार के दौरान राज्य सरकार के जनसंपर्क विभाग में उप निदेशक स्तर के अधिकारी थे। कभी असम आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल रहे मंजीत महंत मानवाधिकार आंदोलन से भी जुड़े रहे। 1999 से उन्होंने लगभग एक दशक तक असमिया प्रतिदिन के कार्यकारी संपादक के रूप में कार्य किया। वे कुछ समय के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से भी जुड़े। बाद में उन्होंने पत्रकारिता छोड़ दी और राजनीति में पूरी तरह से शामिल हो गए। वे असम संग्रामी मंच के संस्थापक महासचिव थे।

चावल घोटाले के चार अन्य आरोपी गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के ढेकियाजुली विपणन सहकारी समिति से 23 सौ क्विंटल चावल का गबन करने के आरोप में आज अन्य चार सेवारत एवं अवकाश प्राप्त सरकारी पदाधिकारियों को सीएम विजिलेंस की एक टीम ने गिरफ्तार कर लिया। इनमें शोणितपुर जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के डिप्टी डायरेक्टर मंटू कुमार दास, सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट कुलेन सैकिया, अवकाश प्राप्त सुपरिंटेंडेंट मुजीबुद्दीन अहमद तथा अवकाश प्राप्त डीडीएस भरत चंद्र बरदलै शामिल हैं। इन सभी को कल विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस सिलसिले में सुरजीत सेनापति, अनिरुद्ध पालित, भास्करज्योति कर, थुबीर तांती, सुब्रत बनिक, मृदुल तेरन, अशोक घोष, राजा गुप्ता तथा मुन्ना चांडक को 30 जून तथा 03 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। इस सिलसिले में भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी / 420 /406 / 409 तथा आर / डब्ल्यू सेक्शन 13 (1) (ए) /13(2) पीसी एक्ट 1988 (एनएफएसए राइस स्कैम) के तहत प्राथमिकी संख्या 03/223 दर्ज किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इस इलाके में लंबे समय से फर्जी लाभार्थियों के नाम पर गरीब लोगों को आवंटित सरकारी चावल आत्मसात कर लिया जाता था।

म्यांमार के सागाईंग में एनएससीएन (के) के दो गुटों के बीच संघर्ष में दो कैडर मारे गए

कोहिमा (हिंस)। नेतृत्व संघर्ष को लेकर दो धड़ों में बंट चुके म्यांमार स्थित नगालैंड के नगा विद्रोही संगठन एनएससीएन (खापलांग) समूह के बीच भीषण गोलीबारी की दो घटनाओं में एनएससीएन (के) यून आंग गुट के दो सदस्य मारे गए हैं। म्यांमार के सागाइंग प्रांत के नगा बहुल इलाकों में झड़पों से क्षेत्र में और अशांति फैल सकती है। जानकारी के अनुसार नेतृत्व के लिए शुरू हुआ संघर्ष बढ़ गया। स्वयंभू नगा सेना, अधिकांश इकाइयों और स्वयंभू जनरलों ने एक आपातकालीन बैठक की और वर्तमान एनएससीएन (के) नेता यून आंग के नेतृत्व पर अविश्वास व्यक्त करते हुए जनरल कोम चोक को नया नेता चुना। कुओन क्याक ने इस नए नेता को स्वीकार नहीं किया और वर्तमान नेता यून आंग के साथ विलय कर लिया। इसके बाद दोनों गुटों के बीच खुला टकराव हुआ और यून आंग ने नेताओं को संगठन से निष्कासित कर दिया। संगठन से निष्कासित किए जाने के बाद, वाइस जनरल लान अंगाई और जनरल डॉ. लैंगनेई ने अपना एक नया गुट बनाया। इसके बाद इन गुटों के बीच तीव्र झड़पें और गोलीबारी हुई। क्योंकि, जनरल डॉ. योन आंग लैंगनेई ने अपने गुट को लड़ने का आदेश दिया। इन समूहों के बीच बढ़ते तनाव के कारण दो बार हमला करने के लिए सैनिकों को भेजा। खबरों के मुताबिक, पहली गोलीबारी में यून आंग समूह के दो सदस्य मारे गए। लेकिन, दूसरी गोलीबारी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उल्लेखनीय है कि 1979 में एनएससीएन खापलांग समूह के अध्यक्ष एसएस खापलांग नगा नेशनल काउंसिल (एनएनसी) में शामिल हुए थे और नगालैंड की संघीय सरकार के अध्यक्ष बने थे। लेकिन, 1980 में एनएनसी के महासचिव थुइंगलेंग मुइवा की मदद से उन्होंने एनएससीएन का गठन किया। एनएससीएन के गठन के आठ साल बाद 1988 में मुइवा के साथ असहमति के कारण ये अलग हो गए और फिर से दो गुट एनएससीएन-आईएम और एनएससीएन-के बन गए।

10 घंटे की भूख हड़ताल पर बैठीं टीएमसी नेता सुष्मिता

कछार (हिंस)। राज्य में चुनाव क्षेत्रों के परिसीमन मसौदे के खिलाफ राज्यसभा सदस्य और तृणमूल नेत्री सुष्मिता देव सोमवार को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ 10 घंटे के लिए भूख हड़ताल पर बैठी हैं। वे भारत निर्वाचन आयोग के परिसीमन प्रस्ताव के जारी मसौदा को रद्द करने की मांग कर रही हैं। सोमवार को सुबह शिव मंदिर में पूजा करने के बाद तृणमूल नेत्री सुष्मिता देव कछार जिला मुख्यालय के शहर सिलचर स्थित जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के पास शहीद खुदीराम बोस की प्रतिमा के पास भूख हड़ताल पर बैठ गई हैं। सुष्मिता सहित अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काले कपड़े पहनकर अपना विरोध जताया। भूख हड़ताल को लेकर सांसद तृणमूल नेता देव ने पत्रकारों को बताया कि भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) अलोकतांत्रिक तरीके से काम कर रहा है। ईसीआई ने अन्य पार्टियों या किसी भी संबंधित व्यक्ति से परामर्श किए बिना निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया की। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत का चुनाव आयोग एक पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। सुष्मिता ने सवाल करते हुए कहा कि हमारी आपत्तियों के बावजूद पुरानी जनगणना 2001 के आधार पर परिसीमन का प्रस्ताव क्यों लिया गया। वर्ष 2008 में परिसीमन का कार्य निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि एनआरसी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी, तो अब किसके आग्रह पर तत्काल प्रस्ताव पेश किया गया है? सुष्मिता देव ने कहा कि जब इस साल मार्च में भारतीय चुनाव आयोग की टीम गुवाहाटी आई थी, तो विपक्षी दलों ने उठाई गई आपत्तियों से उन्हें लिखित रूप से अवगत कराया गया था। लेकिन उन्होंने आपत्तियों की अनदेखी कर दी। उन्होंने कहा कि 11 जुलाई को वे फिर भारत निर्वाचन आयोग से मिलेंगी और लिखित रूप से प्रस्तावित परिसीमन मसौदे को रद्द करने की मांग करेंगीं। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 जून को असम के मुख्यमंत्री के बयान, जिसमें राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के कार्यान्वयन और सीमाओं के संबंध में असम समझौते की अनदेखी की गई थी, ने सरकार के इरादों पर संदेह पैदा किया है।

गोपाल बोड़ो विद्यालय के सामने लगाया गया क्लब का स्टॉल

गुवाहाटी। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड और मारूति मंडल के तत्वाधान से गणेशगुड़ी में गोपाल बोड़ो विद्यालय के सामने क्लब का स्टॉल लगाया गया। जिसमें वशिष्ठ गंगा से शुक्रेश्वर मंदिर जाने वाले कांवड़ियों के लिए गर्म चाय, बिस्कुट, पानी कि व्यवस्था कि गई। शिविर में करीब 1200 कांवड़ियों को जलपान करवाया गया। शिविर का संचालन दीपक, मनोज भजनका, अशोक गोयल द्वारा किया गया एवम क्लब के सभी सदस्यो का भरपुर सहयोग रहा। कार्यक्रम कि जानकारी अमित पोद्दार द्वारा दि गई।

जिला उपायुक्त कार्यालय में स्थापित आरओ जलापूर्ति का उद्घाटन

रंगिया/अमीनगांव (विभास)। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज कामरूप जिले की उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने आज कामरूप जिला एकीकृत उपायुक्त कार्यालय में विशुद्ध पीने के पानी की सुविधा के लिए स्थापित आर ओ प्रणाली की निरंतर जल आपूर्ति व्यवस्था का उद्घाटन कर इसकी सेवाएं लोगों के लिए प्रदान की। उल्लेखनीय है कि आर ओ स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की यह व्यवस्था लक्ष्मीनारायण फाउंडेशन एवं लायंस क्लब, गुवाहाटी, ग्लोबल द्वारा स्थापित की गई है। इससे कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारियों सहित कार्यालय में आने-जाने वाले लोगों को इसकी सुविधाएं प्राप्त होगी। इसके अलावा लायंस क्लब गुवाहाटी ग्लोबल के सहयोग से एकीकृत उपायुक्त कार्यालय में एक नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। आर ओ स्वच्छ पेयजल आपूर्ति प्रणाली की इस व्यवस्था के शुभ उद्घाटन के बाद एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित एक बैठक में जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने लक्ष्मीनारायण फाउंडेशन एवं लायंस क्लब गुवाहाटी के ग्लोबल कार्यकर्ताओं

को सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनने और इस व्यवस्था के लिए विशेष धन्यवाद दिया। इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष बसंत अग्रवाल ने भाषण देते हुए कहा कि वे भविष्य में भी सामाजिक दायित्व का हिस्सा बनाने के लिए सकारात्मक कार्य करते रहेंगे। इस कार्यक्रम में कामरूप जिला विकास आयुक्त नर्सिंग बे, अतिरिक्त उपायुक्त कमल बरुवा, निर्वाचन अधिकारी मानसज्योति बोरा, उपायुक्त कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारियों के साथ-साथ लक्ष्मीनारायण फाउंडेशन और लायंस क्लब के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश में अवैध पशु तस्करी का सिंडिकेट जारी

नगांव (हिंस)। प्रदेश में अवैध पशु तस्करी का सिंडिकेट जारी है। पुलिस से बचने के लिए अवैध पशु तस्कर अलग-अलग हथकंडे अपनाते हैं। गोलाघाट जिले से ट्रकों से लदी गायों को नगांव जिले की सीमा पर वाहन से अवैध पशु तस्करों द्वारा गुप्त मार्ग पर गुजारा जाता है। कोलियाबोर के बागरी और कुठरी इलाके का तस्कर उपयोग करते हैं। राज्य में गायों की अवैध आपूर्ति जारी है। बोकाखात के बिहरा बाजार से मवेशियों की अवैध तस्करी चल रही है। कोलियाबोर की झोपड़ियां अवैध पशु सिंडिकेट का केंद्र बन गया है। मवेशी गुप्त मार्ग से चल रहे हैं। गोलाघाट जिले से ट्रकों द्वारा ले जाई जाने वाली गायों को इस प्रकार नगांव जिले की सीमा स्थित कोलियाबोर के बागरी क्षेत्र में उतारा जाता है। इन गायों को बागरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुठी के हरमती और गोहाईंगांव में गुप्त स्थान पर रखा जाता है। फिर गुप्त मार्ग से पैदल यात्रा करके जखलाबांधा और कोलियाबोर थाना क्षेत्रों से होकर ले जाया जाता है। कोलियाबोर थाना अंतर्गत मीसा थाना क्षेत्र को पार करने के बाद इन गायों को फिर से ट्रकों में भरकर राज्य के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ राज्य के बाहर भी ले जाया जाता है। बागरी थाना अंतर्गत हारमती और कुठरी के गोहाईं गांव में बागरी थाना क्षेत्र अवैध पशु सिंडिकेट का नया केंद्र बना है। सूत्रों ने दावा किया है कि कुठरी-बागरी इलाके में शमसुल हक, शफीकुल इस्लाम, अफाज उद्दीन और हारुन राशिद की मदद से नया अवैध पशु सिंडिकेट बनाया गया है।

कामरूप जिला विकास समिति की बैठक आयोजित

रंगिया/अमीनगांव (विभास)। कामरूप जिले की जिला विकास समिति ने आज अमीनगांव स्थित एकीकृत उपायुक्त कार्यालय, कामरूप जिले के बैठक कक्ष में जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे की अध्यक्षता में जुलाई महीने की बैठक आयोजित की। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने भाग लिया और कामरूप जिले के विभिन्न विभागों द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा बैठक में जून में हुई बैठक में विभिन्न विभागों को जारी किए गए निर्देशों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में कृषि, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, हथकरघा और वस्त्र, भूमि संरक्षण, एपीडीसीएल, उद्योग और वाणिज्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी, पशुपालन और पशु चिकित्सा, जल संसाधन, लोक निर्माण (गृह) आदि विभागों ने भाग लिया तथा क्रियान्वित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में कृषि, लोक निर्माण (गृह), जल संसाधन, हस्तशिल्प और कपड़ा, भूमि संरक्षण, पशुपालन और पशु चिकित्सा और समाज कल्याण विभागों ने भाग लिया। बैठक में कृषि और जल संसाधन विभाग से खेतों को अधिक उपजाऊ बनाने के लिए स्विचगेट के माध्यम से मानसून की पहली लहर को प्रवाहित करके मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने की योजना तैयार करने का भी आग्रह किया गया और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने और जैविक उर्वरकों के उपयोग पर जोर दिया गया। इसके लिए उन्होंने कृषि विभाग से कहा सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए कदम उठाए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के भारप्राप्त महकमाधिपति दिपन बर्मन और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बेटे ने की मां की पीट-पीटकर हत्या

नगांव (हिंस)। राज्य में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक बेटे ने अपनी मां की पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह जघन्य घटना नगांव जिले के रूपीहाट में हुई। खबरों के मुताबिक, जियाबुर रहमान नामक युवक की पिटाई से 50 साल की मां की मौत हो गई। पारिवारिक कलह के चलते हुई इस हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार जियाबुर ने अपने मां को बांस के डंडे से पीट-पीटकर हत्या की। हत्या को अंजाम देने के बाद जियाबुर रहमान घर से फरार हो गया। बाद में रुफीहाट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, पुलिस अभी तक हत्यारे जियाबुर रहमान को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

एसएसबी ने किया अवैध डीजल को जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीगुली के कार्यवाहक कमांडेंट लोकेश कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी के मार्गदर्शन में सीमा चौकी दादागिरी ने भारी मात्रा में अवैध डीजल जब्त किया। गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी दादागिरी के एक टीम ने अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या 169/5 के नजदीक वाहन चेकिंग के दौरान (एएस-194-0182) नंबर की मारूति सुजुकी से अवैध रूप से लदे डीजल को जब्त कर एक तश्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान नकुल लामा (37) के रूप में की गई है। चिरांग

जिले के रहने वाला बताया जाता है। जब्त की गई डीजल की कीमत लगभग एक लाख एक्तीस हजार दो सौ रूपया आंकि गई है। अवैध डीजल व मारूति सुजुकी के साथ तस्कर को कस्टम ऑफिस हातीसार दादगिरी को सौंप दी गई है। जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है।

NOTIFICATION

Pursuant to the advertisement dated 24.06.2021 of this establishment and as per resolution of the Selection Board, the undersigned is pleased to notify the schedule of interview for the post of "Chowkidar" (Grade IV), as follows:

Sl. No.	Dates of Interview	Roll Numbers	Time
1	09-08-2023	C-001 to C-064	01:00 PM onwards
2	10-08-2023	C-065 to C-128	01:00 PM onwards

The list of eligible candidates with assigned Roll Numbers for appearing in the interview has been published along with this notification.

Admit cards will be made available for downloading at the official website of District Judiciary, Charaideo (https://district.ecourts.gov.in/charaideo) and (https://charaideojudiciary.assam.gov.in/) shortly. This notification shall be considered as conclusive notice regarding communication of dates to the interviewees. However, we shall also send Admit Cards by ordinary post. But non receipt of Admit Card by post shall not be a valid ground for remaining absent in the process of interview.

Sd/-
Chief Judicial Magistrate
Charaideo, Sonari

-- Janasanyog /D/6550/ 23

सावन के पहला सोमवार को भक्तों ने बारी-बारी से किया जलाभिषेक

होजाई (विभास)। सावन मास के पहले पवित्र सोमवार को होजाई के शिवबाड़ी रोड स्थित प्रसिद्ध विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में प्रात: से ही माताएं ,बहने, युवा पूजन सामग्री, दूध, जल, बेलपत्र, फूल, चंदन आदि सामग्री हाथों में लिए मंदिर पहुंचे। जहां भक्तों बारी-बारी से भगवान शंकर की पूजा अर्चना की। वहीं जलते दीपक वह बोल बम के नारों पर बजती घंटियों से मंदिर की शोभा बढ़ रही थी। मंदिर के पुजारी मार्कंडेय तिवारी ने बताया विश्वनाथ मंदिर होजाई का एक ऐतिहासिक मंदिर है जोकि तकरीबन 80 वर्ष पुराना है।जिसकी स्थापना आजादी से पहले हुई थी। इस मंदिर पर भक्तों की एक अलग ही आस्था और विश्वास है, जो भी भक्त मनसे भगवान शंकर की यहां पूजा करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। दूसरी ओर दुर्गाबाड़ी स्थित शिव मंदिर में भी भक्त

जलाभिषेक करते दिखाई दिए। वही होजाई के प्रसिद्ध श्री श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर स्थित शिव दरबार में भी काफी संख्या में लोगों ने भगवान शिव सहित परिवार की पूजा अर्चना की। उल्लेखयोग्य है की सावन के महीने में कावड़िए अकाशीगंगा, रंगबंग, तोपरीगं से पैदल जल लाकर भगवान शिव की पूजा आराधना करते हैं। इस साल सावन 2 महीनों का है जोकि 4 जुलाई से प्रारंभ हो चुका है और इसका समापन 31 अगस्त को होगा।। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड और मारूति मंडल के तत्वाधान से गणेशगुड़ी में गोपाल बोड़ो विद्यालय के सामने क्लब का स्टॉल लगाया गया। जिसमें वशिष्ठ गंगा से शुक्रेश्वर मंदिर जाने वाले कांवड़ियों के लिए गर्म चाय, बिस्कुट, पानी कि व्यवस्था कि गई। शिविर में करीब 1200 कांवड़ियों को जलपान करवाया गया। शिविर का संचालन दीपक, मनोज भजनका, अशोक गोयल द्वारा किया गया एवम क्लब के सभी सदस्यो का भरपुर सहयोग रहा। कार्यक्रम कि जानकारी अमित पोद्दार द्वारा दि गई।

भारतीय सेना में गोरखाओं की भर्ती पर नेपाल में असमंजस, तैयारी कर रहे नौजवानों में निराशा

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल के अग्निपथ योजना से असहमत होने के कारण एक साल से रुकी गोरखा सैनिक भर्ती को लेकर असमंजस बढ़ गया है। नेपाल सभी दलों की आम सहमति से फैसला लेगा, लेकिन यह कब लिया जाएगा, यह तय नहीं है। दूसरी ओर अग्निपथ योजना के तहत गोरखाओं की भर्ती पर असहमति के बाद कोई कूटनीतिक पहल नहीं की गई है। नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद ने कहा है कि वह गोरखा भर्ती पर उचित समय पर फैसला लेंगे। नेपाल की संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति में अपनी बात रखते हुए उन्होंने भारतीय गोरखा सैनिकों की भर्ती पर सर्वदलीय सहमति की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि आम सहमति के आधार पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गोरखा भर्ती खोलने को लेकर भारत के साथ कोई कूटनीतिक पहल नहीं हुई है। भारत में सैन्य भर्ती को लेकर कानून में बदलाव के बाद अगस्त 2022 से नेपाल से गोरखा सैनिकों की भर्ती बंद कर दी गई है। भारत की अग्निपथ योजना के तहत गोरखाओं की भर्ती पर नेपाल की असहमति के बाद इसे रोक दिया गया। जब तक नेपाल सहमत नहीं होगा, तब तक गोरखा भर्ती नहीं खुलेगी। नेपाल ने यह रुख अपनाया है कि गोरखाओं की भर्ती पुराने कानून के मुताबिक की जानी चाहिए। अग्निपथ योजना के अनुसार भर्ती होने वालों में से केवल 25 प्रतिशत को चार साल के बाद भारतीय सेना में स्थायी रूप से तैनात किया जाएगा और बाकी को एक निश्चित राशि के साथ घर वापस भेज दिया जाएगा। गोरखा सैनिकों की भर्ती करते समय 60 नेपाल से और बाकी भारत से चुने जाते हैं। इस भर्ती को नेपाल और भारत के बीच एक खास रिश्ते के तौर पर भी देखा जा रहा है। हर साल नेपाल से हजारों युवा भारतीय गोरखा सेना में शामिल होने के लिए तैयारी करते हैं। भर्ती स्थगित होने से वे निराश हैं। निर्लंबित अवधि के भीतर गोरखा सैनिकों की तीन बार भर्ती की जानी चाहिए थी लेकिन कुछ भी नहीं हुआ।

जेपी नड्डा ने हिमाचल में बारिश से हुए नुकसान का लिया जायजा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने फोन पर जयराम और बिंदल से की बात
हिमाचल भाजपा ने सूचना व सहायता के लिए जारी किए दो हेल्प नंबर

शिमला, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिन्दल से बात कर प्रदेश में बारिश से हुए नुकसान से संबंधित हालात का जायजा लिया। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश की वजह से पैदा हुए हालात और लोगों की परेशानी को देखते हुए नड्डा ने पार्टी के सभी कार्यकताओं को आगे बढ़कर प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद का निर्देश दिया है। इसके लिए हिमाचल प्रदेश भाजपा ने सूचना एवं सहायता के लिए दो हेल्प नंबर 9317221289 और 8580616570 भी जारी किया है। भाजपा ने लोगों से मदद के लिये जारी किए नंबर पर संपर्क करने का आग्रह किया है। साथ ही, सभी मंडल अध्यक्षों एवं जिला अध्यक्षों को भी इस नंबरों पर संपर्क करने के आदेश जारी किए ताकि लोगों को अविलंब मदद पहुंचाने के लिए मदद की जा सके।

दिल्ली में यमुना मंगलवार को खतरे के निशान को पार कर सकती है: आतिशी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली की लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में यमुना मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे के आसपास खतरे के निशान को पार कर सकती है, क्योंकि नदी के ऊपरी इलाकों में बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। राजधानी दिल्ली में भारी वर्षा जारी है, जिसके कारण यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। ऐसे में पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी सिंह ने यमुना का मुआयना किया। आतिशी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कल सुबह तक हरियाणा से लगभग 43,000 क्यूसेक पानी यमुना में छोड़ा जा रहा था, जो अब बढ़कर लगभग तीन लाख क्यूसेक हो गया है। हमें उम्मीद है कि मंगलवार सुबह 10-11 बजे के आसपास यमुना में पानी का स्तर खतरे के निशान तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि यमुना के किनारे बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए नावें तैनात की गई हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में यमुना में पानी का चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है दिल्ली में यमुना नदी चेतावनी स्तर के करीब पहुंच गयी है। सोमवार दोपहर 12 बजे पुराने रेलवे ब्रिज पर नदी का जलस्तर 204.36 मीटर रिकार्ड किया गया। नदी का चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है। हथिनीकुंड बैराज से लगातार नदी में पानी छोड़े जाने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हो रही है। दोपहर 12 बजे 2,17,003 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

प्रधानमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों से बातचीत कर ली वर्षा प्रभावित क्षेत्रों की टोह

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश के मद्देनजर स्थिति का जायजा लेने के लिए सोमवार को वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों से बात की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोमवार को यह जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि स्थानीय प्रशासन, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसड-ीआरएफ) की टीमें प्रभावित लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। पीएमओ ने एक ट्वीट में कहा, ह्लपीएम मोदी ने वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों से बात की और भारत के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश के मद्देनजर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय प्रशासन, एनडीआर-एफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दो दिनों में उत्तर भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश और तेज हवाओं ने तबाही मचाई है। दिल्ली में यमुना सहित उत्तर भारत की कई नदियां उफान पर हैं। रविवार को रिकॉर्ड बारिश के कारण सिविक एजेंसियों को स्थिति से निपटने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के पर्वतीय इलाके सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। भूस्खलन और बाढ़ के कारण 17 लोगों की जान चली गई। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान के मैदानी इलाकों में भी पांच मौतें हुई हैं।

गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर बाढ़ के प्रभाव की समीक्षा की

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और अन्य राज्यों में बाढ़ की स्थिति और राष्ट्रीय राजमार्गों पर इसके प्रभाव की समीक्षा की। गडकरी ने विशेष बैठक में अधिकारियों को प्रभावित सड़कों की मरम्मत और रखरखाव को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। मंत्री ने अधिकारियों से संबंधि राज्यों में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग सचिव, एनएचएआई के अध्यक्ष, डीजी रोड और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति वाली इस बैठक में गडकरी ने अधिकारियों को प्रभावित राजमार्गों की मरम्मत और रखरखाव को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

बाढ़ ग्रस्त राज्यों को पीएम केयर्स फंड से अतिरिक्त राहत राशि उपलब्ध कराए केंद्र : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार से मांग की है कि बाढ़ ग्रस्त हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों को पीएम केयर्स फंड से अतिरिक्त राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। खड़गे ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि उत्तर भारत के राज्यों में भारी बारिश के कारण कई लोगों की मृत्यु दुखद एवं पीड़ादायक है। बारिश और बाढ़ के मुद्दे को लेकर उन्होंने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात की है। वहां राहत कार्यों में तेजी आई है और मूसलाधार बारिश ग्रस्त क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए, खराब मौसम के बावजूद हर संभव प्रयास जारी है। ऐसे में बाढ़ग्रस्त राज्यों को केंद्र सरकार को भी आर्थिक मदद देनी चाहिए। खड़गे ने कहा कि हिमाचल में पीड़ितों को उचित मुआवजा दिया जाएगा और जान-माल का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए हर संभव मदद मिलेगी। खड़गे ने कहा कि उन्होंने सभी कांग्रेस विधायकों को निर्देश दिए हैं कि अपने क्षेत्र में प्रभावित लोगों की हर प्रकार से मदद करें। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में भारी बारिश के कारण जन-जीवन अस्त-व्यस्त है।

फडणवीस पर उद्धव का पलटवार, मैंने घर से काम किया, लेकिन किसी का घर नहीं फोड़ा

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना (उ.बा.ठा.) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि बतौर मुख्यमंत्री उन्होंने घर से काम किया, लेकिन किसी का घर नहीं फोड़ा। जितना काम घर बैठकर किया उतना काम अब लोग घर-घर घूमकर नहीं कर पा रहे हैं। उद्धव का यह बयान देवेंद्र फडणवीस के उस बयान का पलटवार माना जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री रहते उद्धव ठाकरे सीएमओ के बजाए घर से काम करने को तरजीह देते थे। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ने अमरावती में कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि इस समय राजनीति में घर फोड़ने, घर बर्बाद करने का काम शुरू है। पहले पार्टी फोड़ी जाती थी, अब पार्टी ही चुराई जा रही है। जिसे भ्रष्ट कहा जाता है, उसे ही अपनी पार्टी में शामिल किया जा रहा है। इस समय बैलट बाक्स से सरकार नहीं बन रही है, बल्कि चुने हुए विधायकों को खरी-दकर सरकार बनाई जा रही है। स्थिति गंभीर है, इसे बदलना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके चलते विपक्षी नेताओं को झूठे आरोप लगाकर बदनाम किया जा रहा है। परिवार के सदस्यों की बदनामी की जा रही है। अगर इस तरह का काम करने वालों के खिलाफ बोलना शुरू करो तो उन्हें नागवार गुजरता है।

उद्धव ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव आयोग अब राजनीतिक दलों का नामकरण करने लगा है। जबकि चुनाव आयोग का काम किसी भी राजनीतिक दल का नाम रखने का नहीं है। शिवसेना का नामकरण उनके दादाजी और पिताजी ने किया था, लेकिन चुनाव आयोग गलत काम कर रहा है। चुनाव आयोग का काम चिह्न देना है, उसे अपना काम करना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वे बीमार थे, उस समय यह लोग उनके पीछे साजिश करने में लगे हुए थे। कोरोना काल में उनके काम की तारीफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर की गई, लेकिन कुछ लोगों को इसमें भ्रष्टाचार दिख रहा है और जांच चल रही है। अगर हिम्मत है तो सभी राज्यों में कोरोना काल में हुए काम की जांच करवाएं। साथ ही पीएम केयर फंड की भी जांच करवाएं।

एस जयशंकर ने राज्यसभा चुनाव के लिए गुजरात में नामांकन दाखिल किया

अहमदाबाद। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज राज्यसभा चुनाव के लिए गुजरात में नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील समेत अन्य नेता उपस्थित रहेगा। बता दें कि गुजरात में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव होना है, जिसमें सीट पर एस जयशंकर पर्चा दाखिल कर दिया है। भाजपा गुजरात से किन दो लोगों को राज्यसभा भेजेगी इस पर सस्पैंश बरकार है। वर्तमान में एस जयशंकर, जुगलजी ठाकोर और दिनेश अनावडिया राज्यसभा सांसद हैं। एस जयशंकर को रिपीट किए जाने की पहले से संभावना थी लेकिन जगलजी ठाकोर और दिनेश अनाव-डिया के साथ पर भाजपा किसी राज्यसभा भेजती है यह जल्द ही सामने आएगा। भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर एस जयशंकर ने आज 12.39 बजे के शुभ मुहूर्त में नामांकन दाखिल किया। पर्चार दाखिल करने के बाद एस जयशंकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि गुजरात से मुझे राज्यसभा में जाने का अवसर मिला वह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। चार पहले मैं भाजपा की ओर से राज्यसभा गया था, जहां विदेश नीति से जुड़ने का मुझे अवसर मिला। अब भविष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से जो भी विकास कार्य और प्रगति होगी उसमें अपना पूरा योगदान दूंगा। उन्होंने कहा कि गुजरात को एक मॉडल स्टेट माना जाता है। भारत की अंतर्राष्ट्रीय ख्याति बढ़ी है। इस मौके पर एस जयशंकर ने भाजपा समेत समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त कियो बता दें कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 13 जुलाई है और आज 10 जुलाई को भाजपा की ओर से पहला नामांकन दाखिल किया गया है। भाजपा के अन्य दो उम्मीदवार कौन होंगे? इस पर फिलहाल सस्पैंश बना हुआ है। भाजपा चाहे जिसे उम्मीदवार बनाए तीनों को निर्विरोध जीतना तय है। क्योंकि पर्याप्त संख्याबल नहीं होने की वजह से कांग्रेस राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार उतारने से पहले ही इंकार कर चुकी है। 182 सीटों वाली गुजरात विधानसभा में भाजपा के 156 विधायक हैं। जबकि कांग्रेस के 17 और आम आदमी पार्टी के 5 विधायक हैं। ऐसे में विपक्ष के किसी उम्मीदवार के जीतने की कोई गुंजाईश नहीं है।

शिवसेना के नाम व चुनाव चिह्न की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट पहुंची, उद्धव गुट की याचिका पर 31 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। शिवसेना के नाम और चुनाव चिह्न की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न एकनाथ शिंदे को दिए जाने के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट की ओर से दायर याचिका सोमवार को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन किया गया। चीफ जस्टिस ने इस मामले पर 31 जुलाई को सुनवाई करने का आदेश दिया। उद्धव गुट ने निर्वाचन आयोग के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें शिंदे गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी गई है। याचिका में शिंदे गुट को धनुष-बाण चुनाव चिह्न आवंटित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। निर्वाचन आयोग ने 17 फरवरी को एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना करार दिया और धनुष बाण चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया। आयोग ने पाया था कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। निर्वाचन आयोग ने कहा था कि शिवसेना के मूल संविधान में अलोकतांत्रिक तरीकों को गुपचुप तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी निजी जागीर के समान हो गई। इन तरीकों को निर्वाचन आयोग 1999 में नामंजूर कर चुका था। पार्टी की ऐसी संरचना भरोसा जगाने में नाकाम रहती है। निर्वाचन आयोग के इस आदेश के खिलाफ उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। धनुष-बाण चुनाव चिह्न बाल ठाकरे के समय से शि-वसेना का चुनाव चिह्न रहा है।

बुलंद इरादों के साथ भारत का चंद्रयान मिशन पर रवाना होने को तैयार

-चांद पर पहुंचने के लिए 14 जुलाई को होगा रवाना, श्रीहरिकोटा में तैयारियां पूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अपने बुलंद इरादों के साथ भारत का चंद्रयान अपने मिशन पर रवाना होने को तैयार हैं। इसकी लांचिंग के लिए श्रीहरिकोटा में सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, अब सिर्फ 14 जुलाई का इंतजार है। वैज्ञानिक भी उसी पल का इंतजार कर रहे हैं जब अपनी पीठ पर बिठाकर इसरो का सबसे ताकतवर रॉकेट एनएमवी-तीन 14 जुलाई को रवाना होगा। उस समय वह अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीदों की पोटली भी साथ ले जाएगा। चांद को चूमने पर ये उम्मीदें ही हर भारतीय के सीने में खुशी बनकर फूटेंगी। पूरा देश दुआएं कर रहा है। पिछली बार जो कसक रह गई थी, इस बार सब मंगल ही होगा। भारत के चंद्रयान मिशन पर रवाना होने का पूरे देश को बेसब्री से इंतजार है। चंद्रयान की श्रीहरिकोटा से लॉन्चिंग होने वाला है। लोग बताते हैं कि सांप और साधुओं का देश कहा जाने वाला भारत आज स्पेस टेक्नोलॉजी में दुनिया के ताकतवर देशों के साथ खड़ा है। चंद्रयान-3 का लैंडर चंद्रमा की सतह पर 23 या 24 अगस्त को सॉफ्ट लैंडिंग कर सकता है।

हालांकि पिछली बार क्रैश लैंडिंग हुई थी। इस बारे में स्पेस मिनिस्टर जितेंद्र सिंह ने कहा है कि अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत भी चांद की सतह पर लैंड करने वाला चौथा देश बनने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि स्पेस के क्षेत्र में हमारी विशेषज्ञता में जबर्दस्त इजाफा हुआ है। चांद को चूमने में अब भारत को ज्यादा इंतजार नहीं करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चांद पर उतरने के बाद चंद्रयान-3 का छह पहिए वाला रोवर लैंडर से बाहर आएगा और चांद की सतह पर इसके 14 दिनों तक काम करने की उम्मीद है। सिंह ने बताया कि रोवर पर लगे कई कैमरों की मदद से हम तस्वीरें हासिल कर सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्पेस सेक्टर में पहले के टैबू को तोड़ने का श्रेय पीएम मोदी को देते हुए सिंह ने कहा कि पीएम के हालिया अमेरिका दौरे के समय स्पेस क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह से विकास की ग्रोथ हो रही है उससे भारत का स्पेस सेक्टर आने वाले वर्षों में 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन सकता है। हालांकि 2020 में दुनिया की स्पेस इकोनॉमी में भारत की हिस्सेदारी मात्र 2.1 प्रतिशत थी। चंद्रयान-3 मिशन का पूरा बजट 615 करोड़ रुपये है। चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान का रोवर चांद की सतह का अध्ययन करेगा और यह लैंडर के अंदर बैठकर जा रहा है।

यह आरोप-प्रत्यारोप का नहीं बल्कि लोगों के लिए काम करने का वक्त : केजरीवाल

अजय कुमार

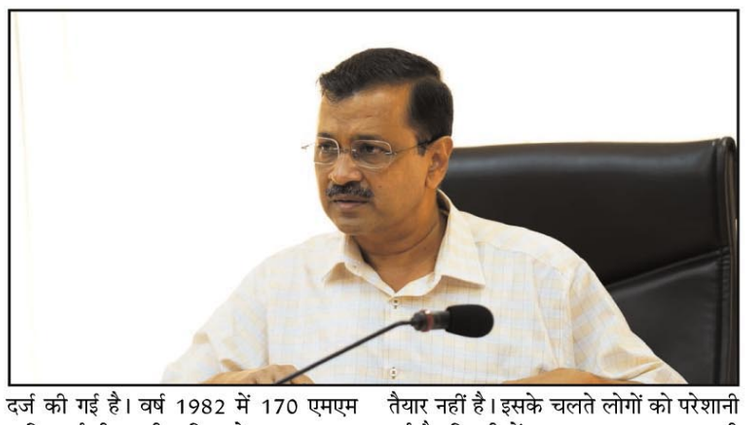

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में भारी बारिश के हालात और यमुना नदी के बढ़े जलस्तर को लेकर दिल्ली सचिवालय में संबंधित मंत्रियों एवं विभाग के अधिकारियों के साथ सोमवार को बैठक की। इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली में 40 साल बाद इतनी बारिश हुई है। उप्र, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब सहित अन्य राज्यों में बारिश से लोगों को परेशानी हो रही है। यह समय किसी पर निशाना या आरोप लगाने का नहीं है बल्कि लोगों की भलाई के लिए काम करने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में 8 और 9 जुलाई को 24 घंटे के दौरान 153 मिमी बारि-श हुई है। यह अब तक की सर्वाधिक बारिश दर्ज की गई है। वर्ष 1982 में 170 एमएम बारिश हुई थी। इतनी बारिश जो 40 साल बाद हुई है। इसके लिए दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम तैयार नहीं है। इसके चलते लोगों को परेशानी हुई है। दिल्ली में जब-जब 100 एमएम की बारिश हुई है, तब-तब जलभराव हुआ, लेकिन एक आधे घंटे में पानी निकल गया। इस बार 153 एमएम की रिकॉर्ड बारिश हुई है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में बाढ़ के खतरे पर कहा कि 1978 में बाढ़ आई थी, जब हरियाणा से हथनीकुंड बैराज में सात लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। 2013 में आठ लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, लेकिन तब बाढ़ नहीं आई। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार और एक्सपर्ट की राय के अनुसार दिल्ली में बाढ़ का खतरा नहीं है। हालांकि हमने अपनी तरफ से पूरी तैयारी की है। यमुना से सटे झुग्गी बस्ती में रहने वाले करीब 40 हजार लोगों को रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित जगह पर रखा जाएगा। हम यमुना नदी में बढ़ रहे जलस्तर और मौसम विभाग की पल-पल की अपडेट ले रहे हैं।

दूसरों को डराने वाली भाजपा सरकार स्वयं डरी : अखिलेश यादव

- सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर की तीखी टिप्पणी

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आसमान छू रहे टमाटर के दामों और बेचने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखी टिप्पणी की है। सपा अध्यक्ष ने टमाटर को सुरक्षा के बीच बेचने के मामले में भाजपा सरकार द्वारा अपनाए रवैये पर घेरा है। अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से सोमवार को ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि जिस देश-प्रदेश में स्वस्थ व्यंग्य और कटाक्ष के लिए स्थान न हो वहां समझ लेना चाहिए दूसरों को डराने वाली सत्ता, स्वयं डरी हुई है। मदर ऑफ डेमोक्रेसी की बात इस माहौल में बेइमानी जुमला लगती है। देश के प्रमुखतम संसदीय क्षेत्र में लोकतंत्र का ये हाल है तो बाकी देश में क्या होगा। उल्लेखनीय है कि वाराणसी में एक सब्जी विक्रेता द्वारा बाउंसरों को लगाकर टमाटर बेचने वाला वीडियो बनाया गया था। इसका उद्देश्य सरकार का ध्यानाकर्षण करने का था। लेकिन इस वीडियो के सोशल मीडिया में वायरल होने पर सब्जी विक्रेता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया था। इस मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सब्जी विक्रेता के पक्ष में आए और पहले सब्जी विक्रेता को छोड़ने वाला ट्वीट किया था और सोमवार को उसी मामले में सरकार को घेरने वाला एक और ट्वीट किया है।

दो चरणों में योगी सरकार करेगी खरीफ फसलों की 'ई-पड़ताल'

-एग्रीस्टैक योजना के तहत 10 अगस्त से 25 सितम्बर के बीच दो चरणों में पूरा होगा यह सर्वे
-पहले चरण में 21 जबकि दूसरे चरण में 54 जिलों में होगा ई-पड़ताल सर्वे

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में अन्नदाता किसानों को सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने की दिशा में प्रयासरत योगी सरकार ने केन्द्र की एग्रीस्टैक योजना को प्रदेश में वृहद स्तर पर लागू करने की कार्ययोजना पर काम करना शुरू कर दिया है। केन्द्र द्वारा फसलों के निरीक्षण व किसानों को लाभ पहुंचाने के दृष्टिगत एग्रीस्टैक योजना की शुरूआत की गई है। इसका उद्देश्य देश में फसलों का एक केंद्रीयकृत डाटाबेस तैयार करना है। यह डाटाबेस किसानों के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन की तरह काम करेगा, जहां उन्हें फसलों संबंधी समस्याओं के निराकरण, सरकारी अनुदान व प्रशस्ति प्रबंधन और विस्तृत बाजार तक पहुंच जैसी अनेकों सुविधाएं मुहैया हो सकेंगी। इसी तर्ज पर कार्य करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में 'ई-पड़ताल' सर्वे को अंजाम देने की विस्तृत रूपरेखा पर कार्य शुरू हो गया है।

10 अगस्त से होगी सर्वे की शुरूआत - राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मौजूदा खरीफ सीजन के मध्य राज्य में इस सर्वे को अंजाम देने के लिए तीन करोड़ से ज्यादा कृषि योग्य रजिस्टर्ड भूमि को चिन्हित किया गया है। यह सर्वे 10 अगस्त से 25 सितंबर के बीच दो चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में 21 जबकि दूसरे चरण में 54 जिलों में 'ई-पड़ताल' सर्वे को अंजाम देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए पहले ही राज्य, जिला व तहसील समेत कुल चार स्तरीय समितियों का गठन हो चुका है। इसके अंतर्गत मुख्य सचिव खुद स्टीयरिंग कमेटी की अध्यक्षता करेंगे, जबकि अन्य समितियां इंप्लीमेंटेशन समिति के अंतर्गत कार्य करेंगी। सर्वे को अंजाम देने के लिए कार्यशाला व बैठकों के आयोजन का दौर निरंतर जारी है।

छह सूत्रीय लाभ का जरिया बनेगा 'ई-पड़ताल' - प्रवक्ता ने बताया कि 'ई-पड़ताल' को प्रदेश में महज एक फसलों का डाटा एकत्रित करने वाले सर्वे के तौर पर नहीं बल्कि छह सूत्रीय लाभ का जरिया मानकर क्रियान्वित करने की रूपरेखा रखी गई है।

दरअसल, इसके जरिए एकत्रित डाटा के आधार पर किसान बैंकों से केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) योजना के अंतर्गत अनुदान प्राप्त कर सकेंगे। वहीं, फसलों के एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) निर्धारण का भी यह एक सशक्त जरिया बन सकेगा। इसके अतिरिक्त, सॉइल हेल्थकार्ड योजना के जरिए ई-पड़ताल से जुटाए गए आंकड़े कृषि योग्य भूमि के मृदा निरीक्षण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण योगदान निभाएंगे। इससे किसानों को अपनी भूमि की उर्वरता के आधार पर फसलों की बोआई का उचित विकल्प मिल सकेगा। कुल मिलाकर, सर्वे में प्रदेश के 75 जिलों के 350 तहसीलों के अंतर्गत आने वाले 31002 लेखपाल अधीन क्षेत्रों के 35983 ई-पड़ताल क्लस्टर्स के आंकड़ों को समावेशित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे क्रियान्वित करने की तैयारी अभी से शुरू हो गई है।

पौधरोपण कर भारत विकास परिषद ने मनाया 61वां स्थापना दिवस

जालौन, (हि.स.)। भारत विकास परिषद के 61वें स्थापना दिवस पर उरई के बृज कुंवर देवी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल में सोमवार को पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर एक गोष्ठी भी अयोजित हुई इसमें इं. अजय इटोरिया ने स्थापना दिवस पर कहा कि भारत विकास परिषद समाज के प्रबुद्ध, संपन्न एवं प्रभावी व्यक्तियों का एक गैर राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय संगठन है। भारत विकास परिषद का उद्देश्य है कि समाज के उच्च, प्रबुद्ध एवं संपन्न वर्ग को सुसंगठित कर उनके हृदय में समाज के वंचित, असमर्थ एवं अशिक्षित वर्ग के प्रति संवेदनशीलता का भाग जागरण कर, उनके प्रति अपना मानवीय दायित्व समझकर निस्वार्थ सेवा हेतु तत्पर करना एवं भावी पीढ़ी को सुसंस्कारित करना। जिससे वो भविष्य में देश के श्रेष्ठ नागरिक बनकर समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में देश का सकारात्मक नेतृत्व करने में सक्षम और समर्थ बन सके।

इस अवसर पर मुख्य शाखा के अध्यक्ष राजेश निगोतिया, सचिव प्रवीण गुप्ता, भूपेंद्र गुप्ता अध्यक्ष गहाई सेवा मण्डल, ऊषा निरंजन महिला संयोजिका प्रान्तीय उपाध्यक्ष लखन लाल चन्दईया, जिला सम्वन्यक चन्द्र भान गुप्ता, अनरूद्ध गुप्ता, प्रमोद कठिल, रवि इटौरिया, विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा श्रीखंडे, उप प्रधानाचार्य आशीष तिवारी सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

काशी में कावड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा, सम्मान से शिवभक्त आह्लादित

वाराणसी, (हि.स.)। काशीपुराधिपति की नगरी में सावन के पहले सोमवार पर शिवभक्तों और कांवड़ियों के उपर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। कमिश्नर कौशल राज शर्मा, डीएम एस राजलिंगम और पुलिस कमिश्नर अशोक मुथा जैन ने प्रदेश शासन के निर्देश पर हेलीकॉप्टर में बैठकर काशी प्रयागराज कांवरिया लेन, कैथी मार्कण्डेय महादेव मंदिर से लेकर श्री काशी विश्वनाथ धाम तक शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की। हेलीकॉप्टर से अपने उपर पुष्प वर्षा से शिवभक्त भी आह्लादित दिखे। पहली बार सावन के पहले सोमवार पर कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। पूर्वाह में पुलिस लाइन से प्रशासनिक अफसरों को लेकर हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी और कांवर यात्रा मार्ग पर चक्कर काटते हुए कैथी और काशी विश्वनाथ धाम की ओर आया। कैथी मार्कण्डेय महादेव मंदिर से अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर में से लगभग दो क्विंटल गुलाब, गेंदा और जरवेरा फूलों की पंखड़ियों की बारिश की। आसमान से फूलों की वर्षा होते देख शिवभक्त हर-हर महादेव बोल बम का जयकारा लगाते रहे। अफसरों ने हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर हवाई मार्ग से शिवभक्तों के सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया।

अल्पकालिक विस्तारकों को अगले माह फिर से दूसरे राज्यों में भेजेगी भाजपा

लखनऊ, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव से पहले जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां पर जीत हासिल करने के लिए भाजपा गंभीर है। वर्ष 2023 के अंत तक राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में पार्टी के चुनावी अभियानों को गति प्रदान करने के लिए दूसरे राज्यों से भाजपा अल्पकालिक विस्तारक भेजेगी। उत्तर प्रदेश के अल्पकालिक विस्तारकों को भी अगले माह फिर से मध्य प्रदेश और राजस्थान भेजा जाएगा। इसी संबंध में सोमवार को भाजपा के प्रदेश मुख्यालय पर अल्पकालिक विस्तारकों की समीक्षा बैठक की गयी। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित अल्पकालिक विस्तारकों की समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, बिहार व झारखण्ड के प्रदेश महामंत्री संगठन नागेन्द्र व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश से राजस्थान व मध्य प्रदेश अल्पकालिक विस्तारक गये थे।

वहां से लौटे विस्तारों से उनका अनुभव कथन सुना गया। समीक्षा बैठक में इन विस्तारकों को अगस्त माह में फिर से दोबारा से भेजने पर चर्चा की गयी। अब अल्पकालिक विस्तार जब जाएंगे तो चुनाव तक वहीं रहकर पार्टी का काम करेंगे।अल्पकालिक विस्तारक पार्टी के कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक सफलतापूर्वक क्रियान्वित कराने का काम करेंगे और जीत का आधार बनेंगे। समीक्षा बैठक में अल्पकालिक विस्तारकों के अलावा प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्या, गोविन्द नारायण शुक्ल, अवध के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा व अवध के प्रान्त मंत्री विनोद पटेल उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट ने स्वास्थ्य मंत्री के भाई सहित 22 लोगों को आरोपित बनाए जाने के मामले में मांगी केस डायरी

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस संजय प्रसाद की कोर्ट में सोमवार को जमशेदपुर के मानगो सहारा सिटी में नाबालिग से दुष्कर्म और देह व्यापार कराने के मामले में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के भाई गुड्डू गुप्ता, तत्कालीन डीएसपी और थानेदार समेत 22 लोगों को आरोपित बनाए जाने को लेकर जमशेदपुर की निचली अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई पर हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से पुलिस एवं सीआईडी दोनों की केस डायरी प्रस्तुत करने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई मंगलवार को निर्धारित की है। इस मामले में सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बहस पूरी हो गई, वहीं मामले में पीड़िता (सूचक) की ओर से बहस जारी रही। 16 याचिकाकर्ता की ओर से पूर्व में ही बहस पूरी हो चुकी है। कोर्ट ने जमशेदपुर की निचली अदालत द्वारा मामले में चल रही कार्यवाही (ट्रायल) पर रोक बरकरार रखी है ।याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता एके कश्यप ने पैरवी की, वहीं पीड़िता की ओर से अधिवक्ता देवेश अजमानी ने पैरवी की। पीड़िता की मां ने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के भाई गुड्डू गुप्ता, तत्कालीन डीएसपी अजय केरकेट्टा और तत्कालीन एमजीएम थाना प्रभारी इमदाद अंसारी समेत 22 लोगों को आरोपित बनाने के लिए जमशेदपुर की स्पेशल कोर्ट में अर्जी दी थी। ये अर्जी कोर्ट ने मंजूर कर ली और सभी 22 लोगों को मामले में आरोपित बनाने और ट्रायल चलाने का आदेश दिया है। मामला 19 जनवरी 2018 का है जहां पीड़िता ने अदालत में बयान दर्ज कराया था।

पलामू में सीआरपीएफ के जवान ने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली

पलामू, (हि.स.)। मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के जोरकट स्थित सीआरपीएफ के 112 बटालियन कैम्प में एक जवान ने सोमवार अहले सुबह अपनी सर्विस राइफल से स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जवान ने सिर में गोली मारी। हालांकि इसके बाद भी आनन-फानन में उसे इलाज के लिए एमआरएमसीएच में लाया गया, जहां डॉक्टर ने जवान को मृत घोषित कर दिया। जवान की पहचान प्रांजल नाथ (30) के रूप में हुई है। वह कैंप में संत्री ड्यूटी पर तैनात था। इसी क्रम में घटना हुई। जिले के सहायक पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव का पोस्टमार्टम एमआरएमसीएच में कराया गया है। मामले में जांच की जा रही है। इधर घटना के बाद मौके पर पहुंचे सदर थाना प्रभारी गौतम कुमार ने मामले की प्रारंभिक जांच की। उन्होंने बताया कि घटना सुबह करीब तीन बजे की है। जवान संत्री ड्यूटी में तैनात था। पोस्टमार्टम के बाद शव उसके घर असम के तेजपुर थाना क्षेत्र के पीथखुवा भेजा जा रहा है। जवान आठ जुलाई को ही दो महीने की छुट्टी से लौटा था। इससे पहले बूढ़ा पहाड़ पर तैनात था। जवान ने आत्महत्या क्यों की, इसके लिए पुलिस और सीआरपीएफ के पदाधिकारी जांच में जुटे हुए हैं।

पूर्व उपायुक्त छवि रंजन को बेल के लिए करना होगा इंतजार, ईडी ने जवाब के लिए मांगा समय

रांची, (हि. स.)। सेना के बरियातू स्थित जमीन सहित अन्य भूमि घोटाला मामले के आरोपित रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में सोमवार को सुनवाई हुई। इस दौरान ईडी की ओर से उपस्थित विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया। अदालत ने ईडी के आग्रह को स्वीकार करते हुए छवि रंजन की याचिका पर सुनवाई के लिए एक सप्ताह बाद की तिथि निर्धारित की है। वहीं दूसरी ओर छवि रंजन की ओर से दाखिल 167 की याचिका पर अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है 167 सीआरपीसी की धारा है, जिसमें पुलिस और ईडी को चार्जशीट दाखिल करने के लिये समय निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि रांची में अवैध तरीके से जमीन की बड़े पैमाने पर हुई खरीद-फरोख्त के मामले में ईडी ने बीते 13 अप्रैल को झारखंड, बंगाल और बिहार के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस मामले में ईडी ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन सहित अन्य लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मीडिया पर एक ही पार्टी का कब्जा हो गया है: सीएम

पटना, (हि.स.)। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सचिवालय पहुंचे, जहां वे वन एवं पर्यावरण विभाग के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सीएम के साथ तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव भी मौजूद रहे। इस दौरान सीएम महागठबंधन में मचे घमासान के सवाल से बचते नजर आए और कहा कि आप लोग पर तो एके पर्टिया का कब्जे हो गया है..छोड़िए न। सीएम नीतीश ने कहा कि दो महीने के भीतर पूरे राज्य में चार करोड़ से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हम तो जल्दी चाहते हैं कि 97 प्रतिशत पौधारोपण हो जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में आबादी से हिसाब से पौधारोपण भी होना चाहिए। पहले कहीं पेड़ दिखता था और अब सब जगह दिखता है। अभी और ज्यादा काम हो इसके लिए लगे हुए हैं। हर स्तर पर काम हो रहा है। इस दौरान जब मीडिया ने महागठबंधन में मचे घमासान पर सीएम से सवाल किया तो वे सवाल से कन्नी काट गए और कहा कि आप लोग पर तो एके पर्टिया का कब्जे हो गया है।छोड़िए न। इसके बाद सीएम विधानसभा के लिए रवाना हो गए।

भारतीय समृद्धि विकास कल्याण संगठन ने किया पेयजल एवं फल प्रसाद का वितरण

किशनगंज, (हि.स.)। सावन माह की पावन अवसर पर पहली सोमवार को भारतीय समृद्धि विकास कल्याण संगठन ट्रस्ट, बिहार के प्रदेश सलाहकार अधिवक्ता कमलेश कुमार की अगुवाई में शिविर लगाकर पेय जल एवम फल प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम के सफलता में अध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा, सचिव डा० अभिषेक शर्मा, जिला प्रभारी सरफराज अहमद, सबरजीत ठाकुर, हर्ष कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सूरज साहा एवं अन्य ट्रस्ट के सदस्य के साथ साथ स्थानीय लोगो की काफी उपस्थित रहीं। प्रदेश सलाहकार एडवोकेट कमलेश कुमार ने सावन माह के शुभ अवसर पर सभी सम्मानित बाबा भोलेनाथ के भक्तो को हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार का सेवा सावन के प्रत्येक सोमवार को ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में सभी भक्तो का स्वागत किया जाएगा।

साहित्यकार विद्या नारायण ठाकुर की जयन्ती पर दी गई श्रद्धांजलि

अररिया, (हि.स.)। फारबिसगंज प्रोफेसर कॉलोनी स्थित स्व० डॉ० विद्या नारायण ठाकुर के निवास स्थान "विमलालय" के प्रांगण मे डॉ० विद्या बाबू की 90 वीं जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। समारोह की अध्यक्षता संवदिया के प्रधान संपादक मांगन मिश्र "मार्त्तण्ड" एवं संचालन अरविन्द ठाकुर ने किया। सर्वप्रथम डॉ० ठाकुर की तस्वीर पर उपस्थित साहित्यकार एवं साहित्यप्रेमियों के द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पण के बाद दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इसके बाद बालिका मानवी चौधरी के सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात चर्चित शायर हशमत सिद्धीकी एवं आशु कवि विजय बंसल ने विद्या बाबू के व्यक्तिव पर कविता पाठ किया। इसके बाद उपस्थित साहित्यकार हेमन्त यादव "शशि", हर्ष नारायण दास, हरि शंकर झा, अभिताभ पाण्डे, सुरेन्द्र प्रसाद मण्डल, विनोद कुमार तिवारी, हरि नंदन मेहता, शिव नारायण चौधरी, सुनील दास ने विद्या बाबू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। वक्ताओं ने बताया कि डॉ० ठाकुर हिन्दी एवं मैथिली के विद्वान प्राध्यापक थे। फारबिसगंज कॉलेज, फारबिसगंज में इन्होंने हिन्दी एवं मैथिली विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया एवं यही से सेवानिवृत हुए। 15 फरवरी 2011 को इनका निधन हो गया। उनकी दो पुस्तकें "वीणा के तार" और "झूठ भी सच बोलता है",प्रकाशित है। अंत में सभाध्यक्ष श्री मार्त्तण्ड ने डॉ० ठाकुर की कविताओं का रोचक विश्लेषण किया। कार्यक्रम के मध्य में विद्या नारायण ठाकुर स्मृति मंच द्वारा इंद्रधनुष साहित्य परिषद के संस्थापक सचिव विनोद कुमार तिवारी को उनके उल्लेखनीय साहित्यिक गतिविधियों के लिए विद्या नारायण ठाकुर स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया।

बेतिया में शिक्षा बचाओ रैली निकाल कर प्रदर्शन किया

बेतिया, (हि.स)। आल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन पं चम्पारण की ओर से 13 सूत्रीय मांगों को लेकर बेतिया शहीद पार्क से शिक्षा बचाओ रैली निकाल कर जिला पदाधिकारी के समक्ष प्रदर्शन किया गया तथा जिला पदाधिकारी को मांग पत्र सौपा गया। प्रदर्शन कारी शिक्षा नीति 2022 वापस लेने, शिक्षण सामग्रियों पर लगे जी एस टी वापस लेने, महंगी शिक्षा एवं बेरोजगारी पर रोक लगाने, नीजी शिक्षण संस्थानों की मनमानी पर रोक लगाने, सभी शिक्षण संस्थानों में विषयवार शिक्षक की व्यवस्था करने शैक्षणिक सत्र नियमित करने, बढे फीस वापस लेने, छात्राओं के सुरक्षा की गारंटी करने, शिक्षा के नीजिकरण पर रोक लगाने, बजट का 10 वां हिस्सा शिक्षा पर खर्च करने आदि मांगों को लेकर छात्र छात्राओं ने दोषपूर्ण प्रदर्शन किया तथा बताया कि सरकार शिक्षा के प्रति गंभीर नहीं होती तो सरकार के शिक्षा विरोधी नीति के खिलाफ संघर्ष तेज किया जायेगा।

पूर्णिया के बायसी अनुमंडल में नदियां उफान पर ,लोग ढूंढ रहे नया ठिकाना

पूर्णिया, (हि. स.)। बारिश के इस मौसम में पूर्णिया का कुछ इलाका हर वर्ष खतरे के निशान से ऊपर आ जाता है ।यह इलाका पूर्णिया के बायसी अनुमंडल के बायसी, अमौर, रौटा इत्यादि इलाके हैं ।यहां पर कई नदियों में लगातार बारिश से पानी बढ़ने के कारण कटाव का दंश झेलना पड़ता है। इन नदियों में जो खास नदियां हैं उसमें परमान, कनकई ,बकरा ,दास और महानंदा इत्यादि नदी है जिनमें जलस्तर बढ़ने से आसपास के इलाकों में कटाव होने शुरू हो जाते हैं ।इधर हाल के 10 दिनों में यहां लगातार बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है और कटाव भी जारी है। आसपास के गांव के इलाके के लोग डरे तथा सहमे हुए हैं कि आगे हमें क्या करना होगा। कई ग्रामीणों ने अपने लिए नया ठिकाना भी ढूंढना प्रारंभ कर दिया है। ग्रामीणों की शिकायत है कि कटाव निरोधी कार्य पहले से ही किया जाना चाहिए था। हजारों लोग बाढ़ के दहशत के साए में जी रहे हैं। जल संसाधन के अधिकारियों का कहना है कि कटाव निरोधी कार्य को लेकर लगातार निरीक्षण कार्य किया जा रहा है और सभी जगह तुरंत ही कार्य को प्रारंभ कर दिया जाएगा ।इस मामले को लेकर जिला प्रशासन लगातार जागरूक है।

संपादकीय

आसमानी कहर

खबरें मौसम की उत्पात मचा रही हैं, हमारे करीब आपदाग्रस्त हिमाचल की तस्वीर बना रही हैं। मकान, सडक और राज्य का विकास कांप रहा है, पहाड़ों पर जल्लाद मौसम का यह रुख बदनाम कर रहा है। हम नहीं चाहते इस मौसम में कोई पर्यटक यहां आए। यह भी नहीं चाहते कि हमारी मंजिलों पर कोई खलल आए, लेकिन फिर एक साथ कई परीक्षाओं में बारिश ने हमें चुन लिया और बादलों ने कहर से हमें डराने का सबब बुन लिया। हिमाचल में यात्राएं ही कठिन नहीं, बल्कि जीने की हर राह पर आसमानी मंजर का भयावह परिदृश्य उभर आता है हर बार। पिछले एक हफ्ते से हिमाचल का दर्द बढ़ता जा रहा है। यह पीड़ा सिर्फ हिमाचल की है जिसे हम वर्षों से झेलते आ रहे हैं अकेले। हो सकता है कुछ गलतियां हो गई हों, लेकिन इतने भी गलत नहीं कि पर्वतीय राज्य को हमेशा मौसम की बेरुखी में अकेला छोड़ दिया जाए। बहरहाल पिछले पंद्रह दिनों ने करीब पांच सौ करोड़ का नुकसान इस राज्य की प्रगति, प्रवृत्ति और प्रासंगिकता को सुना दिया। कोटगढ़ के मधावनी गांव के उस परिवार का क्या कसूर, जिसके अस्तित्व को ही छीन लिया गया या श्रीखंड यात्रा में आस्था का क्या दोष जहां एक यात्री की ईहलीला गुम हो गई। शिमला के मौसम की वीभत्स तस्वीर में मधावनी के ढहते मकान में दबे पति-पत्नी और बेटे की मौत सता रही है, तो दरकते पहाड़ों के नीचे जोखिम जिस तरह बढ़ रहा है, उसे देखते हुए बरसात का यह कहर मापा नहीं जा सकता। दोष किसे दें, मानवीय प्रगति या पहाड़ के विकास में आदतन सुराख कहां खोजें। ऊना में डूबने का मंजर, पंडोह के बाजार से कम नहीं और न ही चंबा के रास्तों में दूरी कम हो रही। खड्डें या नदियां जिस तरह के उफान पर हैं, उसे देखते हुए सिर्फ आपदा प्रबंधन की घंटियां ही बजाई जा सकती हैं या अब बाढ़ जैसी स्थिति के इतिहास से बहुत कुछ सीखना होगा। प्रदेश की प्राथमिकताओं में कहीं हम मौसम के खूंखार पहलुओं को नजरअंदाज तो नहीं कर रहे। कहीं प्रकृति के नियमों के विरुद्ध विकास तो नहीं कर रहे। हम इस आफत में यूं ही नहीं फंसे, राष्ट्रीय मानकों के फलक पर पर्वतीय आवरण से यह तकरार मानी जानी चाहिए। दरअसल जलनिकासी की प्राकृतिक भूमिका से जहां-जहां छेड़छाड़ हुई या विकास की हिदायतों को नजरअंदाज किया गया, वहां-वहां मौसम के खंजर उभर आए हैं। ऐसे में राष्ट्रीय चेतना में पहाड़ को केवल पर्यावरण का मसौदा मानकर हिफाजत नहीं होगी, बल्कि विकास के विकल्पों में माकूल अनुदान चाहिए। हिमाचल में या हिमाचल से निकलते जल की निकासी को उच्च दर्जे का प्रबंधन और विकास के मानदंडों में नया सृजन चाहिए ताकि मानव बस्तियों को राष्ट्र का इंसाफ मिले। तमाम नदियों, नालों, खड्डों और कूहलों को इनके प्राकृतिक प्रारूप में संरक्षण देने के लिए चैनलाइजेशन की राष्ट्रीय परियोजना तैयार करनी होगी जबकि पर्वतीय विकास की जरूरतों के समर्थन में राष्ट्रीय अवधारणा तय होनी चाहिए। शहरी एवं ग्रामीण विकास के पर्वतीय मानदंड केंद्र सरकार की नीतियों से न मुकम्मल आर्थिक मदद हासिल कर पा रहे और न ही ऐसा मॉडल तय हो रहा है जहां मौसम की बेरुखी के बीच विकास और जनजीवन का संतुलन सुरक्षित रूप से बना रहे। बहरहाल मौसम के साथ पैदा होते दृष्टांत को समझने की जरूरत आम नागरिक को भी है। जल निकासी के पारंपरिक तरीकों पर बढ़ते अतिक्रमण तथा पहाड़ों पर निर्माण की गतिविधियों को जिस तरह आगे बढ़ा रहे हैं, उससे भी अकसर हमें आपदा के समय पछताना पड़ रहा है।

> बहरहाल पिछले पंद्रह दिनों ने करीब पांच सौ करोड़ का नुकसान इस राज्य की प्रगति, प्रवृति और प्रासंगिकता को सुना दिया। कोटगढ़ के मधावनी गांव के उस परिवार का क्या कसूर, जिसके अस्तित्व को ही छीन लिया गया या श्रीखंड यात्रा में आस्था का क्या दोष जहां एक यात्री की ईहलीला गुम हो गई। शिमला के मौसम की वीभत्स तस्वीर में मधावनी के ढहते मकान में दबे पति-पत्नी और बेटे की मौत सता रही है, तो दरकते पहाड़ों के नीचे जोखिम जिस तरह से देखते हुए बरसात का यह कहर मापा नहीं जा सकता। दोष किसे दें, मानवीय प्रगति या पहाड़ के विकास में आदतन सुराख कहां खोजें। ऊना में डूबने का मंजर, पंडोह के बाजार से कम नहीं और न ही चंबा के रास्तों में दूरी कम हो रही।

कुछ अलग

खूनी पंचायत चुनाव

पश्चिम बंगाल में खूंरेजी का आलम है। बीती 8 जुलाई को पंचायत चुनाव के लिए मतदान का दिन था। लोकतंत्र में चुनाव को 'उत्सव' मानते हैं, क्योंकि जनादेश के जरिए ही हम अपनी सत्ताएं चुनते हैं, लेकिन मतदान के दिन ही 15 नागरिक मार दिए गए। पोलिंग अधिकारी को ही पीट दिया गया। मतदान केंद्र लूट लिए गए और फूंक दिए गए। 1990 के दशक के बिहार की यादें ताजा हो गईं। कार्यकर्ता मतपेटियां लूट कर भाग गए। मतपत्र फाड़ दिए गए अथवा नहर में फेंक दिए गए। यानी जो जनादेश मतपेटियों में बंद किया गया था, उसे नष्ट करके खारिज कर दिया गया। क्या यही लोकतंत्र है? क्या ऐसी हिंसा और हत्याओं को ही 'लोकतंत्र का पर्व' मान सकते हैं? बंगाल में गोलियां चलीं, बम फोड़े गए, पत्थरबाजी की गई और जब से पंचायत चुनावों की घोषणा हुई थी, तब से करीब 35 कार्यकर्ताओं या आम लोगों की हत्याएं की जा चुकी हैं। सवाल है कि बंगाल में लोकतंत्र की बुनियाद-पंचायत-के चुनाव ही इतने रक्त-रंजित क्यों होते हैं? राज्य की ममता बनर्जी सरकार का कानून-व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नहीं है अथवा सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के 'गुंडे' ही यह निरंकुश खून-खराबा करते रहे हैं? हम पहले भी ऐसी स्थितियों के विश्लेषण कर चुके हैं कि लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा और हत्याओं की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। जो जनादेश देना है, वह मतपेटियों के जरिए दिया जाए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस संदर्भ में खामोश क्यों रहती हैं? उनकी पार्टी के प्रवक्ता टीवी बहसों के दौरान मात्र कुतर्क करते हैं अथवा भाजपा पर मुलम्मा चढ़ाते रहे हैं। वे पार्टी कार्यकर्ताओं को ही 'शहीद' मान कर गौरवान्वित होते रहे हैं। कार्यकर्ता तृणमूल, भाजपा, कांग्रेस या वामदलों का मारा जाए, अंततः राज्य का गरीब आदमी ही मारा जाता है, जो देश का बुनियादी नागरिक होता है। गरीब और आम फटेहाल कार्यकर्ता ही राजनीतिक हिंसाओं में क्यों झोंके जाएं? बड़े नेता का परिजन क्यों नहीं मारा जाता? यदि यह हिंसा बड़े, अमीर, खनकदार नेताओं तक पहुंच जाती, तो शायद कम भी होने लगती! बंगाल में वाममोर्चा की सत्ता के दौरान 55,000 से ज्यादा राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्याएं की गईं। ममता सरकार के दौरान भी यह सिलसिला जारी है, बेशक आंकड़े कम हैं या कम दिखाए जा रहे हैं। दरअसल हालिया हिंसा बंगाल के किसी एक क्षेत्र-विशेष में नहीं हुई, बल्कि यह तांडव मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, बीरभूम, नंदीग्राम, मालदा, पुरुलिया, नॉर्थ-साउथ 24 परगना, हुगली, नदिया आदि इलाकों में भी लोकतंत्र को लहूलुहान करता रहा। यह तब हुआ, जब राज्य को करीब 65,000 केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवान दिए गए और करीब 70,000 पुलिस बल था। सवाल है कि ममता बनर्जी के इशारे पर केंद्रीय बलों को रिजर्व क्यों रखा गया? दरअसल उनकी तैनाती राज्य चुनाव आयोग के आदेश पर की जाती है, लेकिन राज्य के निर्वाचन आयुक्त राजीव सिन्हा के आधार पर वकीलों ने सर्वोच्च अदालत में कहा कि हमें केंद्रीय बलों की जरूरत नहीं है। हम खुद ही चुनावों को देख लेंगे। अब राज्य चुनाव आयोग का क्या जवाब है? क्या चुनावों को खाक देखा गया? जिन इलाकों में लोकतंत्र का चीरहरण और आगजनी की गई है, उस पर चुनाव आयोग क्या जवाब देगा? दरअसल राजीव सिन्हा राज्य के मुख्य सचिव रहे हैं और मुख्यमंत्री की अनुशंसा पर ही राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने उनकी नियुक्ति की थी। दरअसल अनुशंसा समेत सब कुछ ही संदेहास्पद और सवालिया था। बंगाल में रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, राममोहन राय, ईश्वरचंद विद्यासागर, रवींद्र नाथ टैगोर सरीखे महानुभावों ने जो संस्कृति और सामाजिकता दी थी, आज वह खून-खराबे में तबदील हो गई है। 2011 से ममता की तृणमूल कांग्रेस पार्टी सरकार में है और तभी से हिंसा और हत्याओं का खेल जारी है। लोकसभा में कांग्रेस के संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी का बेहद गंभीर आरोप है कि ममता बनर्जी के हाथ और उनकी सरकार खून में सनी है। दरअसल यह बंगाल के इतिहास में, लोकतंत्र में, एक बेहद 'काला दिन' के तौर पर याद किया जाता रहेगा। केंद्र सरकार को कुछ कराना है, तो ग्राम पंचायतों में निहित व्यापक भ्रष्टाचार की गहन जांच कराए, क्योंकि मात्र 6000 रुपए की मासिक पगार के लिए कोई इतने बड़े स्तर की खूंरेजी न लिप्त नहीं हो सकता। सभी दलों को राज्य में हिंसा पर रोक के लिए मिलजुल कर काम करना होगा। केंद्र और राज्य सरकार के बीच तालमेल भी बहुत जरूरी है।

बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता के निर्माण से जहां भारत में खाद्यान्न की बर्बादी कम होगी और खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी

मजबूत खाद्य सुरक्षा का नया परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

> पैक्स के स्तर पर भंडार गृह, प्रसंस्करण इकाई आदि कृषि व्यवस्थाएं निर्मित करके पैक्स को बहुउद्देश्यीय बनाया जाएगा और खाद्यान्न भंडारण में विविधता लाई जा सकेगी। ऐसे में अब खाद्य सुरक्षा को और मजबूत बनाने में नई भंडारण क्षमता की भूमिका महत्त्वपूर्ण है, वहीं खाद्य सुरक्षा के लिए जिन कई और बातों पर भी ध्यान देना होगा, उनमें पोषण, सतत कृषि उत्पादन के लिए जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियां, कृषि प्रणाली मॉडल पर केंद्रित जलवायु स्मार्ट दृष्टिकोण, हरित तथा जलवायु अनुकूल कृषि के लिए वित्तपोषण, छोटे और सीमांत किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए अवसंरचना को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए अधिक निवेश, समावेशी कृषि मूल्य श्रृंखलाएं, कृषि बदलाव हेतु डिजिटलीकरण, कृषि-खाद्य क्षेत्र को बदलने के लिए नई उभरती डिजिटल तकनीकों का लाभ आदि शामिल है।

इन दिनों खाद्यान्न संकट की चुनौतियों से संबंधित विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों और वैश्विक सम्मेलन में भारत को मजबूत खाद्य सुरक्षा वाले देश के साथ-साथ खाद्यान्न संकट का सामना करने वाले देशों के लिए आदर्श मददगार के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। हाल ही में हैदराबाद में आयोजित जी-20 कृषि मंत्रियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस समय जब दुनिया के सामने खाद्य सुरक्षा की चिंताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं तब भारत बैक टू बेसिक्स एंड मार्च टू फ्यूचर की नीति के साथ देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत बनाते हुए दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मदद कर रहा है। इस सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश में कृषि-विविधता को बढ़ावा, कृषि क्षेत्र में प्रभावी नीतियों, डिजिटल कृषि आदि से किसानों को लाभ मिल रहा है और देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। ऐसे में निश्चित रूप से इस परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों 31 मई को भारत सरकार के द्वारा स्वीकृत सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता बनाने की योजना भारत ही नहीं, दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह कोई छोटी बात नहीं है कि विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक संगठनों के द्वारा भारत की खाद्य सुरक्षा की जोरदार सराहना की जा रही है। भारत में जहां कोरोना काल में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त अनाज दिया गया, वहीं इस वर्ष जनवरी 2023 से वर्षभर गरीबों की खाद्य सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त अनाज वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2023 में वर्षभर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आने वाली देश की दो-तिहाई आबादी को राशन प्रणाली के तहत मुफ्त में अनाज देने की यह पहल दुनिया भर में

रेखांकित की जा रही है। निःसंदेह एक ऐसे समय में जब दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी बनी हुई है, तब भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरनेशनल फंड ऑफ एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट के मुताबिक पिछले साल 2022 में भारत ने गेहूं की भारी कमी झेल रहे दुनिया के 18 देशों को गेहूं भेजा है। भारत आज दुनिया में जहां चीन गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, वहीं भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है, रूस तीसरे नंबर पर है। भारत दुनिया का 9वां सबसे बड़ा खाद्यान्न निर्यातक देश भी है। देश में लगातार बढ़ता हुआ रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूती प्रदान कर रहा है, साथ ही इसी आधार पर भारत से दुनिया की अपेक्षाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। चालू कृषि वर्ष 2022-23 में 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है, जो देश में अब तक रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन है। कृषि वर्ष 2022-23 में चावल का कुल उत्पादन (रिकॉर्ड) 1355.42 लाख टन होने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 60.71 लाख टन अधिक है। देश में गेहूं का उत्पादन (रिकॉर्ड) 1127.43 लाख टन अनुमानित है जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 50.01 लाख टन अधिक है। न्यूट्री/मोटे अनाज का उत्पादन 547.48 लाख टन अनुमानित है जो पिछले वर्ष के उत्पादन से 36.47 लाख टन अधिक है। 2022-23 के दौरान कुल दलहन उत्पादन 275.04 लाख टन अनुमानित है जो पिछले वर्ष के 273.02 लाख टन के उत्पादन से 2.02 लाख टन अधिक है। साथ ही इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 जिस तरह उत्साहवद्र्धक रूप से आगे बढ़ रहा है तथा उत्पादन बढ़ाने के विशेष प्रयास हो रहे हैं, अधिक धन आबंटन तथा विशेष कार्ययोजनाएं लागू की गई हैं, उनसे भी मोटा अनाज का उत्पादन छलांगे लगाकर बढ़ेगा और इन सबके कारण अधिक खाद्य सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा। गौरतलब है कि नई खाद्यान्न भंडार क्षमता योजना लगभग एक लाख करोड़ रुपए के खर्च के साथ शुरू होगी। इस समय देश का खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3100 लाख टन है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत ही है। यद्यपि भारत दुनिया का प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देश है, लेकिन खाद्यान्न भंडारण में बहुत पीछे है। अनाज के अन्य बड़े उत्पादक देशों चीन, अमेरिका, ब्राजील, यूक्रेन, रूस और अर्जेन्टीना के पास खाद्यान्न भंडारण क्षमता वार्षिक उत्पादन की मात्रा से कहीं अधिक है। ऐसे में देश में खाद्यान्न भंडारण की जो क्षमता फिलहाल 1450 लाख टन की है, उसे अगले 5 साल में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करके कुल खाद्यान्न भंडारण क्षमता 2150 लाख टन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए प्रत्येक प्रखंड में 2000 टन क्षमता का गोदाम स्थापित किया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की अहम भूमिका होगी। देश में अभी करीब एक लाख पैक्स हैं। पैक्स के स्तर पर भंडार गृह, प्रसंस्करण इकाई आदि कृषि व्यवस्थाएं निर्मित करके पैक्स को बहुउद्देश्यीय बनाया जाएगा और खाद्यान्न भंडारण में विविधता लाई जा सकेगी। ऐसे में अब खाद्य सुरक्षा को और मजबूत बनाने में नई भंडारण क्षमता की भूमिका महत्त्वपूर्ण है, वहीं खाद्य सुरक्षा के लिए जिन कई और बातों पर भी ध्यान देना होगा, उनमें पोषण, सतत कृषि उत्पादन के लिए जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियां, कृषि प्रणाली मॉडल पर केंद्रित जलवायु स्मार्ट दृष्टिकोण, हरित तथा जलवायु अनुकूल कृषि के लिए वित्तपोषण, छोटे और सीमांत किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए अवसंरचना को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए अधिक निवेश, समावेशी कृषि मूल्य श्रृंखलाएं, कृषि बदलाव हेतु डिजिटलीकरण, कृषि-खाद्य क्षेत्र को बदलने के लिए नई उभरती डिजिटल तकनीकों का लाभ आदि। हम उम्मीद करें कि भारत में सरकार के द्वारा सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता के निर्माण से जहां भारत में खाद्यान्न की बर्बादी कम होगी और खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी बड़ा मददगार होगा।

विद्यार्थियों पर दबाव कम करने के उपाय

> स्कूलों से वापस आने के बाद उन्हें निजी शिक्षण कक्षाओं में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है। उन्हें फुर्सत ही नहीं मिलती। इसी तरह विश्वविद्यालयों सीटों की संख्या कम होने के कारण छात्रों को प्रवेश पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है और कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है। इससे छात्रों पर भारी दबाव भी पड़ता है। इसके अलावा, यह छात्रों के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं है। जब पढ़ाई और प्रतियोगिता का दबाव बढ़ता है तो इसका प्रभाव छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। इस दबाव को कम करने के लिए माता-पिता को यह समझना चाहिए कि उनके बच्चे भी अवकाश के समय के हकदार हैं, प्रतियोगिता को कम करने के लिए अधिक विश्वविद्यालयों का भी निर्माण किया जाना चाहिए। स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव छात्रों में तनाव और चिंता को बढ़ाता है, जिससे शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य खराब होता है। छात्र उच्च ग्रेड और अकादमिक सफलता प्राप्त करने के लिए अपने माता-पिता, स्कूल, शिक्षकों, समाज या खुद से दबाव महसूस कर सकते हैं।

व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण चीज है, लेकिन आजकल अच्छे नंबर लाने का बहुत दबाव है। छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा कठिन होती जा रही है। ऐसे में छात्रों के दबाव को कम करने के लिए कुछ कदम उठाने की जरूरत है। सबसे पहले जब बच्चे स्कूल जाते हैं तो माता-पिता उनसे अच्छे रिजल्ट की उम्मीद करते हैं। स्कूलों से वापस आने के बाद उन्हें निजी शिक्षण कक्षाओं में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है। उन्हें फुर्सत ही नहीं मिलती। इसी तरह विश्वविद्यालयों सीटों की संख्या कम होने के कारण छात्रों को प्रवेश पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है और कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है। इससे छात्रों पर भारी दबाव भी पड़ता है। इसके अलावा, यह छात्रों के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं है। जब पढ़ाई और प्रतियोगिता का दबाव बढ़ता है तो इसका प्रभाव छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। इस दबाव को कम करने के लिए माता-पिता को यह समझना चाहिए कि उनके बच्चे भी अवकाश के समय के हकदार हैं, प्रतियोगिता को कम करने के लिए अधिक विश्वविद्यालयों का भी निर्माण किया जाना चाहिए। स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव छात्रों में तनाव और चिंता को बढ़ाता है, जिससे शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य खराब होता है। छात्र उच्च ग्रेड और अकादमिक सफलता प्राप्त करने के लिए अपने माता-पिता, स्कूल, शिक्षकों, समाज या खुद से दबाव महसूस कर सकते हैं। हमारे छात्रों में तनाव और चिंता के लक्षणों को पहचानना, व्यावहारिक मुकाबला करने के कौशल विकसित करने में उनकी मदद करना, माता-पिता के साथ साझेदारी में काम करना, संतुलन के महत्व को मजबूत करना और यथार्थवादी अपेक्षाएं स्थापित करना सभी सहायक दृष्टिकोण हैं जो स्कूल उन छात्रों का समर्थन करने के लिए अपना सकते हैं जो ऐसा करने का दबाव महसूस करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दिन अपने वार्षिक 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने भी कहा कि विद्यार्थियों के लिए परीक्षा एकमात्र पड़ाव है, तनाव नहीं, इसलिए विद्यार्थियों को परीक्षा के दिनों को मानसिक दबाव में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों पर अंकों को लेकर दबाव न बनाएं, हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने भी हाल ही में एग्जाम वॉरियर्स में बच्चों को प्रेरित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं माता-पिता से आग्रह करता हूं कि वे अपने बच्चों पर दबाव न डालें। लेकिन साथ ही, छात्रों को भी अपनी क्षमताओं को कम नहीं आंकना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'परिवार के सदस्यों की बहुत सारी उम्मीदें होना बहुत स्वाभाविक है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन अगर सामाजिक स्थिति के कारण परिवार के सदस्यों को ये उम्मीदें हैं तो यह चिंता का विषय है।' पीएम मोदी ने कहा, 'जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं, उनका जीवन निश्चित रूप से धन्य होता है, रंगों से भरा जीवन। आपके और आपके साथियों के बीच परीक्षा में 2-3 अंकों का अंतर लंबे समय में जीवन में मायने नहीं रखता। जो समर्पित हैं वे निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करेंगे।' पीएम मोदी ने अपने सत्र के दौरान कहा, 'आलोचना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भविष्य को बढ़ाने और आकार देने में मदद करती है। माता-पिता आलोचना नहीं करते वे बाधित करते हैं। उन्हें अपने बच्चों को बीच में रोकना चाहिए। ऐसे लोग हैं जो बहुत मेहनत करते हैं। कुछ के लिए कड़ी मेहनत उनके जीवन के शब्दकोश में भी मौजूद नहीं है। कुछ मुश्किल से स्मार्ट काम करते हैं और कुछ स्मार्ट कड़ी मेहनत करते हैं! हमें इन पहलुओं की बारीकियों को सीखना चाहिए और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए उसी के अनुसार काम करना चाहिए।' पीएम मोदी ने जोड़ा, तनाव एक छोटा सा नहीं बल्कि बहुत ही गहरा एवं बड़ा विषय है जबकि तनाव की प्रतिक्रिया समान हो सकती है, व्यक्तियों द्वारा रिपोर्ट किए गए तनाव के स्रोत अलग-अलग होते हैं। ये अंतर तनाव के कारणों, स्रोतों और परिणामों में देखे जा सकते हैं। ट्रिगर के कारण की परवाह किए बिना प्रत्येक व्यक्ति द्वारा प्राप्त तनाव प्रतिक्रिया समान है। उदाहरण के लिए वैवाहिक तनाव, परीक्षा की चिंता, काम का तनाव आदि शरीर से समान शारीरिक प्रतिक्रियाएं प्राप्त करेंगे। यह मुख्य रूप से एड्रेनो-मेडुलरी सिस्टम के कारण होता है, जो हमारे तंत्रिका तंत्र के अनुकंपी विभाजन का हिस्सा है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में विद्यार्थियों और बच्चों को मानसिक तौर से मुक्त करना एक बहुत अहम कार्य है। कक्षा कार्य, परीक्षा और आकलन के लिए स्पष्ट और यथार्थवादी अपेक्षाएं निर्धारित करें। सहायता प्राप्त करने की रणनीतियों को साझा करें, यदि छात्र अभिभूत महसूस करते हैं तो उनका उपयोग कर सकते हैं। अपने छात्रों को याद दिलाएं कि एक विकास मानसिकता, जहां विफलता को विकास और सीखने के अवसर के रूप में देखा जाता है, माध्यमिक विद्यालय में सफलता का एक प्रमुख पहलू है। अपने छात्रों के साथ व्यावहारिक स्व-प्रबंधन रणनीतियों को साझा करें, जिनका उपयोग वे तनाव और चिंता को प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं, जैसे कि श्वास और सूक्ष्म व्यायाम, सकारात्मक आत्म-चर्चा और कृतज्ञता का अभ्यास। अपने छात्रों को यथार्थवादी और प्राप्त करने योग्य लघु, मध्यम और दीर्घकालिक सीखने के लक्ष्य निर्धारित करने के अवसर प्रदान करें। इस प्रक्रिया में माता-पिता को शामिल करने से उनकी उम्मीदों को उनके बच्चे के साथ संरेखित करने में मदद मिल सकती है। स्कूल के काम और अध्ययन के तनाव के प्रबंधन के बारे में अपने छात्रों के साथ खुली और ईमानदार बातचीत करें। माध्यमिक विद्यालय में समय प्रबंधन, अध्ययन और परीक्षा के दबाव के आसपास प्रभावी संरचनाएं विकसित करना छात्रों के दीर्घकालिक कल्याण में बड़ा अंतर ला सकता है। ज्यादा से ज्यादा नंबर लेने की होड़ में सृजनात्मक शक्ति कमजोर हो सकती है। इसलिए ज्यादा अंकों की अपेक्षा सृजनात्मक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जाना चाहिए।

नागरिक बोध

शरद पवार के पहले भी कई पार्टियो में हुई थी राजकीय लड़ाइयां

राजनैतिक रंगमंच में तरह तरह विचार धारा वाला व्यक्तित्व होता है। कोई व्यक्ति जिस ऐंगल की सोच रखता है, वह सोच पार्टी को नागवार गुजरती है, लेकिन उस व्यक्ति के लिए सही है तो उस व्यक्ति की सोच ही राजकीय दलों में विवाद का कारण बनता है। शरद पवार के पूर्व राजकीय युद्ध हुए थे जिसकी लाइव स्टोरी दुनिया ने देखी थी। शरद पवार की 25 वर्ष की पुरानी पार्टी चाचा भतीजे के बीच अनबन से बिखर गई। दोनों पक्ष अपने हक की लड़ाई के सामाधन को लेकर चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया ।जबकि देश मे यह पहली लड़ाई नही है। इस विवाद के पूर्व भी अनेक पार्टियो में विवाद हुआ है। बिहार में लोकजनशक्ति पार्टी में अधिकार की लड़ाई जून 2021 में सामने आई थी ।रामविलास पासवान की मृत्यु के बाद राजकीय निर्णय पशुपति पारस लेते थे। भाई की मृत्यु के बाद पशुपतिकुमार पारस सक्रिय हूआ। पांच सांसदों को उनके पक्ष में करके भतीजे चिराग पासवान का तख्ता पलट दिया। पशुपति ने पार्टी पर कब्जा कर लिया ।समाजवादी पार्टी के संस्थापक दिवंगत मुलायमसिंह यादव का अपना पुत्र अखिलेश यादव और चाचा शिवपाल के बीच राजकीय लड़ाई में दोनों भाई को पार्टी में से निकाल दिया था। अखिलेश विशेष अधिवेशन में पार्टी के रास्ट्रीय अध्यक्ष बने थे। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल में भी विभाजन हुआ था। पार्टी संरक्षक प्रकाशसिंह बादल के भतीजे मनप्रितसिह बादल ने बगावत कर अलग पीपल्स पार्टी ऑफ पंजाब बनाई थी। सत्ता की महत्वकांक्षा थी। मनप्रितसिह 1995 में पहली बार चुनाव जीते थे। 2007 में बादल सरकार में मंत्री थे। 2010 में अकाली दल से अलग हो गए थे। तमिलनाडु के पूर्व सीएम और द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम डीएमके के मुखिया थे। करुणानिधि की 2018 में मृत्यु के बाद राजकीय विरासत के लिए लड़ाई लग गई थी। इस विवाद में अलागिरी और स्टालिन के बीच बहुत समय तक विवाद छिड़ा रहा। जबकि इस लड़ाई में स्टालिन हमेशा बड़े भाई को दबाने में सफल हुए थे। 2014 में दोनों भाइयों के बीच विवाद छिड़ा था। अलागिरि को पार्टी से निष्कासित कर दिया। उद्धव और राज ठाकरे के विवाद भी बाला साहेब ठाकरे की मृत्यु के बाद दोनों काका भतीजे में बड़ी लड़ाई छिड़ी थी। उत्तराधिकारी की लड़ाई में बहुत समय तक घमासान हुआ था ।जोकि बालासाहेब का सिंहासन उद्धव ठाकरे को मिला। शिवसेना से अलग होकर राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में नवनिर्माण सेना नाम की पार्टी बनाई थी ।जबकि बहुत सफल नही हुए। हरियाणा के चौटाला परिवार में चाचा भतीजे की लड़ाई टॉक ऑफ टाउन बन गई थी ।बहुत दिनों तक वारिस की लड़ाई चली थी। देवीलाल चौटाला की मौत के बाद चौटाला परिवार में अविश्वास का वातावरण खड़ा हो गया था। ओमप्रकाश और अजय जेल में गए थे। इंडियन नेशनल लोकदल की कमान अभय चौटाला को सौंपी थी ।दुष्यंत चौटाला संसद बने थे। पार्टी में दो भाग पड़ने के एक भाग अजय और दूसरा भाग दुष्यंत चौटाला के नाम रखा था। ग्वालियर पर राज करने वाले सिंधिया परिवार में घमासान हुआ था। विजयराज सिंधिया और माधवराज सिंधिया के बीच घरेलू विवाद रास्ट्रीय राजनीति में चर्चा का विषय बना था। राजमाता और राजकुमार के बीच बहुत विवाद हुआ था।

देश दुनीया से

आपका डाटा कितना सुरक्षित, नया विधान साबित हो सकता है महत्वपूर्ण

> भारत आंकड़ों की सुरक्षा के मुद्दे पर यूरोप और अमेरिका से काफी पीछे चल रहा है। डाटा संरक्षण और गोपनीयता पर यूरोप में 2018 से ही कानून लागू है, लेकिन इंटरनेट जिस तेजी से दुनिया बदल रहा है, उससे नया बहुत जल्दी पुराना होता जा रहा है। कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी आधारित भाषा मॉडल के बढ़ते इस्तेमाल से भारत में आ रहे व्यक्तिगत डाटा और निजता सुरक्षा कानून में कई अन्य नए मुद्दों को शामिल किए जाने की आवश्यकता है, क्योंकि इस भाषा मॉडल में मुख्य भूमिका इंटरनेट पर उपलब्ध डाटा की ही है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक को मंजूरी दी है, जिसे सरकार 20 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में कानून की शक्ल दे सकती है। देश में व्यक्तिगत डाटा और निजता की सुरक्षा को लेकर कानून की लंबे समय से मांग को देखते हुए यह अहम कदम होगा। भारत आंकड़ों की सुरक्षा के मुद्दे पर यूरोप और अमेरिका से काफी पीछे चल रहा है। डाटा संरक्षण और गोपनीयता पर यूरोप में 2018 से ही कानून लागू है, लेकिन इंटरनेट जिस तेजी से दुनिया बदल रहा है, उससे नया बहुत जल्दी पुराना होता जा रहा है। कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी आधारित भाषा मॉडल के बढ़ते इस्तेमाल से भारत में आ रहे व्यक्तिगत डाटा और निजता सुरक्षा कानून में कई अन्य नए मुद्दों को शामिल किए जाने की आवश्यकता है, क्योंकि इस भाषा मॉडल में मुख्य भूमिका इंटरनेट पर उपलब्ध डाटा की ही है। ओपन एआई और गूगल के चैटजीपीटी ने आंकड़ों के खेल को दिलचस्प बना दिया है। ध्यान रहे कि भारत इंटरनेट का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। इसी बीच, गूगल ने अपनी गोपनीयता नीति में परिवर्तन किए हैं, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि गूगल हर उस सामग्री को पढ़ने में सक्षम है, जो आपने गूगल के किसी उत्पाद पर पोस्ट की है, और वह सारी सामग्री अब कंपनी की संपत्ति है, और उन सारी सामग्रियों को वह एक चैटबॉट को भी भेज रही है। यह नीति आगे बताती है कि गूगल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का उपयोग एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने और गूगल ट्रांसलेट, बार्ड और क्लाउड एआई क्षमताओं से लैस उत्पादों और सुविधाओं को बेहतर बनाने में कर सकता है। गूगल अपनी निजता नीति को समय-समय पर परिवर्तित करता रहता है। यह वाक्यांश स्पष्ट करता है कि इंटरनेट की दिग्गज कंपनी का एआई सिस्टम अपनी पिछली नीति में संशोधन करते हुए आपके ऑनलाइन पोस्ट किए गए विचारों का उपयोग कर सकता है। यह नया वाक्यांश हमें बताता है कि पिछली नीति में जहां ऑनलाइन पोस्ट की गई सामग्री का उपयोग केवल गूगल अनुवाद, बार्ड और क्लाउड एआई के लिए ही था, लेकिन अब यह उल्लेख किया गया है कि डाटा का उपयोग एआई मॉडल के बजाय भाषा मॉडल के लिए किया जाएगा। गोपनीयता नीति में यह प्रावधान थोड़ा विचित्र है। आमतौर पर ये नीतियां बताती हैं कि कोई कंपनी आपके द्वारा ऑनलाइन पोस्ट किए गए डाटा का उपयोग कैसे करती है। पर इस मामले में ऐसा लगता है कि गूगल को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डाटा को इकट्ठा करने और उसका उपयोग कृत्रिम मेधा परीक्षण क्षेत्र में करने का एकाधिकार मिला हुआ है। यद्यपि नीति कई मामलों को स्पष्ट करती है, लेकिन यह कुछ रोचक सवाल भी उठाती है। जब हम इंटरनेट पर कुछ पोस्ट या लेखन करने के लिए सक्रिय होते हैं, तो हम यह मानकर चलते हैं कि जो कुछ सार्वजनिक रूप से पोस्ट होता है, वही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध भी होता है। लेकिन अब हमें यह भी समझना होगा कि प्रश्न केवल एक सार्वजनिक पोस्ट के बारे में नहीं है, बल्कि यह है कि ऑनलाइन कुछ भी लिखने का क्या अर्थ है। अब यह भी संभव है कि आपके द्वारा दस साल की उम्र में लिखी गई लंबे समय से विस्मृत कर दी कोई पोस्ट या शायद आपके द्वारा की गई किसी रेस्तरां की समीक्षा का इस्तेमाल भी बार्ड और चैट जीपीटी जैसे बड़े एआई मॉडल भाषा मॉडल्स को विकसित करने में कर रहे हों। अब यहां यह प्रश्न उठना भी लाजिमी है कि ये मॉडल अपनी जानकारी कहां से प्राप्त करते हैं। इसका जवाब यह है कि गूगल के बार्ड या ओपनएआई के चैटजीपीटी ने अपनी भाषा मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए इंटरनेट पर ऑनलाईन पोस्ट की गई विशाल सामग्री का इस्तेमाल किया है।

गर्लफ्रेंड को 900 करोड़ की संपत्ति दी: पूर्व इटालियन पीएम ने मौत के वक्त गर्लफ्रेंड को पत्नी बताया, जायदाद 54 हजार करोड़ से अधिक

रोम। इटली के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी 33 साल की गर्लफ्रेंड के लिए 905 करोड़ रुपए की संपत्ति छोड़ी है। 17 साल तक इटली के प्राइम मिनिस्टर रहे सिल्वियो बर्लुस्कोनी का इसी साल 12 जून को निधन हो गया था। उनकी उम्र 86 साल थी। वसीयत में उनकी संपत्ति 6 बिलियन यूरो, यानी 54 हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा आंकी गई है। सिल्वियो बर्लुस्कोनी की गर्लफ्रेंड का नाम फसीना बताया जा रहा है। दोनों का रिश्ता मार्च 2020 में शुरू हुआ था। उनकी शादी नहीं हुई थी, इसके बावजूद अपने अंतिम समय में बर्लुस्कोनी ने फसीना को अपनी पत्नी बताया था।

इटली की सांसद है बर्लुस्कोनी की गर्लफ्रेंड

फसीना, 2018 के आम चुनाव के बाद से इटली की संसद के निचले सदन की सदस्य रही हैं। वो फोर्जा इटालिया पार्टी की सदस्य हैं, जिसकी स्थापना बर्लुस्कोनी ने 1994 में उस वक्त की थी, जब उन्होंने पहली बार राजनीति में प्रवेश किया था। बर्लुस्कोनी के बाद उनके बिजनेस को उनके 5 बच्चों में सबसे बड़े मैरिका और पियर सिल्वियो संभालेंगे। ये दोनों पहले से ही बिजनेस में कार्यकारी भूमिका निभा रहे हैं। परिवार के बिजनेस में इनकी हिस्सेदारी 53 प्रतिशत होगी। मंगलवार को उनकी वसीयत उनके 5 बच्चों के बीच पढ़ी गई थी।

इस्तीफे के लिए मजबूर किए गए थे सिल्वियो बर्लुस्कोनी

2011 में कुर्सी गंवाने के बाद बर्लुस्कोनी के सितारे गर्दिश में आ गए। उन पर सेक्स स्कैंडल्स, करप्शन और टैक्स फ्रॉड के कई आरोप लगते चले गए। इसके बावजूद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बर्लुस्कोनी ने कहा, मुझे सियासत आती है, क्योंकि बतौर मीडिया टायकून मैंने नेताओं को बहुत करीब से समझा है। 1936 में जन्मे बर्लुस्कोनी ने शुरुआत में प्रॉपर्टी डेवलपमेंट से जुड़े काम किए। इसके बाद मीडियासेट नाम से एक ब्रॉडकास्टिंग कंपनी बनाई। एसी मिलान जैसा अरबों डॉलर वाला फुटबॉल क्लब 1986 से 2017 तक उनकी कंपनी ने ही चलाया। 1993 में उन्होंने फोर्जा इटालिया पार्टी बनाई और चंद साल बाद ही प्रधानमंत्री बन गए।

बर्लुस्कोनी तीन बार प्रधानमंत्री रहे। 2001 से 2006 तक जब वो प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने इटली के फाइनेंशियल सेक्टर को यूरोप में सबसे ताकतवर बनाया था। 2008 में वो तीसरी बार प्रधानमंत्री बने।

न्यूज़ ब्रीफ

119 साल पहले लाइब्रेरी से ली गई किताब अब लौटाई गई, 141 साल पुरानी बुक के आखिरी पन्ने पर लिखी हैं खास बातें

मैसाचुसेट्स। अक्सर लोग लाइब्रेरी में किताबें पढ़ने जाते हैं, कई बार वहां से किताबों को इश्यू भी करा लेते हैं। हालांकि इसे रखने की एक समय सीमा भी होती है। तय समय पर इसे न लौटाया जाए तो उस पर हर दिन के हिसाब से विलंब शुल्क भी लगाया जाता है, लेकिन अगर किसी किताब को सालों तक लौटाया ही न जाए। कुछ ऐसा ही अमेरिका की एक लाइब्रेरी में सामने आया है। यहां एक किताब 119 साल बाद लाइब्रेरी में वापस आई है। न्यू बेडफोर्ड फ्री पब्लिक लाइब्रेरी ने इसकी तस्वीरें अपने फेसबुक पेज पर भी साझा की हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विद्युत के विकास लिखी गई जेम्स क्लर्क मैक्सवेल की एन एलीमेंट्री ट्रीटीज ऑन इलेक्ट्रिसिटी को 1904 में 1904 में मैसाचुसेट्स में न्यू बेडफोर्ड फ्री पब्लिक लाइब्रेरी से इश्यू कराया गया था। बता दें कि यह किताब 1882 में यानी आज से लगभग 141 साल पहले प्रकाशित हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह किताब मैसाचुसेट्स से लगभग 900 मील दूर वेस्ट वर्जीनिया में एक दान संग्रह तक पहुंच गई। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज में दुर्लभ पुस्तकों के क्यूरेटर स्टीवर्ड प्लेन ने सदियों पुरानी इस किताब को वैरिटी बिन से निकाला। उन्होंने पाया कि किताब पर अभी भी विंड्रा का स्टीकर बरकरार था। उस स्टीकर का तात्पर्य था कि किताब अभी भी लाइब्रेरी की संपत्ति है। इसके बाद प्लेन ने मेल द्वारा न्यू बेडफोर्ड फ्री पब्लिक लाइब्रेरी को किताब वापस भेज दी। न्यू बेडफोर्ड फ्री पब्लिक लाइब्रेरी ने अपने फेसबुक पेज पर लौटाई गई किताब की तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही यह भी लिखा कि लाइब्रेरी की किसी ओवरड्यू किताब को लौटाने में कभी देर नहीं होती! आज, वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के रेयर बुक्स क्यूरेटर को उनके दान में हमारे विशेष संग्रह की किताबों में से एक मिली।

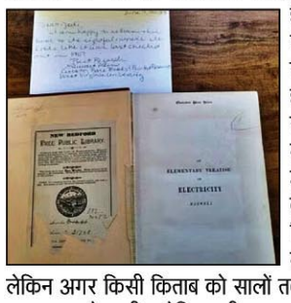

लिथुआनिया में होगी नाटो की एकजुटता की अग्निपरीक्षा, यूक्रेन की सदस्यता सबसे बड़ी चुनौती

वाशिंगटन। रूस-यूक्रेन में युद्ध के बीच लिथुआनिया की राजधानी विनियस में 11-12 जुलाई को होने वाले नाटो के शिखर सम्मेलन में संगठन की एकजुटता की अग्निपरीक्षा होगी। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सामने सबसे बड़ी चुनौती यूक्रेन की सदस्यता होगी, जिसका उसे पिछले साल भरोसा भी दिया गया था। यूक्रेन की सदस्यता का मुद्दा नाटो सदस्यों के बीच दरार की वजह भी बन सकता है। कुछ सदस्यों का मानना है कि यूक्रेन को नाटो की सदस्यता दी जानी चाहिए। यह पूर्वी यूरोप में रूसी आक्रामकता को रोकने के लिए भी जरूरी है। हालांकि, कुछ सदस्य इस बात से आशंकित हैं कि इससे युद्ध की ज्वाला और व्यापक हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन का कहना है कि सम्मेलन में कोशिश होनी चाहिए कि यूक्रेन को नाटो में शामिल कराने पर सदस्य देश ज्यादा ध्यान दें। दुनिया के सबसे बड़े सुरक्षा गठबंधन नाटो को 32वें सदस्य के रूप में स्वीडन को शामिल करने के लिए सहमति तक पहुंचने में भी संघर्ष करना पड़ रहा है।

पाकिस्तान में भारी बारिश से 76 की मौत: पंजाब में 30 साल का रिकॉर्ड टूटा; लाहौर में सड़क पर खड़ी गाड़ियां डूबी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में तेज बारिश और खराब मौसम के चलते 76 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 133 लोग घायल हैं। मरने वालों में 31 बच्चे भी शामिल हैं। 9 लोगों की मौत पिछले 24 घंटे के भीतर हुई है। बारिश की वजह से 78 घर भी तबाह हुए हैं। वहां की नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने ये जानकारी दी है। बारिश का सबसे ज्यादा असर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत पर पड़ा है, जहां 48 लोगों की मौत हुई है। वहां बारिश ने पिछले 30 साल का रिकॉर्ड भी तोड़ा है, एक दिन में 291 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। वहीं लाहौर में 6 जुलाई को आई बारिश में सड़क पर खड़ी गाड़ियां तक डूब गई। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को लैंड स्लाइड के चलते क्रिकेट खेल रहे 8 बच्चों की मौत हो गई। यहां तेज बारिश से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 20 हो चुकी है। ये बारिश से दूसरा सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका बताया जा रहा है। लोगों की ढहती हुई इमारतों की चपेट में आने और बिजली गिरने से भी जान जा रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक पाकिस्तान में क्लाइमेट चेंज की वजह से मौसमी बारिश तेज होती जा रही है। पिछले साल बारिश के मौसम में आई बाढ़ से पाकिस्तान में 1700 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 33 लाख लोगों की जिंदगी पर इसका असर पड़ा था।

इस महीने भारत आएंगे श्रीलंका के राष्ट्रपति

2 दिन के दौरे पर 21 जुलाई को नई दिल्ली पहुंचेंगे विक्रमसिंघे, पीएम मोदी से मुलाकात होगी

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे दो दिन की ऑफिशियल विजिट पर भारत आ रहे हैं। रानिल 21 जुलाई को नई दिल्ली पहुंचेंगे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। श्रीलंकाई मीडिया के मुताबिक- इस विजिट के दौरान कई अहम मुद्दों पर बातचीत होगी। खास तौर पर समुद्री सुरक्षा से जुड़े मामले डिस्कस किए जा सकते हैं। इसके अलावा उन प्रोजेक्ट्स की समीक्षा भी की जाएगी जो श्रीलंका में भारत सरकार चला रहा है।

पहली भारत यात्रा

पिछले साल श्रीलंका में सिविल वॉर जैसे हालात बन गए थे और जनता ने राजपक्षे ब्रदर्स की सरकार को उखाड़ फेंका था। इसके बाद रानिल विक्रमसिंघे ने देश की कमान संभाली थी। दरअसल, रानिल सिर्फ गोटबाया राजपक्षे का बचा हुआ टेन्योर पूरा करने तक ही राष्ट्रपति रहेंगे। यह कार्यकाल सितंबर 2024 तक है। भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा अगले हफ्ते कोलंबो जा रहे हैं। इस विजिट के दौरान विक्रमसिंघे की भारत यात्रा से जुड़ी तमाम तैयारियां पूरी की जाएंगी। श्रीलंकाई अखबार 'द डेली मिरर' के मुताबिक- रानिल की यह विजिट श्रीलंका के लिए काफी फायदेमंद हो सकती है। दिवालिया होने के बाद अगर इस देश की सबसे ज्यादा किसी ने मदद की थी तो वो भारत था और श्रीलंकाई सरकार इस बात तो पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर कई बार दोहरा चुकी है। दरअसल, श्रीलंका में भारत की मदद से करोड़ों रुपए के वेलफेयर प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं। श्रीलंकाई राष्ट्रपति और मोदी मिलकर इनकी समीक्षा करेंगे। कुछ प्रोजेक्ट ऐसे हैं, जो पूरे हो चुके हैं। पॉवर और एनर्जी, एग्रीकल्चर और नेवल डिफेंस से जुड़े मामले सबसे ज्यादा अहम हैं। माना जा रहा है ये वो मुद्दा है जिस पर भारत और श्रीलंका मिलकर काम कर सकते हैं और यहां चीन भी मौजूद है। श्रीलंका में चीन की दखलंदाजी हालिया साल में काफी बढ़ी है और भारत की इस पर नजर है।

अब सुधार पर श्रीलंका की इकोनॉमी

श्रीलंका पिछले साल दिवालिया हुआ था। इसके बाद भारत, अमेरिका और जापान ने उसकी सबसे ज्यादा मदद की थी। खास तौर पर भारत ने। श्रीलंका के कई नेता और रानिल सरकार के मंत्री वर्ल्ड स्टेज पर यह बात कई बार कह चुके हैं। पिछले दिनों श्रीलंका की एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत की मदद के चलते ही श्रीलंका अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से बाहर आ सका है। अब श्रीलंकाई इकोनॉमी तेजी से रिकवरी कर रही है, हालांकि पहले जैसे हालात बनने में अब भी कुछ साल लग सकते हैं। इकोनॉमी बेहतर बनाने के लिए रानिल सरकार ने कई सख्त कदम उठाए हैं। भारत की वजह से श्रीलंका को आईएमएफ ने बहुत तेजी से बेलआउट पैकेज रिलीज किया था। आईएमएफ के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर केन्जी ओकामुरा ने पिछले महीने कोलंबो दौरा किया था और इस दौरान कहा था कि श्रीलंकाई इकोनॉमी बहुत तेजी से रिकवर कर रही है। एक और जहां पाकिस्तान को आईएमएफ का पैकेज हासिल करने में 9 महीने लगे थे, वहीं श्रीलंका को इसमें कतई परेशानी नहीं हुई। आईएमएफ ने उसे 2.9 अरब डॉलर का पैकेज मार्च में ही दे दिया था। इतना ही नहीं इस लोन को चुकाने के लिए 4 साल का लंबा वक्त भी दिया और गरीब लोगों के लिए सब्सिडी पर भी रोक नहीं लगाई। इतने ही पैसे के लिए पाकिस्तान को बेहद सख्त शर्तें दी गई हैं।

श्रीलंका का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होगा

कुछ दिन पहले विक्रमसिंघे ने कहा था कि उनके देश का इस्तेमाल कभी भारत के खिलाफ नहीं किया जा सकेगा। रानिल ने कहा था- इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि हम चीन से कभी मिलिट्री एग्रीमेंट नहीं करेंगे। चीन और श्रीलंका के रिश्ते मजबूत हैं, लेकिन हम ये भी साफ कर देना चाहते हैं कि हमारे देश में चीन का कोई मिलिट्री बेस नहीं है और न होगा। हम एक न्यूट्रल देश हैं।

पिछले साल की थी 4 बिलियन डॉलर की मदद

पिछले साल श्रीलंका ने अपने इतिहास के सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना किया था। तब भारत ने श्रीलंका की 4 बिलियन डॉलर से ज्यादा की आर्थिक मदद की थी। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने इस मदद के लिए भारत को धन्यवाद दिया था। साबरी ने कहा था कि भारत की मदद से ही श्रीलंका थोड़ा-बहुत वित्तीय संतुलन हासिल कर पाया था। 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने टैक्स में कटौती का लोकलुभावन दांव खेला, लेकिन इससे श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा। एक अनुमान के मुताबिक, इससे श्रीलंका की टैक्स से कमाई में 30प्रतिशत तक कमी आई, यानी सरकारी खजाना खाली होने लगा। 1990 में श्रीलंका की जीडीपी में टैक्स से कमाई का हिस्सा 20प्रतिशत था, जो 2020 में घटकर महज 10प्रतिशत रह गया।

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री देउबा के घर तक पहुंची फर्जी भूटानी शरणार्थी घोटाले की आंच

काठमांडो। यह ऑडियो क्लिप कुछ समय पहले सामने आया था। तब राना ने पुलिस में केस दर्ज करवा कर दावा किया था कि यह फर्जी ऑडियो है। लेकिन जांच के बाद अब पुलिस ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि इस ऑडियो में संदेश शर्मा की आवाज है, जो फर्जी शरणार्थी घोटाले में अभियुक्त है। इस ऑडियो में अपने को संदेश शर्मा बताने वाले व्यक्ति यह कहते सुना गया है कि उसने आरजू राना को ढाई करोड़ (नेपाली) रुपये दिए। उसने यह भी कहा है कि छह करोड़ रुपये उसने पूर्व गृह मंत्री बाल कृष्ण खांड की पत्नी को दिए। शर्मा अभी न्यायिक हिरासत में हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक कुबेर खड़ायत ने रविवार को यह अधिसूचित किया कि ऑडियो में मौजूद आवाज 34 वर्षीय शर्मा से मेल खाती है। शर्मा पर धोखाधड़ी और संगठित अपराध का अभियोग लगाया गया है। फर्जी भूटानी शरणार्थी घोटाले में नेपाली नागरिकों को भूटानी शरणार्थी बता कर फर्जी दस्तावेज बनाए गए थे, ताकि उन्हें पश्चिमी देशों में भेजा सके। पूर्व पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अगर ऑडियो में शर्मा की आवाज होने की पुष्टि हो गई है, तो पुलिस को आरजू राना से अवश्य पूछताछ करनी चाहिए। पूर्व उप पुलिस महानिरीक्षक हेमंत मल्ला ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा- 'अब पुलिस जांच के जरिए यह तय करना अनिवार्य हो गया है कि क्या राना इस घोटाले में शामिल थीं।' जब पहली बार यह ऑडियो सामने आया था, तब कई हलकों से यह मांग उठी थी कि राना से पूछताछ की जाए। लेकिन पुलिस ने उनका बयान दर्ज नहीं किया। इस घोटाले के खुलासे के बाद पुलिस ने 30 लोगों के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू की थी। उनमें पूर्व उप प्रधानमंत्री टोप बहादुर रायमांझी और पूर्व गृह मंत्री खांड शामिल हैं। नेपाल के अटार्नी जनरल ने कहा है कि सभी 30 अभियुक्तों पर मुकदमा चलाया जाएगा। उन पर देशद्रोह, संगठित अपराध, धोखाधड़ी और फर्जीवाड़ा करने के इल्जाम लगाए गए हैं। 30 आरोपियों में से 18 को गिरफ्तार किया जा चुका है। बीते 16 जून को उनमें से 16 को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उनमें रायमांझी और खांड भी शामिल हैं। इन सब पर आरोप है कि वे नेपाली नागरिकों को भूटानी शरणार्थी बता कर विदेश भेजने के फर्जीवाड़े में शामिल हुए। विदेश जाने के इच्छुक नेपालियों से डेढ़ लाख से लेकर 48 लाख रुपये तक वसूले गए।

दुनिया को अलग नजरिये से देखते हैं अकेले रहने वाले लोग, अध्ययन के आधार पर निकला निष्कर्ष

कैलिफोर्निया। अकेले रहने वाले लोग दुनिया को अलग नजरिये से देखते हैं। वह अकेले न रहने वाले लोगों की तुलना में कम भावनात्मक ढंग से सोचते हैं। इतना ही नहीं ऐसे लोगों के दिमाग के काम करने का तरीका आपस में भी अलग-अलग होता है। हाल में मस्तिष्क पर हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। इसमें अकेलेपन से संबंधित कुछ भ्रांतियां भी मिली हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए अध्ययन में 66 युवाओं के न्यूरोइमेजिंग परीक्षण (दिमागी संरचना की छाप) में अकेले रहने वाले लोगों के साथियों की तुलना में उनके दिमाग का काम करने के तरीका बहुत ही अलग पाया गया है। साइकोलॉजिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में अकेले लोगों और उनके दूसरे साथियों के बीच तंत्रिका प्रतिक्रियाओं का अंतर डिफॉल्ट मोड नेटवर्क (मन भटकने के क्षेत्रों) में स्पष्ट तौर पर दिखाई दिया।

हर अकेले रहने वाले व्यक्ति का व्यक्तित्व भी अलग

मनोवैज्ञानिक एलिसा बेयक के मुताबिक, यह वाकई चौंकाने वाली बात है कि अकेले रहने वाले लोग भी एक दूसरे से काफी अलग पाए गए। अकेलापन कोई दुर्लभ या कुछ लोगों को ही होने वाला अहसास नहीं है। सभी इन्सानों में यह

एक ऐसी भावनात्मक अवस्था है जब व्यक्ति की इच्छाओं और वास्तविक संबंधों में अंतर आ जाता है।

खास एमआरआई तकनीक का इस्तेमाल

शोधकर्ताओं ने 18 से 21 साल की उम्र की बीच के कॉलेज के पहले साल के 66 छात्रों पर विशेष एमआरआई तकनीक का इस्तेमाल किया। उन्होंने छात्रों को 14 वीडियो क्लिप दिखाते हुए उनके मस्तिष्क की गतिविधियों की फंक्शनल मैग्नेटिक रेजोनेन्स इमेजिंग लेकर उसका अध्ययन किया। वीडियो में ऐसी विषयवस्तु थी जिससे उनके दिमाग को भटकने का कम से कम अवसर मिले। इनमें भावात्मक संगीत वीडियो से लेकर पार्टी और खेल की गतिविधियां थीं।

अमेरिका की स्ट्राइक में मारा गया आईएसआईएल लीडर ओसामा अल-मुजाहिर: दावा- एमक्यू-9 ड्रोन का रूसी जेट ने रास्ता रोका उसी से अटैक किया

दमास्कस। अमेरिकी सेना ने रविवार को दावा किया है कि पूर्वी सीरिया में एक टारगेट पर की गई स्ट्राइक में इस्लामिक स्टेट का लीडर ओसामा अल-मुहाजिर मारा गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक स्ट्रेंटल कमांड ने बयान जारी कर बताया है कि इस ऑपरेशन को एमक्यू-9 ड्रोन से अंजाम दिया गया था।

बताया 2019 में हुई हार के बावजूद आईएसआईएल न सिर्फ सीरिया बल्कि आस-पास के देशों के लिए भी बड़ा खतरा है। इस ऑपरेशन में कोई आम नागरिक नहीं मारा गया है। अमेरिकी सेना ने यह भी दावा किया है कि आईएसआईएल लीडर पर अटैक के लिए उसी ड्रोन का इस्तेमाल किया गया जिसका रूसी जेट ने रास्ता रोका था।

रूस के सुखोई ने अमेरिकी ड्रोन की तरफ दागे थे फ्लेयर्स

सीरिया में बुधवार यानी 5 जुलाई को अमेरिका ने दावा किया था कि रूस के 3 लड़ाकू विमानों ने उनके 3 ड्रोन्स का रास्ता रोक दिया। अमेरिकी एयरफोर्स के मुताबिक, रूस के सुखोई-35 फाइटर जेट्स ने ड्रोन्स के सामने पैराशूट से फ्लेयर्स दागने शुरू कर दिए, जिससे उनका फ्रंट व्यू ब्लॉक होने लगा था। इसके बाद उन्हें अपना रास्ता बदलना पड़ा। अमेरिका ने कहा है कि उनके ड्रोन्स सीरिया में आईएसआईएल के ठिकानों की निगरानी कर रहे थे। सेंट्रल कमांड ने घटना का एक वीडियो भी रिलीज किया था। इसे ड्रोन के अंदर से रिकॉर्ड किया गया था। वीडियो में नजर आ रहा है कि कैसे रूसी फाइटर जेट्स अमेरिका के ड्रोन्स के बेहद पास उड़ान भर रहे हैं।

कितना पुराना है अमेरिकी ड्रोन जिसे भारत ने भी खरीदा...

अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक एयरोनॉटिकल के मुताबिक 2001 में ड्रोन ने पहली बार उड़ान भरी थी। इस ड्रोन का अपडेटेड वर्जन ही है। 2000 के बाद अमेरिकी सेना को चालक रहित एक ऐसे एयरक्राफ्ट की जरूरत हुई, जिसे रिमोट से कंट्रोल किया जा सके।

इसी के फलस्वरूप बना था। यह लगातार 27 घंटे तक उड़ान भर सकता था। इसके बाद इसी ड्रोन का अपडेटेड वर्जन बना। मई 2021 तक अमेरिका के पास 300 से ज्यादा ऐसे ड्रोन थे। पीएम नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे पर दोनों देशों के बीच हुई डील के मुताबिक भारत को तीन बिलियन डॉलर में 30 ड्रोन मिलेंगे। आर्मी, एयरफोर्स को 8-8 और नेवी को 14 ड्रोन मिलेंगे।

तैनात अमेरिका की 900 फोर्स

सीरिया में अमेरिका और रूस दोनों की आर्मी अक्सर ऑपरेशन चलाती रहती हैं। अमेरिका की करीब 900 फोर्सेस सीरिया में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों से लड़ने के लिए, कुर्द नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्स के साथ काम करने के लिए, तैनात हैं। वहीं रूस की सेना सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थन में वहां मौजूद है।

करप्ट और निकम्मे हैं बाइडेन

ट्रम्प बोले- चीन और यूक्रेन की मदद करते हैं हमारे प्रेसिडेंट, अमेरिका अब तेजी से पिछड़ रहा है

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जो बाइडेन को कई लिहाज से अयोग्य करार दिया है। ट्रम्प के मुताबिक- बाइडेन जब से प्रेसिडेंट बने हैं, तब से अमेरिका हर मामले में तेजी से पिछड़ रहा है और बाइडेन इसे संभालने में नाकाम साबित हुए हैं। बाइडेन और करप्शन अलग-अलग बातें नहीं हैं।

तीन दिन पहले ट्रम्प ने कहा था कि व्हाइट हाउस में जो कोकीन बरामद हुई थी, उसका इस्तेमाल जो बाइडेन और उनके बेटे हंटर ने किया होगा। ट्रम्प ने मीडिया पर भी तंज किया। कहा- आप देखेंगे कि फेक न्यूज मीडिया इस मामले को दबा देगा। वो कहेगा कि जो पॉवडर मिला वो बहुत कम था और ये कोकीन भी नहीं था।

चीन और यूक्रेन की मदद करते हैं बाइडेन - रिपब्लिकन पार्टी के एक प्रोग्राम के लिए लास वेगास रवाना होने से पहले ट्रम्प ने इलेक्शन के बारे में ज्यादा बात नहीं की। वो खुद 2024 में प्रेसिडेंशियल इलेक्शन में उतरने का ऐलान कर चुके हैं। ट्रम्प ने कहा- चीन और यूक्रेन को बाइडेन की तरफ से मदद मिल रही है। वो उनसे हर मामले में कॉम्प्रोमाइज करते हैं। हम अब तक इस मामले में ज्यादा नहीं बोले, लेकिन अब मुकाबला खुलकर होगा, क्योंकि रिपब्लिकन पार्टी मैदान में उतर चुकी है। मेरा आरोप है कि बाइडेन ने चीन से 10 करोड़ डॉलर लिए हैं। इसलिए मैं कहता हूं कि हमारा प्रेसिडेंट करप्ट और निकम्मा है और ये बदकिस्मती है कि वो अब भी व्हाइट हाउस में है। अपनी ही पार्टी के नेता डेसेंटिस से मिल रही चुनौती पर ट्रम्प ने तंज कसा। कहा- मीडिया उन्हें क्यों तवज्जो दे रहा है वो और उनकी बातों को फिजूल ही बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है।

मेरे खिलाफ सियासी साजिश - ट्रम्प के खिलाफ करीब 37 मामले अदालत में हैं। पिछले महीने वो मियामी की एक कोर्ट में भी पेश हुए थे। इस बारे में ट्रम्प ने कहा- मुझे बलि का बकरा बनाने की कोशिश की जा रही है। मेरे खिलाफ जितने भी मामले हैं, वो सब सियासत की वजह से दर्ज हुए हैं। इसलिए मैं कह रहा हूं कि अमेरिका अब तेजी से पिछड़ रहा है, क्योंकि सच्चाई को दबाया जा रहा है।

ट्रम्प का बाइडेन और बेटे पर तंज - 2024 में एक बार फिर प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बनने की कोशिश में जुटे ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में कोकीन मिलने की घटना पर पहली बार पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर रिएक्शन दिया था। रिपब्लिकन लीडर ट्रम्प ने कहा था- क्या कोई इस बात पर यकीन करेगा कि व्हाइट हाउस की वेस्ट विंग में कोकीन जैसा ड्रग भी मिल सकता है वेस्ट विंग और बाइडेन का ओवल ऑफिस बेहद करीब हैं और इनका इस्तेमाल सिर्फ प्रेसिडेंट बाइडेन और उनका बेटा हंटर करते हैं। ट्रम्प ने आगे कहा- लेकिन आप देखेंगे कि फेक न्यूज मीडिया बहुत जल्द इस मामले को दबाने की साजिश रचेगा। वो कहेगा- जो पॉवडर मिला वो बेहद कम था और वो कोकीन भी नहीं था। और इस तरह मामला दबाने के साथ ही सच्चाई भी दबा दी जाएगी।

शक हंटर बाइडेन पर क्यों - 2 जुलाई को व्हाइट हाउस में कोकीन मिलने के बाद सोशल मीडिया पर काफी कमेंट्स आ रहे हैं। ज्यादातर लोग कह रहे हैं कि इस कोकीन का इस्तेमाल प्रेसिडेंट बाइडेन के बेटे हंटर ने ही किया होगा या करने के लिए रखा होगा। हंटर अपने मेमोयर (संस्मरण) 'ब्यूटीफुल थिंग्स' में खुलासा कर चुके हैं कि 2015 में छोटे भाई बीयू की मौत के बाद उन्हें कोकीन की लत लग चुकी थी और बाद में उन्हें एक साल तक इस लत को छोड़ने के लिए इलाज कराना पड़ा। अमेरिकी मीडिया में हंटर के कई फोटोज, टेक्स्ट मैसेज और दूसरे कम्युनिकेशन मौजूद हैं, जिनसे पता लगता है कि वो कोकीन लेते रहे हैं। उनके एक लैपटॉप की जांच इंटेलिजेंस एजेंसियां कर चुकी हैं। हाल ही में 2018 का एक फोटो वायरल हुआ था।

समाज में बढ़ता नशा और भ्रष्टाचार दोनों ही चिंता का विषय : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। भ्रष्टाचार तथा नशे के विरोध में बनने वाली शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म द पे ऑफ (कर्मों का फल) का शुभ मुहूर्त का शिक्षा मंत्री कंवर पाल, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा तथा नगर निगम के मेयर मदन चौहान ने फिल्म का शुभारंभ किया। सोमवार को मॉडल टाउन स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में भारी बारिश के बीच शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने नारियल फोड़ कर भगवान श्रीगणेश का भोग लगाया। उन्होंने इस फिल्म के लिए निर्माता अमित मनकट तथा निर्देशक आशु वर्मा को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर शिक्षा मंत्री पाल ने कहा कि आज के इस युग में यह फिल्म लोगों को नशे के विरुद्ध एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करने में जागरूक करेंगी। समाज में भ्रष्टाचार एवं नशा बढ़ना दोनों ही चिंता का विषय हैं। सरकार तो अपने स्तर पर इन पर अंकुश लगाने का प्रयास कर ही रही है तथा यदि एनजीओ भी इस दिशा में कोई फिल्म बना कर लोगों को जागरूक करते हैं यह और भी अधिक सराहनीय कार्य है। विधायक घनश्यामदास अरोड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, नगर निगम मेयर मदन चौहान का कहना था कि फिल्म समाज का आईना होती है और फिल्म के माध्यम से समाज किसी भी बुराई के प्रति जागरूक होता है। फिल्म से जुड़े अमित कुमार, आशु, गुरुजी, सुरेश गर्ग, गौरव भंडारी तथा अन्य का कहना था कि इस फिल्म के माध्यम से जिले के भी कई कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। इस फिल्म को लेकर जिले व प्रदेश की जनता भी उत्साहित है। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस फिल्म में बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार रजा मुराद, शाहबाज खान, तरसेम सिंह, पुलिस के वास्तविक अधिकारी एवं अन्य कलाकार अपनी दिखेंगे।

सचिन पायलट मुख्यमंत्री नहीं तो कांग्रेस को वोट नहीं : सांसद नागर

उदयपुर (हिंस)। एक ओर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच दूरियां घटने की खबरें सुर्खियां बन रही हैं, लेकिन गुर्जर समाज ने फिर से सचिन पायलट के पक्ष में ताल ठोकना शुरू कर दी है। सोमवार को उदयपुर प्रवास पर आए पार्लियामेंट्री स्टेंडिंग कमेटी लॉ एंड जस्टिस के सदस्य यूपी के बिजनौर से सांसद मलूक नागर ने कहा है कि अगर सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो समाज कांग्रेस को वोट नहीं करेगा। बहुजन समाजवादी पार्टी से आने वाले मलूक नागर ने उदयपुर में गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों की बैठक ली और विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चा की। इस दौरान मीडिया से संक्षिप्त चर्चा में उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि 2018 में कांग्रेस ने सचिन पायलट के चेहरे

पर चुनाव लड़ा, जब पार्टी चुनाव जीत गई, तब धोखा करते हुए गहलोत को मुख्यमंत्री बना दिया गया। इस दौरान तीन बार पायलट को सीएम बनाने की मांग उठी, लेकिन हर बार दबाया गया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर समाज को एकजुट किया जा रहा है।

सीईटी को लेकर यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा यूथ कांग्रेस ने सीईटी क्वालिफाई करवाने को लेकर लोकसभा स्तर पर सोमवार को सोनीपत लोकसभा से शुरुआत की है। यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा के साथ कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और बेरोजगार युवाओं के साथ लघु सचिवालय नजदीक हनुमान मंदिर के पास धरना-प्रदर्शन किया। इसके उपरांत उन्होंने ज्ञापन सौंपा। दिव्यांशु बुद्धिराजा ने कहा कि सरकार की अक्षमता, गलत पॉलिसी व हठधर्मिता के कारण बेरोजगार युवाओं का नौकरी पाने का सपना टूट रहा है। राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में सीएम आवास करनाल का घेराव कर चुकी है। यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा ने कहा कि लगभग तीन साल पहले सरकार ने सीईटी के माध्यम से नौजवानों को रोजगार दिलाने का सपना दिखाया था,

जोकि आज तक सपना ही बना हुआ है। परीक्षा पास करने के बाव युवाओं को भर्ती परीक्षा में बैठने से वंचित किया गया। 7 ग्रुप और 14 श्रेणियों के शारीरिक माप परीक्षण लिस्ट में सामने आया। आर्थिक सामाजिक आधार, ईडब्ल्यूएस, ईएसएम सहित अन्य श्रेणियों के परिणाम में गड़बड़ी मिली है। गठबंधन सरकार द्वारा कुंवारों को पेंशन देने के फैसला विरोध जताया है। दिव्यांशु ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल के ब्यान पर कहा कि कुंवारों का सम्मान पेंशन से नहीं बल्कि रोजगार से बढ़ेगा। सरकार द्वारा कुंवारों को रोजगार देने की योजना तैयार करनी चाहिए। पूर्व सांसद चौधरी धर्मपाल सिंह मलिक, बरोदा से विधायक इंदुराज नरवाल, पूर्व विधायक पद्म सिंह दहिया, सुरेंद्र शर्मा, अनूप मलिक, निखिल मदान, सुरेंद्र दहिया, ललित पंवार, पवन प्रधान, अमन दहिया, अभय दहिया, रवि दहिया आदि शामिल रहे।

लुधियाना में एमएलए व सरकार पर फूटा लोगों का गुस्सा

जालंधर। लुधियाना में बारिश से बेहाल लोगों ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों और राज्य सरकार पर जमकर गुस्सा निकाला। लुधियाना शहर के गिल विधानसभा क्षेत्र के तहत आते भोलेवाल जदीद और रजापुर गांवों के लोगों ने लोकल आप के विधायक जीवन सिंह संगोवाल और राज्य सरकार को जमकर कोसा। लोगों ने कहा कि सतलुज दरिया में पानी लगातार बढ़ रहा है। वह घर-बार छोड़कर 24 घंटे से जानवरों के साथ भूखे-प्यासे सड़क पर खुले आसमान के नीचे बैठे हैं लेकिन उनकी सार लेने के लिए न तो उनका विधायक आया और न ही प्रशासन का कोई अधिकारी। लोगों का आरोप है कि बरसात में सिर ढकने के लिए प्रशासन ने उन्हें तिरपाल और टैंट तक उपलब्ध नहीं करवाए। बारिश

में भीग रहे लोगों ने विधायक और सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। उन्होंने कहा कि आप विधायक संगोवाल की गाड़ियां उनके पास से गुजर गई लेकिन उन्होंने यहां रुककर उनसे बातचीत करना भी जरूरी नहीं समझा। संगोवाल और रजा पुर के लोगों ने कहा कि अचानक पानी बढ़ने से उनके घरों में पानी आ गया। घर पानी में डूब गए। लोगों के घरों का सामान गैस सिलेंडर तक पानी में बह गए। वह जैसे-तैसे कर अपने बड़े बुजुर्गों को और पशुओं को साथ लेकर सड़क तक सुरक्षित पहुंचे हैं। लोगों का कहना है कि न तो उनके पास खाने पीने का सामान है और न ही जानवरों के लिए उनके पास चारा है। गांव के लोगों का कहना है कि वह अपने घरों को छोड़कर कहीं दूसरी जगह जाना नहीं चाहते। गांव रजा पुर के लोगों ने भी जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों के मुताबिक जानवरों के लिए खाने का सामान तक प्रशासन ने मुहैया नही करवाया। बरसात से बचने के लिए उन्हें तिरपाल तक नहीं मिल रही। प्रत्येक घर का 50 हजार से अधिक का नुकसान हो चुका है। गांव निवासी छिंदा ने कहा के रात 3 बजे गांव पानी में डूब गया। गांव में करीब 50 घर हैं जो इस समय बेघर हो चुके हैं।

चुनाव अभी दूर, माकपा ने घोषित करने शुरू किए उम्मीदवार

उदयपुर (हिंस)। अभी विधानसभा चुनाव में काफी समय है। आचार संहिता में भी अभी समय है, किंतु माकपा ने उम्मीदवारों की घोषणा शुरू कर दी है। उदयपुर जिले में माकपा ने झाडोल विधानसभा सीट के लिए किसान नेता प्रभुलाल भगोरा को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। माकपा जिला सचिव राजेश सिंघवी ने बताया

कि माकपा उदयपुर जिला सचिव मंडल की दल्लाराम की अध्यक्षता में रविवार को शिराली भवन में हुई बैठक में यह निर्णय किया गया। सिंघवी ने बताया कि प्रभुलाल भगोरा 40 वर्ष से माकपा के कार्यकर्ता हो वर्तमान में अखिल भारतीय किसान सभा के जिला सचिव एवं झाड़ोल तहसील माकपा के सचिव हैं। बैठक में झाड़ोल विधानसभा की सभी 288 बूथ कमेटियों का गठन करने का निर्णय लिया गया। अगस्त महीने के पहले सप्ताह में फलासिया में आम सभा से माकपा अपना चुनावी अभियान शुरू करेगी। आम सभा को माकपा पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात, राज्य सचिव अमराराम, राज्य सचिव मंडल सदस्य दुलीचंद संबोधित करेंगे।

तीन नदियां ओवरफ्लो और नहर टूटने से बिगड़े हालात

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले में बाढ़ जैसे हालात बने हैं। लोग घरों में कैद हो गए हैं। कुछ इलाकों में मकान की छत तक पानी पहुंच गया है, जहां से लोगों को रेस्क्यू करके बाहर निकाला जा रहा है। अंबाला डूबने की कगार पर पहुंच गया है। क्योंकि 3 नदियों का पानी (घग्गर नदी, टांगरी और मारकंडा नदी) ओवरफ्लो हो गया है। इसके साथ नहर टूटने से भी जिले में हालात बिगड़े हैं। अंबाला में बाढ़ जैसे हालात होने पर विपक्ष और जनता शासन-प्रशासन को कोस रही है। लोगों का कहना है कि अगर समय पर उचित कदम उठा लेते तो शायद ऐसी नौबत नहीं आती। इस बीच स्थानीय विधायक असीम गोयल के गुमशुदगी की पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

गंदा पानी निकासी नहीं होने से परेशान लोगों ने प्रदर्शन कर जाम लगाया

सोनीपत (हिंस)। सुंदर सांवरी वासी चार महीने से सीवर के गंदे पानी की निकासी न होने से परेशान होकर सैंक ?ों महिला-पुरुषों सोमवार को पुरखास रोड शनि मंदिर के सामने जाम लगाया प्रदर्शन किया। वाहनों की लम्बी कतारें लग गई और गीता भवन चौक तक ट्रैफिक जाम हो गया। पुलिस कर्मियों ने जब रास्ता खुलवाने का प्रयास किया तो प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प हो गई। सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन पार्षद हरि सैनी के साथ मौके पर पहुंचे, प्रदर्शनकारियों ने उनको भी घेर लिया बोले कि हम चार महीने से परेशान हैं और पीने का पानी गन्दा आ रहा है। बस्ती के रहने वाले पानी पीकर बीमार हो रहे हैं। कॉलोनी में नई सीवर लाइन डाल थी। लंबे समय से कनेक्शन मेन लाइन में नहीं किया गया, पानी की निकासी के लिए लगाया गया ट्रैक्टर बीच बीच में आता नहीं है। दो फुट सीवर का पानी गली में खड़ा है। दोनों नेताओं ने नगर निगम के एसडीओ सुरेश लोहान तथा जेई विकास को मौके पर बुलाया और ट्रैक्टर वाली मोटर लगावाई और सीवर की कनेक्शन आज ही करने का आग्रह किया।

गाजियाबाद में धर्म परिवर्तन के मामले में गिरफ्तार

पलवल (हिंस)। गाजियाबाद में हिंदू युवती के धर्म परिवर्तन मामले में गिरफ्तार 33 वर्षीय अब्दुल्ला अहमद उर्फ सौरभ खुराना पलवल जिले का निवासी है। हमारी टीम सौरभ के घर तक पहुंची और उसके पिता पुष्पेंद्र खुराना से बात की तो सौरभ के हिंदू से मुस्लिम बनने की कहानी पता चली। पिता ने सौरभ को बेदखल कर रखा है, लेकिन उन्होंने उसके बारे में खुलकर बात की। न्यू कॉलोनी निवासी पुष्पेंद्र खुराना ने सोमवार को बताया कि उन्हें सौरभ के मुस्लिम बनने का पता तब चला, जब उन्होंने उस पर शादी करने का दबाब बनाया। उन्होंने विरोध किया तो सौरभ दिल्ली चला गया और दांतों के क्लीनिक पर नौकरी करने लगा। वहीं रहने लग गया था। मुस्लिम लड़की से शादी करने की जानकारी मिलने पर उन्होंने उसे बेदखल कर दिया और संपर्क भी नहीं किया। पुष्पेंद्र के अनुसार बेटे

ने फरीदाबाद में करीब 2 वर्ष तक दांतों के डॉक्टर की दुकान चलाई थी। इसके बाद दिल्ली में जाकर किसी के पास नौकरी करने लगा। दिल्ली में नौकरी करने के दौरान बेटा घर आता-जाता रहता था। 3-4 साल पहले जब बेटे से कहा कि वह शादी कर ले, उसके बाद छोटे भाई की भी शादी करनी थी, तब सौरभ ने बताया कि उसने अपना धर्म बदल लिया है। वह अब सौरभ खुराना नहीं, बल्कि अब्दुल्ला अहमद है। वर्ष 2022 में उसने अपने छोटे बेटे की शादी की, जिसमें उसने अपने बड़े बेटे को नहीं बुलाया और न ही वह खुद आया। अब हमारा सौरभ खुराना उर्फ अब्दुल्ला अहमद से कोई मतलब नहीं है और न ही उसकी गिरफ्तारी के बाद गाजियाबाद पुलिस ने उनसे कोई संपर्क किया। उन्हें अखबारों से ही जानकारी मिली है कि अब्दुल्ला अहमद उर्फ सौरभ खुराना, मोहम्मद राहिल उर्फ राहुल अग्रवाल व मुसीर को धर्म परिवर्तन मामले में पकड़ा गया। बता दें कि शनिवार को गाजियाबाद पुलिस ने तीनों की गिरफ्तारी दिखाई। दिल्ली की युवती के धर्म परिवर्तन मामले में गिरफ्तारी हुई है।

पूर्व विधायक बनवारी सिंघल ने वाहन रैली निकाल किया शक्ति प्रदर्शन

अलवर (हिंस)। केंद्र सरकार के नौ साल पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने व स्मरण करवाने के लिए अलवर शहर के पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल व भाजपा कार्यकर्ताओं ने वाहन रैली निकाली। यह रैली उनके निवास शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों पर होती हुई त्रिपोलिया पहुंची। पूर्व विधायक ने बताया कि इस वाहन रैली का उद्देश्य मोदी सरकार के नौ साल की अभूतपूर्व उपलब्धियों को प्रचार प्रसार करना है। साथ ही सभी कार्यकर्ता पीएम नरेंद्र मोदी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना कर रहे है। आज सावन का पहला सोमवार है, इसलिए वाहन रैली त्रिपोलिया मंदिर पहुंची। जहां सबसे भोले बाबा को गंगाजल से स्नान करा पूजा अर्चना की गई। उन्होंने कहा कि हम सभी ने प्रार्थना कि मोदी जी इसी तरह सौ साल जिए। देश को अंतरा ष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक और महान शक्तिशाली बनाएं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत पांचवी अर्थव्यवस्था बना रहा है। आज दुनिया उन्हें अपना बनाना चाहती है। यह देश के 140 करोड लोगों के लिए बड़े गौरव की बात है। पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल ने कहा कि रैली अलग है, चुनाव अलग है, लेकिन वर्तमान सर्वे के अनुसार उन्हें ऐसा लगता है कि उन्हें आगामी चुनाव में अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सारी जनता बोल रही है तो पार्टी को भी मानना पड़ेगा। वह पिछले कई सालों से लगातार पार्टी हित में कार्य करते आ रहे है। वही लोगों का कहना है कि पूर्व विधायक ने शक्ति प्रदर्शन किया है। चुनावी बिगुल बजा दिया है। लगातार वह शहर में लोगों ओर कार्यकर्ताओं से संपर्क कर रहे है।

भारत के आध्यात्मिक एवं सामाजिक ताने बाने की शिल्पकार थी हमारी संत परंपरा : ओमप्रकाश

उदयपुर (हिंस)। आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, भौतिक तथा अन्य सभी दृष्टियों से समाज का उत्थान हमारे संतों-महापुरुषों के द्वारा ही हुआ है। संतों ने ही एक दूसरे को उन्नत करने का भाव तथा मानव को महामना बनाने वाला धर्म, संस्कृति के सिद्धान्तों को समाज में स्थापित किया। उन्होंने समाज के पिछड़े, अभावग्रस्त लोगों को भोजन, भजन, कीर्तन, सत्संग लाभ एवं जीवनोपयोगी वस्तुएं व आर्थिक सहायता देकर उन्हें स्वधर्म के प्रति निष्ठावान बनाया व धर्मांतरण से बचाया। समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। यह विचार राष्ट्रवादी विचारक एवं इतिहासकार ओमप्रकाश ने समुत्कर्ष संस्कार माला *जीवन पुष्प चढ़ाकर हम आराधना करेंगे* में व्यक्त किए। समुत्कर्ष समिति द्वारा भारतीय स्वातंत्र्य के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत मासिक समुत्कर्ष विचार गोष्ठी के 111 महीने पूरे होने के विशेष अवसर पर समुत्कर्ष संस्कार माला *जीवन पुष्प चढ़ाकर हम आराधना करेंगे* का आयोजन किया गया था। रविवार देर शाम आयोजित इस कार्यक्रम में भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्लवन कर मंचस्थ अतिथियों ने समुत्कर्ष पत्रिका के 127वें अंक का विमोचन भी किया। इतिहासविद ओमप्रकाश ने इस अवसर पर प्रथम सत्र में कहा कि भारतीय समाज की मौलिक विशिष्टता है त्याग, बलिदान, तप, सेवा और समर्पण। किसी के पास तन, मन, धन समर्पण का भाव है तो उसे किसी ब्रह्मांड में कहीं जाने की आवश्यकता नहीं होगी। दान, दया, सत्य, समर्पण, परोपकार, मानवीयता, सेवा ही ईश्वरीय कार्य हैं। परमात्मा को प्रसन्न करने का सहज मार्ग सेवा है। पूजा का अर्थ है समर्पण की भावना को प्रकट करना। अभावों में भी श्रद्धाभाव के साथ, कष्ट उठाते हुए भी, निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जो भी दिया जाता है, वही सच्चा समर्पण है। सुदीर्घकालीन मान्यता है कि आत्मत्याग, आत्मयज्ञ और आत्मबलिदान के द्वारा ही भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की लौ विश्व

मानव को आलोकित करती रहेगी। भारत में लगभग 1000 वर्ष के इस विदेशी मुस्लिम-अंग्रेज शासन काल में भारतीय जनमानस पर विदेशी आक्रमण की समस्त क्रूर विद्रूपताओं के बावजूद अपने चिरंतन उदात्त मानवीय मूल्यों के संवाहक संतों के कारण यह भारतीय संस्कृति आज भी अजस्र रूप से प्रवाहित हो रही है। इस राजनीतिक पराभव काल में भारत के महान् संतों ने संपूर्ण भारत के गांव-गांव में हिंदू जनता को सामाजिक, सांस्कृ तिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक रूप से पूरी तरह सुरक्षित रखा। द्वितीय सत्र में ओमप्रकाश ने आदि गुरु शंकराचार्य का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय सनातन परंपरा को पूरे देश में फैलाने के लिए भारत के चारों कोनों में चार शंकराचार्य मठों, चारों कुंभों की व्यवस्था, वेदांत दर्शन के शुद्धाद्वैत संप्रदाय के शाश्वत जागरण के लिए दशनामी नागा संन्यासी अखाड़ों की स्थापना, पंचदेव पूजा का प्रतिपादन किया। उन्होंने मनुष्य को छोटे-छोटे स्वार्थों एवं संकीर्णताओं से ऊपर उठाया तथा उसकी संवेदना को विस्तार दिया। आद्य शंकर के समन्वयकारी दर्शन ने उस समय प्रचलित भिन्न-भिन्न वैचारिक एवं धार्मिक धाराओं को भी सनातन धारा में सम्मिलित कर लिया। समर्थ गुरु रामदास के के कर्तत्व को स्मरण करते हुआ ओमप्रकाश ने बताया कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक उन्होंने 1100 मठ तथा अखाड़े स्थापित कर स्वराज्य स्थापना के लिए जनता को तैयार करने का प्रयत्न किया। इसी प्रयत्न में से छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे योग्य शिष्य प्रादुर्भूत हुए और उन्हें अपने जीवनकाल में ही स्वराज्य स्थापना के स्वप्न को साकार होते हुए देखने का सौभाग्य प्राप्त हो सका।

बलात्कार व महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामलों में पुलिस ने दो दबोचे

सांबा (हिंस)। महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों पर भी पुलिस ने शिकंजा कसा हुआ है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सांबा बेनाम तोश के निर्देश पर पुलिस ने महिलाओं के खिलाफ अपराध में शामिल दो दोषियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक बलात्कार का आरोपी भी शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजय कुमार उर्फ सन्नी पुत्र राम लाल निवासी रानी तालाब, डिग्याना जिला जम्मू और राहुल कुमार पुत्र गिरधारी लाल निवासी चक बगलान तहसील रामगढ़ जिला सांबा के रूप में हुई है। दो अलग-अलग मामले - एफआईआर संख्या 144/2023 धारा 354-डी, 376, 504 आईपीसी के साथ धारा 67 आईटी अधिनियम पीएस बारी ब्राह्मणा के तहत और एफआईआर संख्या 81/2023 धारा 341, 323 आईपीसी पीएस विजयपुर के तहत दर्ज की गई है और जांच चल रही है। जानकारी के अनुसार पुलिस स्टेशन बाड़ी ब्राह्मणा में बलात्कार और ब्लैकमेलिंग के आरोपों के संबंध में एफआईआर एक महिला द्वारा दर्ज करवाई गई थी। जबकि पुलिस स्टेशन विजयपुर में शारीरिक उत्पीड़न के संबंध में एफआईआर एक छात्रा द्वारा दर्ज की गई शिकायत पर दर्ज की गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सांबा बेनाम तोश ने कहा कि पुलिस महिलाओं के खिलाफ अपराध को नियंत्रित करने के लिए कानून के तहत उचित कार्रवाई कर रही है।

शिवालयों में गूंजे बम भोले के जयकारे, सुबह से दर्शन को लगी लंबी कतार

अलवर (हिंस)। श्रावण मास के पहले सोमवार पर अलवर जिले के शिवालय बम बम भोले के जयकारों से गूंज रहे है। सावन को देखते हुए जिले के सभी शिव मंदिरों में विशेष तैयारी की गई है। मंदिरों में बम-बम भोले के जयकारे गूंज रहे हैं। शहर के प्रसिद्ध प्राचीन त्रिपोलिया महादेव मंदिर में दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतार लगी हुई है। लंबी लाइन में लग श्रद्धालु महादेव का दर्शन कर रहे है। मंदिरों में महादेव को जल व दूध चढ़ाने और पूजा करने के लिए श्रद्धालु आ रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मंत्री टीकाराम जूली, मंत्री शकुंतला रावत भी इस मंदिर में पूजा कर चुके है। शाम को मंदिर में भोलेनाथ का विशेष श्रंगार किया जाएगा। जिसमें भूतनाथ की झांकी सजाई जाएगी। उस मनमोहक दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते है। सावन महीने में भोलेनाथ की बैंड बाजों से आरती

की जाती है। सावन के पहले सोमवार पर त्रिपोलिया महादेव मंदिर के साथ जिले भर में शिव मंदिर और शिवालयों पर भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। शिव मंदिरों में शिव भक्तों की कतार लगी रही। मंदिरों में भोले बाबा के भजन-कीर्तन हो रहे है। श्रद्धालु पूजा अर्चना कर मनोकामनाएं मांग रहे है। जिले में भगवान शिव के कई प्रसिद्ध मंदिर हैं। जिनमें से शहर में प्रमुख त्रिपोलिया महादेव मंदिर है। जिले में सरिस्का में नीलकंठ महादेव मंदिर, तालवृक्ष स्थित शिव मंदिर, नलदेश्वर महादेव मंदिर, भर्तहरि शिव मंदिर आदि मंदिर प्रमुख हैं। जहां सावन में भक्तों की भारी भीड़ रहती है। सावन के पहले सोमवार को देखते हुए बाजार में भीड़ रही। साथ ही सभी फलों के साथ ही फूलों के भी दाम बढ़ गए है। रोजाना मिलने वाली कीमतों में सावन के कारण अचानक कीमत बढ़ा दी है। हालांकि फिर भी पूजा अर्चना व खाने-पीने के लिए लोगों को जरूरत के सामान खरीदने पड़ रहे है। पिछले दो दिन से जिलेभर में रुक रुककर बरसात हो रही है। सरिस्का सहित आसपास के क्षेत्र तो जमकर बारिश होने से नदी नालों में पानी आ गया है। जंगलों में हरियाली छा गई है। पर्यटन स्थलों पर भी पर्यटकों को भरी भीड़ हो रही है। तापमान में गिरावट से मौसम खुशनुमा बना हुआ है।

कॉल से 94 फीसदी घटी कंपनियों की आय, डाटा से 10 गुना बढ़ी, ट्राई ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली।
भारतीय अब फोन कॉल और एसएमएस के लिए टेलीकॉम कंपनियों की सेवाओं पर निर्भर नहीं रहे। कंपनियों की पिछले 10 साल में फोन कॉल से होने वाली आय 94 फीसदी व एसएमएस से 80 फीसदी तक घट गई है। इनकी जगह इंटरनेट आधारित कॉल और मैसेजिंग ने ले ली है। इसी वजह से कंपनियों की इंटरनेट डाटा से आय भी 10 गुना बढ़ी है। भारत के दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह तथ्य सामने रखे हैं।'ओवर द टॉप (ओटीटी) संचार सेवाओं के लिए नियामक प्रणाली और इन पर चुनिंदा प्रतिबंध' के बारे में जारी इस रिपोर्ट में ट्राई ने व्हाट्सएप, गूगल मीट, एपल के फेसटाइम से इंटरनेट कॉल व मैसेजिंग सेवाओं को कानून के दायरे में लाने पर अपना नजरिया भी सामने रखा है। ट्राई के अनुसार इन माध्यमों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। टेलीकॉम नेटवर्क से कॉल व मैसेज करने के बजाय लोग अब इनका सहारा ले रहे है। इसी वजह से पूरी दुनिया में टेलीकॉम कंपनियों के लिए डाटा कमाई का प्रमुख स्रोत बन चुका है। भारत में भी जून 2013 से दिसंबर 2022 तक यानी 10 साल में टेलीकॉम कंपनियों की कमाई के स्रोत में बड़ा बदलाव आ चुका है। डाटा को छोड़कर बाकी स्रोतों से कमाई में गिरावट आई है। ट्राई की रिपोर्ट में यह पता लगाने का प्रयास किया गया है कि क्या इंटरनेट कॉल व एसएमएस सेवाएं दे रही टेक कंपनियों को लाइसेंस लेने के लिए बाध्य कर सकते हैं ऐसा किया तो उनसे सेवाओं के लिए प्रवेश शुल्क वसूले जा सकेंगे व उन्हें कमाई भी साझा करनी होगी। फोन कॉल व मैसेज का कानूनी इंटरसेप्शन (टैपिंग) होगा व कॉल डाटा रिकॉर्ड भी देना होगा। उल्लेखनीय है कि ट्राई ने पूर्व में सिफारिश की थी कि ओटीटी को देश में बिना लाइसेंस के चलने देना चाहिए। 10 साल में बदले कमाई के रास्ते किसी टेलीकॉम कंपनी की वृद्धि का बुनियादी मानक प्रति उपभोक्ता से औसत कमाई (एआरपीयू) माना जाता है। कुल एआरपीयू 123.77 रुपये था, जो बढ़कर 146.96 रुपये हुआ, 10 साल में 41 प्रतिशत वृद्धि। 10 साल पहले इंटरनेट डाटा से 8.1 प्रतिशत कमाई हो रही थी, आज यह 85.1प्रतिशत यानी 10 गुना पहुंच गई है। नेटवर्क कॉल से हर ग्राहक औसतन 72.93 रुपये कमाई करवा रहा था, यह एआरपीयू का 58.6 प्रतिशत था, आज यह कमाई महज 14.79 रुपये यानी 10.1 प्रतिशत रह गई है।

न्यूज ब्रीफ

ट्विटर ने गिलगित-बाल्टिस्तान को दिखाया भारत का हिस्साः पाकिस्तान के ऑफिशियल अकाउंट किए ब्लॉक, यूजर शेयर कर रहे स्क्रीन शॉर्ट

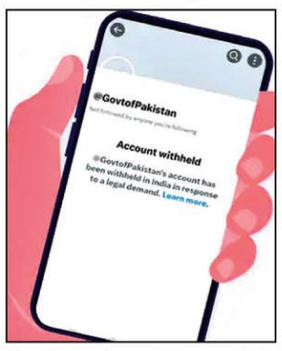

नई दिल्ली। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने पाकिस्तान को एक बड़ा झटका देते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान को भारत का हिस्सा करार दिया। ट्विटर ने गिलगित-बाल्टिस्तान को जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बताते हुए यहां पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है। रविवार को यूजर्स ने जब यहां से ट्वीट किया तो क्षेत्र के लोगों को भारत के हिस्से में बताया गया क्योंकि लोकेशन कश्मीर की थी। यूजर्स ने काफी देर तक सरकार के हैंडल्स को एक्सेस करने की कोशिशें की। लेकिन हर बार उन्हें जवाब मिला, कानूनी मांग के जवाब में भारत में अकाउंट को रोक लिया गया है। इसके बाद से कई यूजर ट्विटर पर इसके स्क्रीन शॉर्ट शेयर कर रहे हैं। गिलगित बाल्टिस्तान के रहीमाबाद के रहने वाले यासिर हुसैन ने ट्वीट किया और लिखा, मैं गिलगिट बाल्टिस्तान में हूं और ट्विटर पर ट्वीट नहीं दिख रही हैं। इसमें कहा गया है कि कानूनी मांग के जवाब में भारत में अकाउंट पर रोक लगा दी गई है। मार्च 2023 से भारत में पाकिस्तान की सरकार के आधिकारिक हैंडल्स को बैन कर दिया गया है। साल 2022 में अकाउंट को कानूनी शिकायतों के बाद दो बार रोका गया था। ट्विटर किसी भी देश की कोर्ट द्वारा जारी आदेश या उचित कानूनी मांग पर सभी तरह के अकाउंट पर रोक लगाने के लिए बाध्य है। 1947 से भारत के जिस हिस्से पर पाकिस्तान का कब्जा है, उसमें सिर्फ 15प्रतिशत एरिया पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में है। 85प्रतिशत हिस्सा तो गिलगित-बाल्टिस्तान या नॉर्दर्न एरियाज में है।

हाइब्रिड फंड सभी निवेशकों के लिए बेहतर, म्यूचुअल फंड में इस उत्पाद का प्रदर्शन बहुत ही शानदार

मुंबई। सस्ती परिसंपत्तियों में लगाता है पैसा सभी निवेश गुरु, चाहे वह वॉरेन बफे हों या हॉवर्ड मार्क्स, वे सभी कहते हैं कि यदि आप कम मूल्य वाले परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करते हैं, तो आप वास्तव में पैसा बनाते हैं। यह कुछ ऐसा है जिसे एक हाइब्रिड फंड करने में सक्षम है, क्योंकि इसके पास हमेशा नकदी होती है। यह सस्ता होने पर कम मूल्य वाले परिसंपत्ति वर्ग में निवेश करने में सक्षम है। इसलिए, हाइब्रिड रणनीतियां बेहतर जोखिम समायोजित रिटर्न दे सकती हैं। इससे निवेश को भी सुरक्षा मिलती है। निवेशकों की क्षमता के आधार पर करता है निवेश : पूरे बाजार चक्र के दौरान, एक धैर्यवान निवेशक के लिए, हाइब्रिड फंड में निवेश का अनुभव उत्साहजनक हो सकता है, क्योंकि यह ज्यादा परिसंपत्तियों का दृष्टिकोण अपनाता है। इस रणनीति से निवेशकों को बेहतर जोखिम समायोजित रिटर्न उत्पन्न करने में मदद मिलती है। म्यूचुअल फंड में इस उत्पाद का प्रदर्शन बहुत ही शानदार होता है। रूढ़िवादी : यह फंड पोर्टफोलियो का 10-15 फीसदी इक्विटी में और बाकी 75 -90 फीसदी डेट में निवेश करता है। यह बहुत कम जोखिम लेकिन इक्विटी से थोड़ा लाभ कमाने वालों के लिए है। इस कैटेगरी का एक साल में 9.74 फीसदी, तीन साल में 8.72 और 5 साल में 7.16 फीसदी रिटर्न।

सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर किया 41 पन्नों का हलफनामा, मंगलवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने अदाणी-हिंडनबर्ग मामले के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष 41 पृष्ठों का हलफनामा दायर किया है। बाजार नियामक ने अपने हलफनामे में शीर्ष अदालत से उचित आदेश भी मांगा है। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करेगा। बता दें कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह पर शेयरों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया था। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में स्पेशल कमिटी का गठन किया था, जिसकी रिपोर्ट अदालत को सौंपी जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर बाजार नियामक सेबी को भी जांच के आदेश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने अदाणी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए सेबी को बीते 17 मई को तीन महीने का अतिरिक्त दिया गया था।

टमाटर के आसमान छूते दाम महंगाई दर पर डालेंगे असर, सब्जियां बिगाड़ रहीं बजट

नई दिल्ली।
आम आदमी पर महंगाई की मार लगातार पड़ रही है। बाजार में टमाटर के दाम बढ़ने के साथ अब अदरक-हरी मिर्च के दाम भी बढ़ चुके हैं। टमाटर की कीमतें अभी 120 रुपये से लेकर 160 रुपये तक पहुंच चुकी हैं। बढ़ती टमाटर की कीमतें देश की अनुमानित महंगाई दर पर भी असर डाल सकती हैं। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट में इसे लेकर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट बताया गया है कि टमाटर की कीमत का असर प्याज-आलू पर भी होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के अध्ययन में सामने आया कि अगर टमाटर के दाम में कोई बदलाव होता है, तो प्याज और आलू पर भी उसका असर नजर आने लगता है। क्योंकि ये तीनों सब्जियां काफी हद तक एक-दूसरे पर निर्भर करती हैं। इसलिए इनकी कीमतें एक दूसरे पर असर डालती हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में टमाटर, प्याज और आलू की हिस्सेदारी बहुत मामूली है, लेकिन ये प्रमुख सब्जियां महंगाई दर पर असर डालने की क्षमता रखती हैं।

अमर उजाला से चर्चा में अर्थशास्त्री प्रो. एस.के. शर्मा का कहना है कि खाद्य बास्केट में इन सब्जियों का खास प्रभाव है। इन सब्जियों के दाम में उतार चढ़ाव होने का सीधा असर महंगाई पर दिखाई देता है। जून के आंकड़ों की समीक्षा में करें तो अभी इसका असर नहीं दिखाई दे रहा है। लेकिन आगे चलकर महंगाई दर बढ़ने का अनुमान नजर आ रहा है। क्योंकि सिर्फ सब्जियां ही महंगी नहीं हुई हैं, बल्कि मोटे अनाज-दूध के दाम भी बढ़े हैं। 2018-2019 तक खाद्य कीमतों की महंगाई दर नीचे रहती थी। इसके पीछे की सबसे अहम वजह बागवानी उत्पाद और खाद्यान्न के पर्याप्त भंडार होना थी। लेकिन हाल ही के वर्षों में खाद्य

महंगाई दर बढ़नी शुरू हुई है। इसकी सबसे अहम वजह सब्जियों के बढ़ते दाम भी हैं।

बढ़ती महंगाई की मुख्य वजह बारिश

महंगाई की मुख्य वजह बहुत ज्यादा बारिश है। इसकी वजह से प्याज, टमाटर और आलू के दाम बढ़े हैं। सीपीआई फूड एंड बेवरेज बास्केट में सब्जियों की हिस्सेदारी 13.2 फीसदी है। इनकी खाद्य महंगाई संचालित करने में अहम भूमिका होती है। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि कीमत में बढ़ोतरी और उसके बाद खाद्य महंगाई में आने वाली कमी में सब्जियों की अहम भूमिका होती है। हाल ही में जून के मौद्रिक नीति संबंधी बयान में घरेलू दर तय करने वाली समिति ने कहा था कि प्रमुख महंगाई के भविष्य की राह खाद्य की कीमतों की चाल से प्रभावित होने की संभावना है। खाद्य वस्तुओं की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी होती है। मई महीने में सीपीआई महंगाई गिरकर 25 माह के निचले स्तर 4.25 फीसदी पर आ गई थी, क्योंकि खाद्य महंगाई 18 माह के निचले स्तर 2.91 फीसदी पर थी। अप्रैल मई में उपभोक्ता महंगाई 4.5 फीसदी थी।

वित्त मंत्रालय भी परेशान है टमाटर के बढ़ते दामों से

टमाटर के बढ़ते दामों ने वित्त मंत्रालय की भी चिंता बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय के इकोनॉमिक्स डिवीजन ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जो वार्षिक आर्थिक समीक्षा जारी की, इसमें साफ लिखा है कि बेमौसम बारिश जैसे घरेलू कारणों की वजह से टमाटर जैसी कुछ सब्जियों की कीमतों पर दबाव बना रखा है। वित्त मंत्रालय ने इस रिपोर्ट में कहा है कि अल नीनो के असर के साथ थोक आधारित महंगाई में कमी के बाद भी खुदरा कीमतों पर इसका असर नहीं होने का खामियाजा उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है।

वित्त मंत्रालय ने अपने इस रिपोर्ट में कहा कि ग्लोबल सप्लाई चेन में सुधार, सरकार के नीतिगत फैसलों और आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी की सख्ती के चलते 2022-23 वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में महंगाई में कमी आई है। लेकिन बेमौसम बारिश के चलते टमाटर समेत कुछ सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। रिपोर्ट में चिंता जाहिर करते हुए कहा गया है कि अल नीनो के चलते घरेलू फूड प्राइसेज पर असर, साथ ही थोक मूल्य में कमी के बावजूद खुदरा कीमतों में कमी नहीं होने के चलते महंगाई दर ऊंची बनी रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक तनाव, ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम में उठापटक, ग्लोबल स्टॉक मार्केट में गिरावट, अल नीनो के असर और ग्लोबल डिमांड के चलते कमजोर वैश्विक मांग का असर विकास की रफ्तार पर पड़ सकता है।

स्टार्टअप में निवेश चार साल के निचले स्तर पर,जनवरी-जून में हुए 3.8 अरब डॉलर के सौदे

नई दिल्ली। पीडब्ल्यूसी इंडिया ने एक रिपोर्ट में कहा, मात्रा के हिसाब से इस साल की पहली छमाही में कुल निवेश का 57 फीसदी शुरुआती स्तर के सौदों के रूप में मिला। मूल्य के हिसाब से यह करीब 16 फीसदी हिस्सा रहा, लेकिन पिछले साल से तुलना करने पर यह सबसे निचला स्तर है। निवेशकों के व्यवसाय के हर पहलू की उचित जांच में अधिक समय लेने से निवेश घटा है। पीडब्ल्यूसी इंडिया के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही के दौरान चेन्नई को छोड़कर सभी शहरों में स्टार्टअप फंडिंग गतिविधियों में गिरावट आई है।

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को एक और झटका! ब्रिटिश एयरलाइन वर्जिन अटलांटिक ने बंद किया परिचालन

नई दिल्ली।
ब्रिटिश विमानन कंपनी वर्जिन अटलांटिक ने रविवार को इस्लामाबाद से लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने के साथ पाकिस्तान में अपना परिचालन बंद कर दिया। नागर विमानन प्राधिकरण के एक प्रवक्ता ने बताया कि अंतिम उड़ान इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के लिए स्थानीय समयानुसार रविवार की सुबह आठ बजे रवाना हुई। ब्रिटिश एयरलाइन ने दिसंबर 2020 में सात साप्ताहिक उड़ानों के साथ इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर अपना परिचालन शुरू किया था। डॉन अखबार ने सोमवार को खबर दी कि एयरलाइन ने शुरुआत में मैनचेस्टर के लिए चार और हीथ्रो हवाई अड्डे के लिए तीन उड़ानों का संचालन किया। बाद में, एयरलाइन ने हीथ्रो हवाई अड्डे के लिए अपनी सेवाओं को केवल तीन साप्ताहिक उड़ानों तक कम कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्जिन अटलांटिक ने इस्लामाबाद और लंदन के बीच ग्राहकों को सबसे अच्छी हवाई यात्रा सेवाएं प्रदान कीं।

वर्जिन अटलांटिक के प्रवक्ता ने फैसले पर खेद व्यक्त किया

वर्जिन अटलांटिक के प्रवक्ता ने कहा, हम 2020 में अपने उड़ान कार्यक्रम को जारी रखे हुए थे, अब हमने अपने पूरे नेटवर्क की समीक्षा करने का अवसर लिया है और कुछ बदलाव करने का फैसला किया है। उन्होंने लंदन के हीथ्रो और पाकिस्तान के बीच सेवाओं को निलंबित करने का कठिन निर्णय लेने के लिए खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा, दिसंबर 2020 में परिचालन शुरू करने के बाद से हमें यूनाइटेड किंगडम में लंदन व मैनचेस्टर और पाकिस्तान में इस्लामाबाद व लाहौर के बीच यात्रा करने वाले ग्राहकों के लिए विकल्प प्रदान करने पर गर्व है।

एयरलाइन ने परिचालन बंद करने के सटीक कारण का नहीं किया खुलासा प्रवक्ता ने कहा, इस दौरान हमने महत्वपूर्ण कार्गो क्षमता के साथ महत्वपूर्ण चिकित्सा आपूर्ति की सेवा भी प्रदान की है। उन्होंने कहा, यह ऐसा फैसला नहीं है जिसे हमने हल्के में लिया है और हम किसी भी असुविधा के लिए माफी मांगते हैं। हम तहे दिल से पाकिस्तान में सभी को धन्यवाद देना चाहते हैं। हमारे ग्राहकों, टीमों, भागीदारों और अधिकारियों ने पिछले दो वर्षों में बेहतरीन काम किया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह निर्णय पाकिस्तान के आर्थिक संकट और व्यवसायों पर उनके प्रभाव से जुड़ा हुआ है।

कंपनी या कारोबारी को ज्यादा आईटीसी के दावे की अब बतानी होगी वजह, बैठक में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली।
जीएसटी परिषद एक नया नियम लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत कंपनी या कारोबारी को अधिक इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के दावे का कारण बताना होगा। साथ ही अतिरिक्त राशि सरकारी खजाने में जमा करानी होगी।

विधि समिति का विचार है कि सेल्फ जेनरेटेड आईटीसी व जीएसटीआर-3बी रिटर्न में दायर आईटीसी में बहुत अंतर मिलने पर जीएसटी में पंजीकृत व्यक्ति को इसके बारे में बताना होगा या अतिरिक्त आईटीसी को ब्याज के साथ लौटाना होगा। जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी में घोषित टैक्स देनदारी में अंतर 25 लाख रुपये या 20 फीसदी की तय सीमा से अधिक है, वहां कारोबारियों को इसकी वजह बताने या शेष कर को जमा कराने के लिए कहा जाएगा। जीएसटी परिषद की 11 जुलाई को होने वाली 50वीं बैठक में समिति की सिफारिशों पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

ओएनडीसी : जारी होगा स्पष्टीकरण

जीएसटी परिषद ओएनडीसी के जरिये ई-कॉमर्स कारोबार करने वाले आपूर्तिकर्ताओं पर स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) की देनदारी पर स्पष्टीकरण जारी करेगी। ऐसे

आपूर्तिकर्ताओं पर परिषद स्पष्टीकरण जारी करेगी, जहां एक लेनदेन में कई परिचालक शामिल हैं।

फर्जी चालान पर लगाम लगाने का है उद्देश्य

पंजीकृत व्यक्ति को जीएसटीआर-1 का मासिक विवरण भरने की अनुमति तब तक नहीं दी जानी चाहिए, जब तक उसने अधिकारी को गड़बड़ियों के बारे में संतुष्ट न कर दिया हो या अतिरिक्त आईटीसी दावे को लौटा न दिया हो। इसका उद्देश्य फर्जी चालान पर अंकुश लगाना है। वस्तुओं-सेवाओं की सही आपूर्ति के बिना आईटीसी का लाभ उठाने को इसका इस्तेमाल होता है।

देश की 73प्रतिशत आबादी पर कोई कर्ज नहीं : 93 करोड़ लोगों की कमाई 5 लाख तक, इनकी जरूरतें आय से ज्यादा

नई दिल्ली।
देश में सालाना 5 लाख से 30 लाख रुपए तक कमाने वाले 43 करोड़ मध्यवर्ग की सभी तरह के टैक्स भरने के बाद खर्च योग्य औसत आय 9.25 लाख रुपए है। वह करीब 74प्रतिशत राशि खाने-पीने, पढ़ाई, प्रसाधन, कपड़े और उपभोक्ता सामान पर खर्च करता है। उसकी सालाना बचत 14प्रतिशत है। वहीं 30 लाख रुपए से अधिक कमाने वाले 5.6 करोड़ लोगों की खर्च लायक आय 35.77 लाख है। वे करीब 57प्रतिशत पैसा जरूरतों पर खर्च कर देते हैं। इनकी बचत 17प्रतिशत है। यानी मध्यवर्ग से 3प्रतिशत ज्यादा। दूसरी तरफ, 5 लाख रुपए तक आय वाले 93 करोड़ लोग की जरूरतें कमाई से ज्यादा हैं। उन्हें इलाज तक के लिए कर्ज लेना पड़ जाता है। दिलचस्प बात यह है कि देश की 73प्रतिशत आबादी पर कोई कर्ज नहीं है। गरीब की तुलना में अमीर को तीन गुना अधिक कर्ज विरासत में मिला है। निचले तबके के 25प्रतिशत लोगों के पास एक

मॉर्गेज लोन है। इसकी तुलना में अमीर तबके के पास मौजूद 44प्रतिशत प्रॉपर्टी मॉर्गेज की है। ये खुलासे पीपुल्स रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकोनॉमी (प्राइस) की रिपोर्ट में किए गए हैं। रिपोर्ट 25 राज्यों के 40 हजार परिवारों पर सर्वे से तैयार की गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में दुनिया का तेजी से बढ़ता मध्यवर्ग है। इसकी खर्च करने की क्षमता बहुत बढ़ी है। एक साल में इस तबके की सालाना कमाई 84 लाख करोड़ रु. थी। इसमें से 62 लाख करोड़ रुपए उसने बाजार में खर्च किए। बाहर खाने पर 1.03 लाख खर्च करते हैं अमीर परिवार के साथ बाहर डिनर पर अमीर तबका हर साल 1.03 लाख रुपए खर्च करता है। मध्यवर्ग 22 हजार रुपए और निम्न आय वाला तबका 6 हजार रुपए खर्च कर देता है। शीतल पेय और पैक्ड फूड पर अमीर तबका हर साल 1.54 लाख रुपए खर्च करता है। मध्यवर्ग 49 हजार रुपए और निम्न आय वर्ग के लोग 12 हजार रुपए खर्च करते हैं। मनोरंजन पर अमीर तबका हर साल 61 हजार रुपए, मध्यवर्ग 17 हजार रुपए और निम्न आय वर्ग 4 हजार रुपए खर्च करता है। टूरिज्म और टूर पैकेज पर अमीर तबका हर साल 1.74 लाख रुपए खर्च करता है। मध्यवर्ग 44 हजार रुपए, निम्न आय वर्ग 11 हजार रुपए खर्च करता है। चावल-दाल खरीदने पर निचला तबका 45प्रतिशत, निम्न आय वर्ग 37प्रतिशत, मध्यवर्ग 23प्रतिशत और अमीर तबका 11प्रतिशत राशि खर्च करता है। अमीर तबका 4प्रतिशत है। खर्च योग्य आय में हिस्सेदारी 23प्रतिशत है।

ट्विटर-मेटा के सीईओ के बीच जुबानी जंग

थ्रेड्स को लेकर ट्वीट पर भड़के एलन मस्क, जकरबर्ग के नाम से किया खेल

सैन फ्रांसिस्को।
मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग की ओर से ट्विटर की प्रतिद्वंदिता में लाए गए नए थ्रेड्स प्लेटफॉर्म को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। खासकर ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने इसे लेकर खासी नाराजगी जताई है। अब मस्क ने इस प्लेटफॉर्म के बहाने जकरबर्ग पर तंज कसा है और उनके नाम के साथ ही खेल कर दिया।

मस्क ने क्या और क्यों कहा

दरअसल, हाल ही में डाटा हजार्ड नाम के एक ट्विटर अकाउंट से फास्ट फूड चेन वेंडीज के थ्रेड्स का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया गया था। इसमें वेंडीज ने एलन मस्क और ट्विटर को लेकर तंज कसा था। वेंडीज ने जकरबर्ग को सुझाव दिया था कि उन्हें मस्क को चिढ़ाने के लिए अंतरिक्ष में जाना चाहिए। इस पर जकरबर्ग ने हंसने वाली इमोजी के साथ रिएक्ट किया था। गौरतलब है कि एलन मस्क आने वाले वर्षों में अपनी कंपनी स्पेसएक्स के जरिए मंगल मिशन लॉन्च करना चाहते हैं। ऐसे में वेंडीज का यह थ्रेड मस्क की स्पेसएक्स कंपनी पर तंज के तौर पर देखा गया। ट्विटर पर थ्रेड्स के इसी स्क्रीनशॉट की प्रतिक्रिया में एलन मस्क ने रिप्लाई किया और जकरबर्ग का नाम बिगाड़ते हुए लिखा- जक इज अकक ।

जकरबर्ग को ट्विटर की ओर से मिली है कानूनी कार्रवाई की धमकी

इससे पहले ट्विटर अपने नए थ्रेड्स प्लेटफॉर्म को लेकर मेटा प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। ट्विटर के वकील एलेक्स स्पिरो ने इसे लेकर फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को एक पत्र भी भेजा है। यह पूरा विवाद कॉपीराइट को लेकर शुरू हुआ है। ट्विटर का दावा है कि थ्रेड्स का इंटरफेस ट्विटर जैसा है।

इसके अलावा ट्विटर में एक फीचर है जिसे थ्रेड्स कहा जाता है। जब कोई लंबा ट्वीट कई हिस्सों में करता है वह थ्रेड में बंट जाता है। ऐसे में ट्विटर ने कॉपीराइट का भी दावा किया है। मेटा ने अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई बयान नहीं दिया है।

लगातार बढ़ रही थ्रेड्स की लोकप्रियता

मजेदार बात यह है कि दो अरबपतियों के बीच की यह जंग मेटा की ओर से थ्रेड्स की लॉन्चिंग के बाद लगातार बढ़ती जा रही है। थ्रेड्स ने हाल ही में 10 करोड़ यूजर्स का आंकड़ा छू लिया और इस पर थ्रेड्स की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। वहीं, ट्विटर की ओर से प्लेटफॉर्म पर लगातार सीमा लगाने के फैसले ने कई यूजर्स को निराश किया है। ऐसे में ट्विटर के प्रति लोगों की नाराजगी भी बढ़ रही है।

क्या है थ्रेड्स एप

थ्रेड्स को इंस्टाग्राम की टीम ने ही तैयार किया है। थ्रेड्स में भी रियल टाइम फीड मिलेगी। थ्रेड्स के फीचर्स और इंटरफेस काफी हद तक ट्विटर जैसे ही हैं। थ्रेड्स को अब भारत में भी उपलब्ध करा दिया गया है। थ्रेड्स को गूगल प्ले-स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। यदि आपके पास पहले से ही इंस्टाग्राम पर ब्लू टिक है यानी यदि आपका इंस्टाग्राम अकाउंट पहले से वेरिफाईड है तो थ्रेड्स अकाउंट खुद ही वेरिफाईड हो जाएगा। थ्रेड्स को आप एपल के एप स्टोर से भी फ्री में डाउनलोड कर सकते हैं। थ्रेड्स में आप अपनी इंस्टाग्राम आईडी के साथ लॉगिन कर सकते हैं। आप अपने इंस्टाग्राम के पूरे डाटा को थ्रेड्स एप पर इंपोर्ट कर सकते हैं। थ्रेड्स में आप 500 कैरेक्टर में पोस्ट कर सकते हैं जिसमें वेब लिंक, फोटो (एक बार में 10 फोटो) और मिनट तक के वीडियो शामिल कर सकते हैं। थ्रेड्स में भी आप किसी को ब्लॉक और फॉलो कर सकते हैं। यदि आपने इंस्टाग्राम पर किसी को ब्लॉक किया है तो थ्रेड्स पर भी वह ब्लॉक ही रहेगा। थ्रेड्स में फिलहाल सपोर्ट नहीं है।

क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ओपेनहाइमर भारत में रात 3 बजे देखने मिलेगी

मुंबई (ईएमएस)। हॉलीवुड फैंस के लिए यह खुशखबरी ही है कि क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ओपेनहाइमर भारत में देखने को मिलेगी। हालांकि इसके लिए रात 3 बजे का शो उपलब्ध रहेगा। जानकारी के अनुसार टॉम क्रूज अभिनीत बहुप्रतीक्षित मिशन इम्पॉसिबलः डेड रेकनिंग - पार्ट वन बुधवार, 12 जुलाई को रिलीज होगी। 21 जुलाई को क्रिस्टोफर नोलन की ओपेनहाइमर और बार्बी के बीच टक्कर होगी। मिशन इम्पॉसिबलः डेड रेकनिंग - पार्ट वन और ओपेनहाइमर दोनों की बुकिंग 1 जुलाई को शुरू हुई और इसे उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। हालाँकि, ओपेनहाइमर की टिकटों की बिक्री उम्मीदों से अधिक रही है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि हम सभी जानते थे कि फिल्म देखने वालों का एक वर्ग ओपेनहाइमर को देखने के लिए उत्साहित है। लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि टिकटें हॉट केक की तरह बिकने लगेंगी, वह भी रिलीज से पहले। ओपेनहाइमर को आईमैक्स स्क्रीन पर देखने की भारी मांग है। अधिकांश शो लगभग बिक चुके हैं, प्रदर्शकों के पास सुबह 3 बजे भी शो चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। फिलहाल, मुंबई में पीवीआर लोअर परेल और आईनॉक्स मलाड ने क्रमशः 3:30 बजे और 3:45 बजे के शो के लिए बुकिंग कर दी है। शहर के अन्य आईमैक्स थिएटर भी जल्द ही इसका अनुसरण करेंगे और देश के अन्य हिस्सों में भी आईमैक्स स्क्रीनें ऐसा ही करेंगी। आधी रात को 12 बजे शो आयोजित करने की भी योजना है। सिर्फ आईमैक्स ही नहीं, सामान्य स्क्रीन पर भी मांग के मुताबिक आधी रात और आधी रात के बाद के शो चलाए जा सकते हैं। आखिरकार, जो लोग ओपेनहाइमर को देखने में रुचि रखते हैं, वे ओटीटी और अपने फोन पर फिल्म देखने के लिए इंतजार नहीं करेंगे। यह बड़े पर्दे के लिए बनाई गई फिल्म है और इसलिए, प्रदर्शकों को उम्मीद है कि फिल्म का जीवनकाल स्वस्थ रहेगा, खासकर आईमैक्स थिएटरों में बुकिंग को मिली प्रतिक्रिया के बाद। यह भी एक वयस्क-रेटेड फिल्म है, फिर भी मांग ऐसी है। यह दर्शकों के एक वर्ग के बीच क्रिस्टोफर नोलन के प्रति दीवानगी को दशार्ता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओपेनहाइमर ने पहले दिन तीन राष्ट्रीय श्रृंखलाओं में 14,000 टिकट बेचे हैं, वह भी सिर्फ आईमैक्स में बेचे गए हैं।

जापान के सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म पठान

-आगामी 1 सितम्बर को प्रदर्शित होगी फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की फिल्म पठान 1 सितंबर, 2023 को अब जापान के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बीते दिनों जापानी रिलीज के पोस्टर का अनावरण किया गया है। इस खबर के बाद ट्रेड विश्लेषकों की उम्मीदें परवान चढ़ गई हैं। उन्हें ऐसा लग रहा है कि पठान राजामौली की आरआरआर की तरह जापान में भी रिकॉर्ड तोड़ कारोबार करने में सफल होगी। दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने और 1000 करोड़ का आंकड़ा पार चुकी है। गौरतलब है कि राजामौली की आरआरआर ने जापान में सिनेमाघरों में 100 दिन से अधिक का प्रदर्शन किया था।

यह निर्णय लिया गया है कि इतिहास की 5वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म और 2023 में नंबर 1 भारतीय बॉक्स ऑफिस ब्लॉकबस्टर ह्लपठानह्व शुक्रवार, 1 सितंबर को रिलीज होगी। पठान ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 543 करोड़ का कारोबार किया था। प्राइम वीडियो पर प्रदर्शित हो चुकी पठान ने ओटीटी प्लेटफार्म पर भी बेहतरीन आंकड़े पेश किए। सलमान ने पठान में एक महत्वपूर्ण एक्शन दृश्य में टाइगर के रूप में अपनी भूमिका दोहराई और इसने फिल्म के प्रति दीवानगी बढ़ा दी। टाइगर 3 में, जो दिवाली 2023 पर रिलीज होगी और जिसमें इमरान हाशमी खलनायक की भूमिका में हैं, और शाहरुख खान एक कैमियो में हैं। अभिनेता सलमान खान के साथ पठान वर्सेस टाइगर में भी अभिनय करेंगे।सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित, पठान में डिंपल कपाड़िया और आशुतोष राणा भी हैं। 25 जनवरी 2023 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए। पठान वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का एक हिस्सा है, जिसमें एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) से टाइगर (सलमान खान) और जोया (कैटरीना कैफ) और वॉर (2019) से कबीर (ऋतिक रोशन) भी शामिल हैं।

मेड इन हेवन की वापसी का इंतजार

-प्राइम वीडियो पर किया जाएगा रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। प्राइम वीडियो ने एमी-नामांकित ड्रामा मेड इन हेवन के दूसरे सीजन की घोषणा के साथ उत्साह बढ़ा दिया है। प्रशंसक उत्सुकता से समीक्षकों द्वारा प्रशंसित इस सीरीज की वापसी का इंतजार कर रहे हैं। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी द्वारा निर्मित, सीरीज दो वेडिंग प्लानर, करण और तारा के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। वे एक भारतीय वेडिंग प्लानर की पृष्ठभूमि में अपने जीवन के कई उतार-चढ़ावों के बीच अपना रास्ता तलाशते नजर आते हैं। अपनी आकर्षक पटकथा और दमदार अभिनय के कारण यह सीरीज कुछ ही समय में प्रशंसकों की पसंदीदा बन गई।अपने पहले सीजन की भारी सफलता के बाद, मेड इन हेवन सीजन 2 चार साल बाद दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। यह रिश्तों की जटिलताओं, व्यक्तिगत संघर्षों और नैतिक दुविधाओं की गहन खोज का भी वादा करता है। नया सीजन सामाजिक वर्जनाओं को चुनौती देगा, जो प्रेम, मुक्ति और आत्म-खोज के सार्वभौमिक विषयों में निहित हैं, क्योंकि पात्र परंपरा और आधुनिकता के द्वंद्व को नेविगेट करते हैं। शानदार सिनेमैटोग्राफी, बारीकियों पर बारीकी से ध्यान देने और एक विचारोत्तेजक कहानी के साथ, यह सीरीज सीमाओं को पार करना और परंपराओं को चुनौती देना जारी रखेगी, एक अभूतपूर्व और अवश्य देखे जाने वाले शो के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करेगी। मेड इन हेवन सीजन 2 का प्रीमियर जल्द ही विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होगा। कलाकारों में शोभिता धूलिपाला, अर्जुन माथुर, कल्कि कोचलिन, शशांक अरोड़ा, शिवानी रघुवंशी, जिम सरभ और कई अन्य उल्लेखनीय भारतीय सिनेमा प्रतिभाएं शामिल हैं।मेड इन हेवन सीजन 2 निर्मिती गुणवत्ता, पटकथा और सिनेमाई सौंदर्यशास्त्र के मामले में शो को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा करता है।

देबिना-गुरमीत ने वाराणसी में कराया छोटी बेटी का मुंडन

टीवी कपल देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी इन दिनों अपनी फैमिली संग वाराणसी में हैं, जहां कपल ने अपनी छोटी लाडली दिविशा का मुंडन संस्कार करवाया। उन्होने नन्हीं देविशा के मुंडन की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। देबिना ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर भी छोटी लाडो के मुंडन की कई तस्वीरें शेयर की हैं। मुंडन के बाद दिविशा एक दम डॉल सी लग रही हैं। कपल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिविशा के मुंडन के बाद एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो गंगा किनारे पोज देते नजर आ रहे हैं। इस दौरान, गुरमीत और देबिना व्हाइट कलर के आउटफिट में ट्विनिंग करते हुए माथे पर चंदन और कुमकुम का तिलक लगाए हुए हैं।

वहीं उनकी बेटी पिंक कलर की ड्रेस में बेहद क्यूट लग रही है। तस्वीरें शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा- भारत के आध्यात्मिक हृदय (वाराणसी) में, जहां हमने बेबी दिविशा का मुंडन समारोह किया (मेरी पीनू याद आ गई)। हर हर महादेव।

नेत्रहीन पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगी सोनम

- दर्शकों ने फिल्म के ट्रेलर को किया काफी पसंद

मुंबई (ईएमएस)। रोमांचक थ्रिलर फिल्म ब्लाइंड में एक्ट्रेस सोनम कपूर आहूजा एक नेत्रहीन पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगी। एक्ट्रेस फिल्म में एक बेरहम सीरियल-किलर को पकड़ने की कोशिश कर रही हैं। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पसंद किया है और एक नेत्रहीन लड़की का किरदार बखूबी निभाने के लिए सोनम की भरपूर तारीफ की है। सोनम कहती हैं, मेरे लिए ब्लाइंड में काम करने का फैसला लेना बड़ा आसान था, क्योंकि इस फिल्म के प्रोड्यूसर सुजॉय घोष हैं। बेहद रोमांचक और दमदार थ्रिलर फिल्मों के मामले में उनका ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा है और मेरे लिए तो बस यह जानना ही काफी था कि ब्लाइंड की कमान सुजॉय के हाथों में होगी। फिल्म का कॉन्सेप्ट तैयार होने के बाद से ही उन्होंने बड़े क्रिएटिव तरीके से इसे आगे बढ़ाया है। वे आगे कहती हैं, एक एक्टर के तौर पर मैं अपने प्रोड्यूसर और डायरेक्टर पर पूरा भरोसा करती हूं और मुझे खुशी है कि मुझे सुजॉय के रूप में एक ऐसा प्रोड्यूसर मिला है, जिन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस जॉनर में महारत हासिल है। मैं उम्मीद करती हूं कि, इस फिल्म में लोगों को मेरा परफॉर्मेंस पसंद आएगा। मेरे लिए यह रोल बड़ा कठिन था और मैंने जिया के किरदार को संजीदगी और साहस के साथ निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सोनम प्रोड्यूसर सुजॉय घोष को हिंदी सिनेमा में बेहद धारदार थ्रिलर फिल्मों के निर्माण में माहिर मानती हैं और इसी वजह से उन्होंने ब्लाइंड में काम करने का फैसला लिया।

नुसरत की इंटरनेट पर जबर्दस्त फैन फॉलोविंग

अपने लुक और एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस नुसरत भरूचा की सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है, जिनके साथ अक्सर वह अपनी ग्लैमरस और बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में फिर नुसरत ने अपने कुछ स्टाइलिश लुक की तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल चुराया है। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में नुसरत भरूचा रेड कलर की ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं, जिसे उन्होंने कमर से ब्लैक बेल्ट से टाई किया है। ड्रेस के साथ गोल्डन कलर के हैवी इयररिंग्स और लो पोनी में एक्ट्रेस का लुक देखते ही बन रहा है। अपने लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए नुसरत कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक जबरदस्त पोज दे रही हैं। फैंस नुसरत की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर तारीफ भी कर रहे हैं।

लंदन में फैमिली संग बर्थडे मनाया नीतू कपूर ने

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने हाल ही में 8 जुलाई को अपना 65वॉ जन्म दिन मनाया वो भी लंदन में। इस मौके पर उन्हें फैंस और करीबियों से खूब शुभकामनाएं मिली। नीतू के बर्थडे सेलिब्रेट में उनकी बहू आलिया और पोती राहा गैर-मौजूद रही, जिन्हें एक्ट्रेस मिस करती नजर आईं। नीतू कपूर ने बेटे रणबीर कपूर, बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी, दामाद भरत साहनी और नातिन समारा साहनी के साथ अपनी 65वां बर्थडे सेलिब्रेट किया, जिसकी तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा-खूबसूरत यादगार दिन, आलिया भट्ट और राहा को मैंने बहुत मिस किया।

सासू मां के पोस्ट पर कमेंट करते हुए आलिया ने लिखा लव यू लिखा। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर नीतू कपूर की तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें विश किया और लिखा- हैप्पी बर्थडे क्वीन। आप सबकुछ बेहतर बना देती हैं। लव यू।

कियारा ने सासू मां को खिलाई होम मेड पानी पूरी

-एक्ट्रेस बोलीं- सासू मां बहुत खुश हुई

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने खुलासा किया कि कैसे उन्होंने अपनी सास रिम्मा मल्होत्रा को इम्प्रेस करने के लिए पानी पुरी का इस्तेमाल किया। हाल ही में इंटरव्यू में कियारा आडवाणी से पूछा गया कि क्या उनकी शादी में पानी पुरी का स्टॉल लगा था। एक्ट्रेस ने जवाब में कहा, बेशक। मेरी सास जो हैं, उनको पानी पूरी इतना पसंद है! वो अभी हमारे साथ रह रही हैं, दिल्ली से मुंबई आई हुई हैं। तो, उनके पहले दिन, मुझे पता है कि उनको पानी पूरी कितनी पसंद है, मैंने कहा आज घर में हम पानी पूरी बनाएंगे। जो मसका लगाया... मुझे पता था कि वह मुझे दूसरे लैवल तक प्यार करेगी। वह बहुत खुश थी। वह अब हमारे साथ मुंबई में रह रही है। उनकी यात्रा के पहले दिन, मैंने सुनिश्चित किया कि उन्हें घर पर बनी पानी पूरी मिले। इससे वह वास्तव में इम्प्रेस हुईं और उन्हें खुशी हुई। काम की बात करें तो सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने इसी साल 7 फरवरी को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में धूमधाम से शादी रचाई थी, जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थीं। बता दें कि कियारा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म सत्यप्रेम की कथा को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। हाल ही में फिल्म के प्रचार के दौरान एक्ट्रेस से पानी पुरी के प्रति उनके प्यार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें पुचका, गोल गप्पे, पानी पुरी पसंद हैं।

रितेश और शिवानी का नया गीत 'आम सासाराम में जाई'

रितेश पांडे और शिवानी सिंह का जबरदस्त भोजपुरी सांग आम सासाराम में जाई वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इसे दर्शकों ने हाथोंहाथ लिया है। वहीं इस सांग में भोजपुरी इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री नीतू यादव ने परफॉर्म किया है। वे रितेश पांडे के साथ कदम से कदम मिलाकर अपनी कातिलाना अदाओं का जादू चला रही हैं। इस गाने में नीतू यादव और रितेश पांडे के बीच की केमेस्ट्री जबरदस्त लग रही है। वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स प्रस्तुत 'आम सासाराम मे जाई' गाने को रितेश पांडे और शिवानी सिंह ने मिलकर गाया है, जबकि इसको आशुतोष तिवारी ने लिखा है। इस्का म्यूजिक प्रियांशु सिंह ने दिया है। गाने का निर्माण निमार्ता रत्नाकर कुमार और इसका निर्देशन गोल्डी जैसवाल ने किया है। इसकी परिकल्पना छोटन पांडे, कैमरा सुनील बाबा, ब्रिजेश यादव,, कोरियोग्राफर विकाश जिसन, एडिट पप्पू वर्मा और डीआई रोहित ने किया है।

माधुरी को लेकर ये क्या कह दिया काजोल ने

बीते दिनों बालीवुड एक्ट्रेस काजोल ने खूबसूरत अदाकारा माधुरी दीक्षित को लेकर कुछ ऐसा बोल दिया, जिसे सुन लोग हैरान रह गए। आपको ये बात मालूम होगी कि काजोल ने कभी भी माधुरी दीक्षित के साथ काम नहीं किया है। एक्ट्रेस से एक ऐसी अंडररेटेड एक्टर का नाम बताइए, जिन्हें उतने रोल नहीं मिले, जितने मिलने चाहिए थे। इस पर काजोल ने माधुरी दीक्षित का नाम लिया है। एक्ट्रेस को लगता है कि माधुरी दीक्षित को जितने वैरायटी वाले रोल्स मिलने चाहिए थे, उतने नहीं मिले हैं। काजोल ने बताया यदि वैरायटी ऑफ रेंज की बात की जाए तो वह अंडररेटेड एक्टर माधुरी दीक्षित होगी। इसके साथ ही काजोल ने अपने को लेकर यह भी कहा कि वो अब दोबारा से दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे की सिमरन नहीं बन सकती हैं। साथ ही वो ऐसा चाहती थी भी नहीं हैं। उन्होंने कहा- आज मैं जहां हूं, मुझे अच्छा लगता है। मैं दोबारा 16 साल की नहीं होना चाहती।

सूडोकु नवताल- 6488

सरल

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6487 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्दजाल - 7235

श	रा	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि	
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द	
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना	
क	म	दा	नु	ल	क	ड़	वा	दा	र	नि	
वा	रा	र	वा	हा	मि	री	द	स	र	र्वि	
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	झ़	न	वा	
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द	
प	जी	वा	मा	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट	
रि	थो	तें	व	या	र्क्स	दा	ने	दा	र	द	
वा	ल	प	ति	रं	वा	ऐ	बें	न	रु	थो	
द	ड़	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट	

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वाद' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

नाजीवाद, परिवाद, अनुवाद, निर्विवाद, मायावाद, अभिवाद, आतंकवाद, मार्क्सवाद, मवाद, आस्वाद

शब्दजाल - 7234 का हल

प्र	अ	मे	क	ना	ग	री	क	र	ण	गो	
न	का	क	अ	इं	डे	ने	ग	श	मा	ला	
अ	दा	र	भि	मा	ग	अ	द	ह	प	का	
श्रे	ग	प्र	क	र	ण	नु	धि	री	लि	र	
णी	अ	अ	र	न	न	क	ह	क	न	दे	
क	ना	का	ण	व	प	र	त	र	र	बां	
र	मा	ल	म	श	अ	ण	वा	ण	न	ण	
ण	न	भा	र	न	मी	स	ष्पी	ल	वि	ला	
क	न	बा	अ	लं	का	क	क	न	जू	दे	
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श	
वि	द्यु	ती	क	र	ण	स	ण	ण	र	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6188

7	6		4		3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2		6	4	7	
	28	3	38	6	34	
4	2		3		1	7
	31		31	1	30	6
6		7	4	3		2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6187 का हल

3	2	5	6	4	7	1
4	33	4	40	7	31	2
7	2	6	3	5	1	4
1	29	3	37	6	35	5
2	1	7	4	3	5	6
6	30	2	24	1	30	3
5	6	1	4	2	3	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

पाकिस्तान वर्ल्ड कप में न्यूट्रल वैन्यू की गुहार आईसीसी से लगाएगा : अगले हफ्ते डरबन में आईसीसी की बैठक, भारत से मुकाबला 15 अक्टूबर को

इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने वनडे वर्ल्ड कप में अपने मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की जिद पकड़ ली है। अगले हफ्ते दक्षिण अफ्रीका के डरबन में होने वाली आईसीसी की बैठक में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक्टिंग चेयरमैन जका अशरफ पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की मांग कर सकते हैं। दरअसल, 31 अगस्त से 13 सितंबर तक एशिया कप खेला जाना है। इसकी मेजबानी पाकिस्तान को मिली है। भारत ने पाकिस्तान में खेलने से मना कर दिया था। इसके बाद भारत के सभी मैचों समेत ज्यादातर मैच श्रीलंका में कराने का निर्णय लिया गया। इस पर पाकिस्तान बोर्ड नाराज है। पाकिस्तान के खेल मंत्री एहसान मजारी ने कहा है, जका अशरफ इस मुद्दे को आईसीसी मीटिंग में उठाएंगे कि जब भारतीय टीम एशिया कप के लिए पाकिस्तान नहीं आ सकती, तो विश्व कप में भी पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर क्यों नहीं खेले जा सकते। आईसीसी जारी कर चुका है शेड्यूल इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पहले ही भारत की मेजबानी में होने जा रहे वनडे वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी कर चुका है। इसके मुकाबले 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होना है। शेड्यूल के अनुसार, भारत-पाकिस्तान मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है।

फिर इतनी नौटंकी क्यों कर रहा पाकिस्तान?

पाकिस्तान जब किसी भी सूरत में वर्ल्ड कप के बायकॉट की स्थिति में नहीं है तो फिर वह बार-बार इसकी धमकी क्यों दे रहा है इसके पीछे चार कारण प्रमुख हैं।

पहला: भारत के कारण पाक बोर्ड को एशिया कप के अधिकांश मुकाबले श्रीलंका में कराने पड़ रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान बोर्ड भारत से बदला लेना चाहता है या कम से कम ऐसा करते हुए दिखना चाहता है।

दूसरा: पाकिस्तान वर्ल्ड कप में अपनी टीम के कुछ मैचों के वेन्यू बदलवाना चाहता है। पाकिस्तान की टीम अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई में नहीं खेलना चाहती है। स्पिनर्स की मददगार पिच पर उसे अफगानिस्तान का खौफ सता रहा है।

तीसरा: पाकिस्तान सरकार और वहां का बोर्ड अपने देश के लोगों को खुश करना चाहता है। पाकिस्तानी फैंस यह जानकर खुश होते हैं कि पाक बोर्ड भी भारत का विरोध कर रहा है।

चौथा: इस साल के आखिर में पाकिस्तान में आम चुनाव होने हैं। ऐसे में पाकिस्तानी सरकार भारत का विरोध करके अपना वोट बैंक बनाना चाहती है।

न्यूज ब्रीफ

एशियाड में हंपी करेंगी शतरंज में भारतीय चुनौती का नेतृत्व, पुरुष टीम में विदित और अर्जुन शामिल

नई दिल्ली । दो बार की स्वर्ण पदक विजेता कोनेरू हंपी और कांस्य पदक विजेता द्रोणावल्ली हरिका 23 सितंबर को हांगझोऊ में शुरू होने वाले एशियाई खेलों में 10 सदस्यीय भारतीय शतरंज टीम की अगुवाई करेंगी। पुरुष वर्ग में विदित गुजराती और युवा अर्जुन एरिगैसी और महिला वर्ग में हंपी और हरिका व्यक्तिगत श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। पुरुष टीम में ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, गुजराती, एरिगैसी, पी हरिकृष्णा और आर प्रगनाननंदा शामिल हैं जबकि महिला टीम में हंपी, हरिका, आर वैशाली, वंतिका अग्रवाल और सविता श्री टीम स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगी। सभी खिलाड़ी हाल ही में ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में मुश्किल चुनौती का सामना करने के बाद आ रहे हैं। इस स्पर्धा में उन्हें दुनिया के कुछ महानतम शतरंज खिलाड़ियों से शीर्ष स्तर की प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा, जिसमें नॉर्वे के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन भी शामिल थे। टीम की घोषणा रविवार को कानपुर में अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) की आम सभा की बैठक के दौरान की गई, जिसकी अध्यक्षता इसके अध्यक्ष संजय कपूर ने की। छत्तीस साल की हंपी टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ी है। उन्होंने 2006 के दोहा एशियाई खेलों में महिला व्यक्तिगत और मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीता था। टीम में अन्य एशियाई खेलों की पदक विजेता हरिका हैं, जिन्होंने ग्वांगझोउ में 2010 सत्र में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता था। शतरंज 2014 इंचियोन और 2018 जकार्ता खेलों का हिस्सा नहीं था। भारतीय टीम पुरुष: डी गुकेश, विदित गुजराती, अर्जुन एरिगैसी, पी हरिकृष्णा और आर प्रगनाननंदा। महिलाएं: कोनेरू हंपी, डी. हरिका, आर वैशाली, वंतिका अग्रवाल और सविता श्री।

राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए आक्रामक रणनीति पर कायम रहेंगे पृथ्वी

मुम्बई । युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने कहा है वह राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए अपनी आक्रामक

रणनीति पर ही बरकरार रहेंगे। पृथ्वी पिछले दो साल से टीम से बाहर हैं, वेस्टइंडीज दौरे के लिए भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। उन्होंने अंतिम बार जुलाई 2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच खेला था। पृथ्वी आईपीएल के 16 वें सत्र में भी रन बनाने में असफल रहे थे। इससे उन्हें अब तक वापसी का अवसर नहीं मिला है। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। वहीं अंडर-19 में उनके साथी क्रिकेटर शुभमन गिल ने भारतीय टीम में जगह बना ली है। हाल के दिनों में शुभमन ने लगातार रन बनाकर टीम में अपने जगह पक्की करने के साथ ही पृथ्वी को काफी पीछे छोड़ दिया है। पृथ्वी ने वापसी को लेकर कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि मुझे अपना खेल बदलने की जरूरत नहीं है पर मैं जितना हूं। मैं धीमी बल्लेबाजी नहीं कर सकता ।

कोहली और रोहित के लिए अभी टी20 में जगह बरकरार : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के अनुसार विराट कोहली और रोहित शर्मा

दोनो ही अभी टी20 क्रिकेट खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हैं। गांगुली ने कहा कि ऐसा कोई कारण नहीं है कि युवाओं के आने से ये टी20 नहीं खेल सकते। उन्होंने कहा, अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनें; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कौन हैं। मेरी राय में विराट और रोहित दोनों के पास अभी भी टी20आई क्रिकेट में जगह है और मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि कोहली या रोहित टी20आई क्रिकेट क्यों नहीं खेल सकते। कोहली आईपीएल में शानदार फॉर्म में थे और अगर आप मुझसे पूछें तो दोनों की टी20 क्रिकेट में जगह बनती है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार सीज़न के बाद भी युवा क्रिकेटर रिंकू सिंह, रुतुराज गायकवाड़ और जितेश शर्मा को वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए जगह नहीं मिलने पर जहां कई कई दिग्गजों ने नाराजगी व्यक्त की है। वहीं गांगुली ने कहा कि हर किसी को एक बार में ही जगह नहीं दी जा सकती। गांगुली ने कहा, उन्हें बस खेलना जारी रखना है। उन्हें जो भी मौका मिले उसमें प्रदर्शन करते रहना होगा। ऐसा हमेशा होता है।

शटलर लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन जीता

चीन के ली शी फैंग को हराया ; 67 साल में केवल 2 इंडियन ये चैंपियनशिप जीते

कैल्गरी।

लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन में मेंस सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। लक्ष्य ने देर रात कैल्गरी में हुए फाइनल में ऑल इंग्लैंड चैम्पियन चीन के ली शी फैंग को हराया। कांटे की टक्कर में भारत के युवा शटलर को 21-18, 22-20 से जीत मिली। विमेंस सिंगल्स में जापान की अकाने यामागुची चैम्पियन बनीं। उन्होंने देर रात हुए फाइनल में थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन को 21-19, 21-16 से हराया। यामागुची ने सेमीफाइनल में भारत की पीवी सिंधु को हराया था।

कनाडा ओपन जीतने वाले दूसरे भारतीय

1957 से खेली जा रही कनाडा ओपन चैम्पियनशिप में मेंस सिंगल्स का खिताब जीतने वाले लक्ष्य दूसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले 2016 में बी साई प्रणीत ने मेंस सिंगल्स का खिताब जीता था। 2016 में ही मेंस डबल्स में मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी की जोड़ी ने भी खिताब जीता था। 2015 में विमेंस डबल्स में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने खिताब जीता था।

क्वार्टर फाइनल में करनी पड़ी थी मशक्कत

चीन के फैंग के खिलाफ लक्ष्य का फाइनल बेहद रोमांचक रहा। लक्ष्य ने लगातार अटैक करना जारी रखा और फाइनल 21-18, 22-20 के अंतर से जीत लिया। लक्ष्य सेन को चैम्पियनशिप में सबसे ज्यादा मेहनत क्वार्टर फाइनल में करनी पड़ी, जहां बेल्जियम के जूलियन करागी के खिलाफ 57 मिनट तक चले मुकाबले में उन्हें 3 गेम खेलने के बाद जीत मिली। लक्ष्य ने ये मुकाबला 21-8, 17-21 और 21-10 के अंतर से जीता था।

उन्होंने फर्स्ट और सेकेंड राउंड के मुकाबले 31 और 38 मिनट के अंदर 2 ही गेम में जीत लिए थे। सेन ने सेमीफाइनल में जापान केंता निशिमोटो को 21-17, 21-14 के अंतर से 44 मिनट में ही हरा दिया था।

करियर का चौथा सिंगल्स खिताब जीता

21 साल के लक्ष्य यूथ बैडमिंटन की बॉय्ज सिंगल्स कैटेगरी में एक गोल्ड, एक सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज जीत चुके हैं। सीनियर कैटेगरी में खेलना शुरू करने के बाद 2019 में उन्होंने डच ओपन का खिताब जीता। 2019 में ही लक्ष्य ने सारलॉरलक्स ओपन चैंपियनशिप भी जीता।

2022 से लक्ष्य का गोल्डन ईयर शुरू हुआ। यहां उन्होंने इंडिया ओपन जीता और भारत के लिए टीम चैम्पियनशिप में थॉमस कप और कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 2022 में ही लक्ष्य जर्मन ओपन और ऑल इंग्लैंड ओपन में रनर-अप रहे और 2023 में कनाडा ओपन जीतकर अपना चौथा मेंस सिंगल्स टाइटल जीत लिया।

2023 में लक्ष्य का पहला खिताब

कनाडा ओपन का खिताब इस साल लक्ष्य का पहला ही खिताब है। उनका यह इस साल का 11वां बीएफडब्लू कॉम्पिटिशन था। इससे पहले लक्ष्य सिर्फ थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में ही पहुंच सके थे, बाकी चैम्पियनशिप में उन्हें फर्स्ट, सेकेंड या थर्ड राउंड में ही हारकर बाहर होना पड़ा था।

वह इस साल इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 में किदांबी श्रीकांत से हारे। सिंगापुर ओपन के फर्स्ट राउंड में चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन से हारे और थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में उन्हें थाईलैंड के ही कुन्लावुत वितिसार्न ने हराया।

इसी साल लक्ष्य को मलेशिया मास्टर्स के सेकेंड राउंड, स्विस ओपन के फर्स्ट राउंड, ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के सेकेंड राउंड, जर्मन ओपन के फर्स्ट राउंड, इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल, इंडिया ओपन के सेकेंड राउंड और मलेशिया ओपन के फर्स्ट राउंड में भी हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय गोलकीपरों के लिए विशेष शिविर लगाएंगे डच कोच वान

नई दिल्ली।

जाने-माने डच कोच डेनिस वान डि पोल से भारतीय गोलकीपरों को अब सीखने का अच्छा अवसर मिलेगा। वान एशियाई खेलों से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपरों के लिए बेंगलुरु में दो विशेष शिविर लगाएंगे। वान का पहला शिविर 13 से 19 जुलाई तक होगा। इसके बाद दूसरा शिविर 7 से 14 सितंबर तक चलेगा।

गोलकीपरों के लिए लगने वाले इस शिविर में अनुभवी आर श्रीजेश के अलावा युवा कृष्ण पाठक, सूरज करकेरा, प्रशांत कुमार चौहान और पवन मलिक भी भाग लेंगे। वान डि पोल ने कहा, ''मैं फिर से भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ एक संक्षिप्त शिविर के लिए जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। यह टीम शानदार है और इस टीम के साथ काम करना हमेशा ही रोमांच भरा रहा है। हमने पहले भी कुछ शानदार सत्र किये हैं और मैं आगामी शिविर शुरु करने के लिये उत्साहित हूं।

गौरतलब है कि हांगझोउ एशियाई खेलों से पहले भारतीय पुरुष टीम 25 से 30 जुलाई तक चार देशों के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलेगी जो स्पेन हॉकी महासंघ के 100वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित होगा। इसमें अन्य तीन टीमें इंग्लैंड, नीदरलैंड और मेजबान स्पेन है। इसके बाद अगस्त में चेन्नई में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी खेली जायेगी।

श्रीलंका ने जीता सीडब्लूसी क्वालिफायर: फाइनल में नीदरलैंड को 128 रन से हराया, तीक्षणा को 3 विकेट; सीन विलियम्स प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट

हरारे।

श्रीलंका ने वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर 2023 जीत लिया है। टीम ने फाइनल मुकाबले में नीदरलैंड को 128 रनों से हराया, हालांकि, 1996 की चैंपियन श्रीलंका ने पहले ही वर्ल्ड कप का टिकट हासिल कर लिया है। इस जीत के हीरो महीश तीक्षणा रहे। उन्होंने 18 रन देकर 3 विकेट झटके। तीक्षणा मैन ऑफ द मैच रहे, जबकि 600 रन के साथ 3 विकेट लेने वाले सीन विलियम्स प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट रहे।

हरारे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रविवार को नीदरलैंड ने टॉस जीता और श्रीलंकाई टीम को बल्लेबाजी का न्योता दिया। टॉस हार पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने 233 रन बनाए। 234 रनों का टारगेट चेज करते हुए नीदरलैंड 105 रन पर ही सिमट गई। आगे विस्तृत मैच रिपोर्ट...

खराब रही श्रीलंका की शुरुआत

श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 39 रन पर अपना पहला विकेट गंवाया। ओपनर सदीरा समरविक्रमा 23 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हो गए। उसके बाद दूसरे ओपनर पथुम निसांका भी 44 रन के टीम स्कोर पर पवेलियन लौट गए।

मेंडिस-अरच्चिगे की अर्धशतकीय साझेदारी

यहां से कुसल मेंडिस और सहान अरच्चिगे ने श्रीलंकाई पारी को संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 75 बॉल पर 64 रन की पार्टनरशिप की। सहन अरच्चिगे ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए और कुसल मेडल ने 43 रन की पारी खेली। इनके अलावा वनिंदु हसरंगा ने 29 और पथुम निसांका ने 23 रन का योगदान दिया। नीदरलैंड से वान बीक, रयान क्लीन, विक्रमजीत सिंह और साकिब जुल्फिकार ने दो-दो विकेट लिए। आर्यन दत्त को एक सफलता मिली। 234 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी नीदरलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। 41 रन के अंदर नीदरलैंड की आधी टीम पवेलियन लौट गई। डच टीम का पहला विकेट 25 रन पर गिरा। उसके बाद 31 रन पर दूसरा, 32 पर तीसरा और 39 रन पर नीदरलैंड ने चौथ विकेट गंवाया। नीदरलैंड से मैक्स ओडाड ने सबसे ज्यादा 33, लोगन वान बीक ने 20 और विक्रमजीत सिंह ने 13 रन बनाए। इन तीनों के अलावा कोई भी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। श्रीलंका की ओर से महीश तीक्षणा ने 6.3 ओवर में 31 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं दिलशान मदुशंका ने 7 ओवर में 38 रन देकर 3 और वनिंदु हसरंगा ने 7 ओवर में 35 रन देकर 2 विकेट लिए।

स्वियातेक और पेगुला पहली बार विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल में : अजारेन्का उलटफेर की शिकार, जेंटलमैन कैटेगरी से रूबलेव-सिनर भी टॉप-8 में

लंदन।

टॉप सीड इगा स्वियातेक और चौथी सीड जेसिका पेगुला ने साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जबकि 19वीं सीड बेलारुसी खिलाड़ी विक्टोरिया अजारेन्का उलटफेर की शिकार हो गईं। जेंटलमैन कैटेगरी से आंद्रेई रूबलेव और जैनिक सिनर टॉप-8 में प्रवेश कर गए। लंदन में चल रहे दुनिया में टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट के 7वें दिन रविवार को 22 साल की पोलिश स्टार स्वयातेक ने स्विट्जरलैंड की ब्लिंडा बेनसिच के खिलाफ पहला सेट 6-7 से हारने के बाद अगले दो सेट 7-6, 6-3 से अपने नाम किए और टॉप-8 में प्रवेश किया। 29 साल की अमेरिकी टेनिस स्टार पेगुला ने यूक्रेन की लेसिया सुरेंको को 6-1, 6-3 से हराया। कोर्ट नंबर-1 पर यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने 2012 और 2013 की ऑस्ट्रेलिया ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेन्का को 2-6, 6-4, 7-6 से हराया। आखिरी सेट टाई ब्रेकर तक गया। जिसे यूक्रेनी स्टार ने 11-9 से अपने नाम किया।

पेगुला ने साल का 33वां मैच जीता

पेगुला ने 33 मैच जीते हैं। उनके अलावा दुनिया की नंबर-1 पोलैंड की इगा स्वियातेक, नंबर-2 आर्यना सबालेंका और नंबर-3 की एलिना रिबाकिना ही एक साल में 30+ मुकाबले जीत सकी हैं।

पेगुला ने पिछले 3 साल में छठी बार किसी भी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस टूर्नामेंट में वे पहली बार अंतिम-8 में पहुंची हैं। इस दौर में पेगुला का मुकाबला चेक गणराज्य की मार्केटा वोंड्रोयूसोवा से होगा। मार्केटा ने बाउचकोवा को 2-6 , 6-4, 6-3 से हराते हुए टॉप-8 में जगह बनाई है।

पिछले 25 वर्षों में पेगुला 5वीं अमेरिकी खिलाड़ी हैं। जिन्होंने सभी चारों ग्रैंडस्लैम के अंतिम आठ में पहुंचने में सफलता हासिल की है। अन्य में वीनस और सेरेना विलियम्सन के अलावा मेडिसन कीज और स्लोने स्टीफेंस ने ऐसा किया है।

स्वियातेक भी पहली टॉप-8 में

टॉप सीड इगा स्वियातेक भी पहली बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। उनके अलावा, इस कैटेगरी में रूस की मीरा आंद्रिवा ने अपने ही देश की अनास्तासिया पोटापोवा को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से हराते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

रुबलेव की संघर्षपूर्ण जीत, सिनर आसानी से जीते

जेंटलमैन कैटेगरी में बैनर तले उतरे 7वीं सीड रूबलेव ने कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक पर 7-5, 6-3, 6-7, 7-6, 6-4 और इटली के जैनिक सिनर ने कोलंबिया के डेनियल ऐलाही गैलन को 7-6, 6-4, 6-3 से हराया। इस कैटेगरी के तीसरे दौर में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने वर्षा बाधित मैच में 10वीं वरीयता के फ्रांसिस टियोफोई को 99 मिनट में 6-2, 6-3, 6-2 से हराया। दिमित्रोव 2014 में इस ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

मराठी आर्टिस्ट ने धोनी का वीडियो शेयर किया

जूम आर्ट से दिखाया पूरा करियर, इसमें जडेजा को गोद में उठाने वाला पल भी

नई दिल्ली।

महेंद्र सिंह धोनी ने भले ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो, लेकिन उनके लिए फैंस की दीवानगी कम नहीं होती। 7 जुलाई को माही ने अपना 42वां बर्थडे मनाया, इस मौके पर एक फैन ने उनका दिल छू जाने वाला वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में डिजिटल जूम आर्ट के जरिए धोनी का पूरा क्रिकेट करियर दिखाया गया है। वीडियो की जूम टेक्नीक चौंकाने वाली है।

भारत के नक्शे पर रांची से शुरू होने वाले इस डिजिटल आर्ट में बचपन में फुटबॉल खेलते धोनी के स्केच से लेकर उनके 5वीं बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने और रवींद्र जडेजा को गोद में उठाने का स्केच भी दिखाया गया। वीडियो में धोनी के बचपन में फुटबॉल खेलने के स्केच से लेकर उनके पहले शतक, टी-20 वर्ल्ड कप, वनडे वर्ल्ड कप और चैम्पियंस ट्रॉफी जीत के साथ आईपीएल प्रैक्टिस और 5वीं बार आईपीएल जीतने के बाद रवींद्र जडेजा को गोद में उठाने तक के स्केच नजर आए। कुल मिलाकर कहें तो फैन ने अपने पसंदीदा धोनी का पूरा क्रिकेट करियर एक डिजिटल जूम आर्ट में समा दिया।

महाराष्ट्र की आर्टिस्ट ने धोनी को बर्थडे विश किया

महाराष्ट्र के ठाणे में रहने वाली कॉर्पोरेट वर्कर प्रांजलि चव्हाण ने डिजिटल जूम आर्ट के जरिए धोनी को बर्थडे विश किया। उन्होंने 7 जुलाई को अपने इंस्टाग्राम पर एक मिनट 3 सेकेंड का वीडियो शेयर किया।

एक लाख से ज्यादा लाइक्स मिले

प्रांजलि के वीडियो शेयर करने के बाद अब ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। इसे अब तक एक लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। कई धोनी फैंस ने इसे खूब पसंद किया ट्विटर और बाकी सोशल मीडिया अकाउंट्स पर शेयर भी किया।

आर्टिस्ट बोलीं- बचपन से धोनी की फैन हूं

प्रांजलि चव्हाण ने कहा, मैं शुरू से ही धोनी की फैन रही हूं। मैं प्रोफेशनल आर्टिस्ट नहीं हूं, लेकिन इसमें दिलचस्पी है इसीलिए जूम आर्ट सीखा। मैं हर साल अपने आर्ट से धोनी को बर्थडे विश करती हूं। इस बार जूम आर्ट का सहारा लिया।

मैं इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज का जूम आर्ट भी बना चुकी हूं। मैं अब तक धोनी से नहीं मिली, लेकिन उनसे एक बार जरूर मिलना चाहूंगी। अगर मेरी कला ही उन तक पहुंच जाए, तब भी मैं अपने आप को खुशनसीब मानूंगी।

क्या होती है डिजिटल जूम आर्ट

डिजिटल जूम आर्ट स्पेशल कैमरा और इमेज एडिटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से बनाया जाता है। इसमें यूजर फोटो या वीडियो के किसी एक पार्ट को जूम कर उसमें दूसरी फोटो या वीडियो जोड़ सकता है। इसे माइक्रो ऑब्जेक्ट देखने के लिए बनाया गया था, लेकिन कुछ आर्टिस्ट ने इसका इस्तेमाल क्रिएटिव तरीके से किया और अब इस आर्ट के कई बेहतरीन एग्जाम्पल सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहे हैं।

कई बिमारियों में कारगार है ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल एक बहुत ही कारगर घरेलू उपाय है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण की मौजूदगी श्वसन तंत्र को सुचारू बनाने में फायदेमंद होती है। साथ ही यह दर्द को कम करने में मदद करता है। एक आधा छोटी चम्मच ऑलिव ऑयल में सामान मात्रा में शहद मिलाकर, सोने से पहले नियमित रूप से लें। गले में कंपन को कम करने और खर्राटों को रोकने के लिए नियमित रूप से इस उपाय का प्रयोग करें।

धूम्रपान से मुंह की बीमारियों का खतरा क्यों!

सिगरेट पीने से न सिर्फ कुछ जीवाणु मुंह में जमा हो जाते हैं, बल्कि वे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर भी हावी हो जाते हैं, जिसके कारण मुंह संबंधी कई बीमारियां हो सकती हैं। ये जीवाणु दांत, हृदय वॉल्व और धमनियों में बायोफिल्म्स का निर्माण करते हैं। बॉयोफिल्म कई सारी सूक्ष्म जीवाणुओं से मिलकर बनी जटिल संरचना होती है। इसके कारण कई अन्य नई समस्याएं भी पैदा हो जाती है।

डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेने से हो सकती हैं ये बीमारियां

सिर में मामूली सा दर्द हुआ नहीं कि रीमा ने पैरासीटामॉल की गोली गटक ली। रीमा हीं नहीं बल्कि रीमा की तरह बहुत से लोग ऐसा हीं करते हैं। लोगों को सेल्फ मेडिकेशन एक आसान, सस्ता और कम समय में होने वाला उपाय लगता है। लेकिन कम समय में मिलने वाली राहत जल्द ही स्थायी आदत में तब्दील हो जाती है और शरीर कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। माना कि पैरासीटामॉल एक ऐसी दर्दनिवारक दवा है जिसे दर्द होने पर समान्य लोगों के साथ-साथ गर्भवती महिलाएं भी आसानी से ले लेती है। और अधिक नुक्सानदेह ना होने कारण भारतीय मेडीकल दुकानों पर यह दवा बिना डॉक्टर की स्लिप आसानी से ली जा सकती हैं। लेकिन डॉक्टरी सलाह के बिना मामूली बुखार से परेशान होने पर भी आप पैरासीटामॉल की गोली ले लेते हैं और ऐसा आप कई सालों से करते आ रहे हैं, तो सावधान हो जाये। क्योंकि हर बार मामूली से दर्द या बुखार में पैरासीटामॉल लेना फायदे से ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है। इसके अधिक इस्तेमाल से शरीर के कई अंगों को नुकसान हो सकता है। आइए जानें बिना डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेना शरीर के लिए कैसे नुकसानदेह होता है। क्या आपने कभी भी दवा के पैकेट पर लिखा देखा हैं कि ज्यादा मात्रा में पैरासीटामॉल लेना लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। जीं हां डॉक्टरों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक दिन में 3 ग्राम से ज्यादा पैरासीटामॉल नहीं लेनी चाहिए और अगर किसी कारणवश लेनी भी पड़े तो पहले अपने डॉक्टर से पूछ लेना चाहिए।

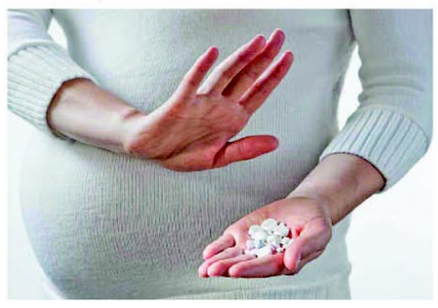

गर्भवती और बच्चों के लिए नुकसानदेह: आपको यह जानकर भी हैरानी होगी कि गर्भवती के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली पैरासीटामॉल अगर बिना जांच के गर्भवती को दी जाती है तो सुरक्षित समझे जाने वाली पैरासीटामॉल की गोली गर्भ में पल रहे बच्चे के पूर्ण विकास में रुकवाट पैदा कर सकती है। नेशनल हेल्थ सर्विस के अनुसार गर्भवती को बिना डॉक्टरी सलाह के पैरासीटामॉल नही लेनी चाहिए।

किडनी पर असर: दर्द निवारक दवा के रूप में पैरासीटामॉल का लंबे समय तक सेवन करना बहुत हानिकारक है। बिना डॉक्टरी सलाह के पीठ दर्द के लिए इसे लेने पर यह लाभ के बजाए नुकसान पहुंचाती है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के शोधकर्ताओं के अनुसार आस्टियोआर्थराइटिस एवं पीठ दर्द को कम करने के लिए लोग पैरासीटामॉल का इस्तेमाल आसानी से करते हैं, पर इसका किडनी पर असर पड़ता है।

अस्थमा की समस्या: हल्का सा बुखार होने पर ही हम अपने बच्चे को पैरासीटामॉल देने लगते हैं। लेकिन कई शोधों से ये बात साबित हुई है कि 6-7 साल की उम्र में बच्चों को पैरासीटामॉल देने से उनके शरीर में अस्थमा के लक्ष्णों को बढ़ावा मिलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि बच्चों को 101.3 एस्न बुखार होने पर ही पैरासीटामॉल देनी चाहिए।

पेट में गैस की समस्या और त्वचा पर एलर्जी : कई मामलों में तो पैरासीटामॉल का अधिक सेवन पेट में गैस की समस्या पैदा कर सकता है। तो अगर आप अपच या पेट में भारीपन से परेशान हैं तो हो सकता है कि ऐसा पैरासीटामॉल के सेवन से हो रहा हो। इसके अलावा कुछ लोगों को पैरासीटामॉल के अधिक सेवन करने से त्वचा पर लाल चकत्ते और एलर्जी हो जाती है, जिसमें खुजली या जलन भी होती है।

लीवर को नुकसान: अगर आप पीलिया या लीवर संबंधी किसी समस्या से पीड़ित हैं, तो डॉक्टर की सलाह लिए बिना पैरासीटामॉल खाने से लीवर डैमेज हो सकता है। कई मामलों में लीवर फेलियर के भी चांस होते हैं। इसलिए दवा को लेने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

सुस्ती महसूस होना: इसके अलावा कई बार पैरासीटामॉल लेने के बाद बहुत ज्यादा सुस्ती महसूस होती है। तो ऐसे में डॉक्टर से सलाह जरुर लें।

आंखों के दर्द से जुड़ी खास बातें

बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ये आदत भारी पड़ सकती है और इससे कई समस्याएं हो सकती हैं।

आंखों में दर्द के कारण

आंखे अनमोल हैं और शायद इसलिए ही ये शरीर का सबसे नाजुक और महत्वपूर्ण अंग हैं। आंखे जितनी अनमोल हैं, इनको देखभाल की भी उतनी ही जरूरत होती है। बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं, और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन आपकी ये आदत भारी पड़ सकती है। तो आंखों के दर्द को नज़रअंदाज न करें और जानें कि आंख में क्यों दर्द हो रहा है।

ऊपरी सतह पर दर्द

कई बार आपकी आंख की ऊपरी सतह पर दर्द होता है, और आपको इससे आंख में जलन, और खुजली भी महसूस होती है। यह अक्सर तब होता है जब आपको आंख में कोई चोट लगी हो। इस तरह का दर्द होने पर आप डाक्टर की सलाह पर आई ड्राप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भीतरी भाग में दर्द

आंखों के भीतरी भाग में दर्द होने पर आप अपनी आंखों में स्पंदन और किरकिरेपन जैसा महसूस करते हैं। इस तरह की स्थिति तुरंत में डॉक्टर से मिले क्योंकि यह किसी गंभीर चोट की वजह से होने वाला दर्द हो सकता है।

गंदगी की वजह से होने वाला दर्द

धूल मिट्टी से होने वाले दर्द से आंखों में खुजली होती है और वे लाल हो जाती है। इससे बचने के लिए सबसे बढ़िया तरीका है आंखों पर ठंडे पानी की छिटे मार कर इन्हें धोएं। इससे आंखों की गंदगी साफ हो जाएगी। आंखों पर हाथ न लगाएं।

चोट की वजह से आंख में दर्द

चोट लगने पर आंखों को सबसे ज्यादा हानि पहुंचती है। आंखों में जलन या बहुत तेज दर्द होना, इसका सबसे पहला लक्षण होता है। यह बहुत तेज रोशनी या सूरज की किरणों से भी हो सकता है।

गुहेरी

यह आमतौर पर आंखों के अंदरुनी भाग के किनारों पर होती है। ये आंख में किसी फुंसी के हो जाने जैसा होता है। ऐसे में आंख बेहद संवेदनशील हो जाती है और इसकी वजह से थोड़ा दर्द भी महसूस हो सकता है। इसके इलाज का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसे छूएं नहीं, और अपने आप ठीक होने दें। बस आंख की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें।

कॉंटेक्ट लेंस के कारण

जब आप हर समय कांटेक्ट लेंस पहने रहते हैं और इसे समय-समय पर साफ नहीं करते हैं तो इससे आंखों में जलन होने लगती है और कभी-कभी दर्द भी होता है। पुराने या इक्स्पाइरी कांटेक्ट लेंस पहने से आपकी आंखों में संक्रमण भी हो सकता है।

ग्लूकोमा के कारण

ग्लूकोमा यानी काला मोतिया एक गंभीर नेत्र रोग होता है। यह धीमी गति से आंखों को हानि पहुंचने वाली बीमारी है, इससे आंखों की ऑप्टिक नर्व को नुकसान होता है और यदि समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो इससे आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

उम्मीद की किरण है गर्भ प्रत्यारोपण

गर्भ प्रत्यारोपण उन हजारों महिलाओं के लिए उम्मीद की एक नई किरण है, जो गर्भधारण नहीं कर सकती। इस तकनीक के जरिए दूसरी महिला का गर्भ प्रत्यारोपित करके गर्भधारण कराया जाता है। यह उन महिलाओं के लिए वरदान की तरह है जो किसी बीमारी के कारण या गर्भ में समस्या के कारण मां बनने का सुख नहीं प्राप्त कर सकती हैं।

प्रत्यारोपण रहा सफल

गर्भ प्रत्यारोपण का प्रयास कई सालों से हो रहा है, लेकिन पहली बार सफलता प्राप्त की स्वीडन के चिकित्सकों ने। स्वीडन के डॉक्टरों ने अजूबा कर दिखाया। 36 साल की एक ऐसी महिला को मां बनने की खुशी दे दी, जिसके पास गर्भाशय ही नहीं था। यह मामला इसलिए भी खास है, क्योंकि दुनिया में पहली बार ऐसा हुआ है कि प्रत्यारोपित गर्भाशय से जन्म लेने वाला बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

पहले भी हुए प्रयास

इससे पहले भी गर्भाशय प्रत्यारोपण के जरिए कई प्रयास किए गए लेकिन कभी उन्हें शरीर ने स्वीकार नहीं किया तो उसे निकालना पड़ा तो कभी गर्भपात हो गया। 2000 में पहली बार सऊदी अरब में यूटरस ट्रांसप्लांट किया गया था। चार माह बाद ही महिला के शरीर ने ऑर्गन को रिजेक्ट कर दिया। आखिर उसे निकालना पड़ा। इसके बाद टर्की में कोशिश हुई। शरीर ने गर्भाशय तो स्वीकार कर लिया, लेकिन गर्भपात हो गया।

बच्चा है स्वस्थ

स्वीडन में पैदा हुआ बच्चा 1.8 किलो (3.9 पौंड) का है। प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ है। सात अन्य महिलाओं को भी इसी तरह यूटेरस ट्रांसप्लांट किए गए हैं। पांच अब भी गर्भवती हैं। डॉक्टर आशान्वित है कि जल्द ही और खुश-खबरें भी मिलेंगी।

समस्याएं भी आई

प्रत्यारोपित गर्भ से गर्भधारण के बीच में कई तरह की समस्याएं भी आईं। गर्भधारण के 31वें हफ्ते तक सबकुछ सामान्य रहा। इसके बाद महिला को हाई ब्लडप्रेशर से जुड़ी प्री-एक्लांपसिया बीमारी हो गई। बच्चे की हार्ट रेट भी असामान्य पाई गई। डॉक्टरों ने समय पूर्व डिलिवरी कराने का फैसला किया। लेकिन बाद में सबकुछ ठीक हो गया, लेकिन प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ।

महिला ब्रीमारी से ग्रस्त थी

जिस महिला को गर्भ प्रत्यारोपण के बाद मां बनाया गया वह रॉकिटांस्की जेनेटिक सिंड्रोम से पीड़ित थी। 4500 में से किसी एक महिला को यह बीमारी होती है। महिला जब 15 साल की हुई तो पहली बार उसे इसका पता चला। महिला को उसकी 61 साल की पारिवारिक मित्र ने अपना यूटेरस दान किया। चिकित्सक तब हैरान रह गए जब 61 साल की इस महिला की कोख गर्भधारण के लिए टेस्ट में दुरुस्त पाई गई, जबकि सात साल पहले उसका मेनोपॉज बंद हो चुका था। यह उन महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण की तरह है जो किसी परेशानी के कारण मां बनने में सफल नहीं हो पाती है।

किशमिश खाकर करें वजन कम

सूखे मेवे के सेवन से भी वजन को घटाया जा सकता है। इसमें किशमिश का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इस बारे में विस्तार से जानने के लिए ये पढ़े। किशमिश को सूखे मेवे का राजा कहा जाता है। किशमिश का सेवन सीधे तौर पर वजन घटाने के लिए नहीं होता है लेकिन शरीर को स्वस्थ रखने में इसकी बड़ी भूमिका होती है। किशमिश को उसके पोषण तत्वों और स्वास्थ्य लाभों के कारण हीरा माना जाता है। किशमिश खाने से ब्लड बनता है, वायु, पित्त और कफ दोष दूर होता है।

एनर्जी देता है

किशमिश में मौजूद शर्करा शरीर में आसानी से पच जाती है। नतीजनत् शरीर को शक्ति और स्फूर्ति प्राप्त होती है। किशमिश पूरी तरह से कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है। किशमिश में घुलनशील फाइबर बहुत अधिक मात्रा में होता है। यह घुलनशील फाइबर बुरे कोलेस्ट्रॉल का विरोध करता है। इसके अलावा किशमिश पोलीफेनोल्स एंजाइम को भी दबाता है जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल को अवशोषित के लिए जिम्मेदार होता है।

पाचन को ठीक रखता है

रोजाना किशमिश का सेवन करने से आपका हाजमा ठीक रहता है और पाचन तंत्र भी सुचारू रूप से कार्य करता है। किशमिश लैक्सटिव के रूप में कार्य करती है। यह पेट में जाकर पानी को अवशोषित करती है, जिसके फलस्वरूप कब्ज से राहत मिलती है। किशमिश में पाये जाने वाले फाइबर गैस्ट्रोइंटेस्टिनल मार्ग से विषाक्त और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत करता है

मोटे लोगो की हड्डियां कमजोर होती है। शरीर का ज्यादा वजन भी हड्डियों को कमजोर और दुर्बल बनाता है। अगर आप वजन कम कर रहे हो तो सारे आहार वजन कम करने वाले नहीं लेने चाहिए, ये तरीका आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको कुछ ऐसे आहार शामिल करने चाहिए जो आपको ऊर्जा दे सके। इसके लिए किशमिश सबसे बेहतर विकल्प है। अगर आप शक्कर बिल्कुल भी नहीं लेते हो तो भी किशमिश आपके शरीर में ग्लूकोज का स्तर बनाए रखती है। किशमिश कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

स्वस्थ रखता है

एक फिट व्यक्ति स्वस्थ रहता है। किशमिश सीधे तौर पर भले ही वजन कम करने में सहायक ना हो, लेकिन इससे मिलने वाले फासदे वजन को नियंत्रित करने में मदद करते है।

उदाहरण के तौर पर रोजाना किशमिश खाने वाले व्यक्ति को हृदय से जुड़ी परेशानियों का सामना कम करना पड़ता है। किशमिश आपके शरीर में पीएच स्तर को भी संतुलित रखता है। आवश्यक मात्रा में किशमिश का सेवन आपके इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

रेसिपी

आलू कुरकुरे

सामग्री

1 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1/2 कप कटा हुआ पुदीना, 12 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून भुना हुआ ज़ीरा पाउडर, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, 5 टेबल-स्पून मैदा, 5 टेबल-स्पून पोहा , दरदरा क्रश किया हुआ, तेल,
परोसने के लिए: स्वीट एण्ड सॉर सॉस

विधि

आलू, पुदीना, हरी मिर्च, ज़ीरा पाउडर, नींबू का रस और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के छोटे गोले बना लें। एक तरफ रखें। मैदा को थोड़े पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा और मुलायम पेस्ट बनाकर एक तरफ रख दें। प्रत्येक आलू के बॉल को मैदा के पेस्ट में डुबोकर पोहे में अच्छी तरह से लपेट लें। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े आलू बॉल डालकर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। स्वीट एण्ड सॉर सॉस के साथ गरमा गरम परोसें।

कॉर्न एंड वेजिटेबल रोटी

सामग्री

1 कप मकई का आटा, 1/2 कप कसी हुई फूलगोभी, 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप उबले , छिले और कसे हुए आलू, 2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक सवादअनुसार, मकई का आटा , तेल
परोसने के लिए: ताज़ा दही, अचार

विधि

मकई के आटे को छानकर, सभी सामग्री मिलाकर, ज़रुरत हो उतना गुनगुना पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 7 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को थोड़े सूखे मकई के आटे का प्रयोग कर 125 एमएम। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और थोड़े तेल का प्रयोग कर प्रत्येक रोटी को दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। ताज़े दही और अचार के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**